आज का विचार

ये ना पूछना जिंदगी खुशी कब देती है, क्योंकि शिकायतें तो उन्हें भी हैं जिन्हें जिंदगी सब कुछ देती है।

दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

5

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

पंचकूला । रविवार, 30 नवंबर, 2025 | वर्ष 1, अंक 109, मूल्यः 3 रुपए, | पृष्ठ 8 | RNI Regn No.: HRHIN/25/A2164 Established 2025 | www.citydarpan.com

प्रदेश की बहनों ने अपनी मेहनत और हुनर से देशभर में कमाया नामः नायब सैनी

कहा- स्वयं सहायता समूह आत्मनिर्भर भारत की अग्रदूत, आत्मनिर्भर भारत का असली चेहरा

भूपेंद्र शर्मा
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश की बहनों ने अपनी मेहनत और हुनर से देशभर में नाम कमाया है। यही आत्मनिर्भर भारत की पहचान है हर घर में हुनर और हर हाथ को काम है। आज हरियाणा के हजारों स्वयं सहायता समूह आत्मनिर्भर भारत के सबसे मजबूत स्तंभ बन चुके हैं।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी शनिवार को पंचकूला में स्वयं सहायता समूह सम्मेलन में महिलाओं को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूह आत्मनिर्भर भारत के अग्रदूत हैं। आत्मनिर्भर भारत का असली चेहरा हैं। जब किसी गांव की महिला सिलाई मशीन लेकर या कोई युवा बेटी डेयरी या हस्तशिल्प का कार्य शुरू करती है, तो वह सिर्फ अपने परिवार की आजीविका नहीं बनाती, वह समाज का भविष्य गढ़ती है।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने अब तक 65 हजार से अधिक स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाया है। इनमें लाखों महिला सदस्य अपनी मेहनत से समाज में सम्मान और पहचान बना रही हैं। सहायता समूहों को बैंक ऋण, प्रशिक्षण, विपणन और ब्रांडिंग की पूरी सुविधा दी है, ताकि वे केवल उत्पादन ही नहीं, बिक्री में भी आत्मनिर्भर बन सकें। प्रदेश की महिलाएं पापड़, अचार, हस्तशिल्प व डेयरी उत्पादों में अपने कौशल का कमाल दिखा रही हैं। साथ ही जैविक खेती और डिजिटल सेवाओं से लेकर छोटे उद्योगों तक में अपनी भागीदारी बखूबी निभा रही हैं। हमारी बहनें अब डिजिटल पेमेंट, ई-कॉमर्स, और ऑनलाइन मार्केटिंग जैसे क्षेत्रों में भी आगे बढ़ रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों के काम की प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भी प्रशंसा की है। उन्होंने 28 जुलाई, 2024 को मन की बात कार्यक्रम में रोहतक जिले के हथकरघा उद्योग का जिक्र किया है। उस उद्योग में लगी बहनों की मेहनत और कौशल की तारीफ की । उसमें हमारे रोहतक जिले की 250 से अधिक महिलाएं ब्लॉक प्रिंटिंग एवं रंगाई का काम करती हैं। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर ट्रेनिंग हासिल की है। जिला गुरुग्राम में शंकर की ढाणी गांव में शंकर स्वयं सहायता समूह में 250 बहनें अपना रोजगार चला रही हैं। वे 150 से अधिक घरों से दूध लेकर डेयरी चला रही हैं, मिठाई की दुकान चला रही हैं और मोटे अनाज के लड्डू, खिचड़ी व अन्य उत्पाद भी बनाकर बेचती हैं। इसी प्रकार, गुरुग्राम के गांव चांदू निवासी पूजा शर्मा को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस-2022 के अवसर पर देश के राष्ट्रपति द्वारा ह्यनारी शक्तिह्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

उन्होंने कहा कि बहनें पशुपालन, बागवानी, मछली पालन, ब्यूटी पार्लर, किराना की दुकानों, कैंटीन आदि के माध्यम से स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा दे रही हैं। हर क्षेत्र में किसी न किसी उत्पाद की अपनी ही खासियत होती है। हम ऐसे ही उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए पदमा स्कीम के तहत वन ब्लॉक-वन प्रोडक्ट को प्रोत्साहित कर रहे हैं। इस पहल में स्वयं सहायता समूहों की बहनों का अनुभव और कौशल बड़ा काम आएगा।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री मोहन लाल बडौली, विधायक श्रीमती शक्ति रानी शर्मा सहित काफी संख्या में स्वयं सहायता समूह उपस्थित रहे।

सूक्ष्म उद्योगों में निवेश की ऊपरी सीमा को बढ़ाया गया

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सूक्ष्म उद्योग में निवेश की ऊपरी सीमा 25 लाख रुपये से बढ़ाकर 1 करोड़ रुपये कर दी गई है। इसी प्रकार, लघु औद्योगिक इकाइयों में निवेश की ऊपरी सीमा 5 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये तथा मध्यम इकाई में 10 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 50 करोड़ रुपये कर दी गई है। मुख्यमंत्री ने स्वयं सहायता समूहों से आग्रह किया कि इस तरह के उद्योग लगाकर भी स्वदेशी को बढ़ावा दें और देश-प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने में और अधिक योगदान करें।

स्वयं सहायता समूहों को स्वरोजगार चलाने के लिए दिए कई प्रोत्साहन

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने स्वयं सहायता समूहों को स्वरोजगार चलाने के लिए कई प्रोत्साहन दिए हैं। इन्हें रिवोलविंग फण्ड और सामुदायिक निवेश निधि के रूप में सरल ऋण के तौर पर वित्तीय सहायता दी है । अब तक लगभग 548 करोड़ रुपये की विभिन्न प्रकार की वित्तीय सहायता दी जा चुकी है। सरकार ने सामुदायिक निवेश निधि की राशि 50 हजार से बढ़ाकर 1 लाख 50 हजार रुपये कर दी है। रिवोलविंग फण्ड की राशि 10 हजार रुपये से बढ़ाकर 20 हजार रुपये की है। महिला स्वयं सहायता समूहों को 5 लाख रुपये तक का ऋण लेने पर स्टाम्प शुल्क से छूट भी दी गई है।

सहायता समूहों ने आर्थिक मजबूती के साथ नेतृत्व और उद्यमिता को दी नई दिशा

उन्होंने कहा कि सहायता समूहों ने न केवल आर्थिक मजबूती दी है बल्कि आत्मविश्वास, नेतृत्व और उद्यमिता को नई दिशा दी है। गांव-गांव में महिलाओं के प्रति बदलती सोच, घर-घर में बढ़ता सम्मान और समाज में उभरती नई ऊर्जा, यह सब स्व-सहायता समूहों के योगदान का ही परिणाम है। विकसित हरियाणा-विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि में समूहों की भूमिका का महत्व बहुत ज्यादा है। आत्मनिर्भर भारत-आत्मनिर्भर हरियाणा के निर्माण में आप जितना ज्यादा और जितना सक्रिय योगदान देंगी, हम अपने लक्ष्य को उतना ही जल्दी प्राप्त कर पाएंगे।

हमारी सरकार निरंतर महिलाओं को सशक्त बनाने का कर रही है काम

सैनी ने कहा कि हमारी सरकार महिलाओं को सशक्त बनाने का निरंतर काम कर रही है। हमारे सरकार ने जो कहा है उसको धरातल पर उतारने का काम किया है। सरकार ने पहले ही बजट में लाडो लक्ष्मी योजना के लिए 5 हजार करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया। इस योजना में लगातार पंजीकरण हो रहा है जिसकी हमने पहली किस्त भी जारी कर दी है। जिसकी दूसरी किस्त भी जल्द जारी की जाएगी। जिन परिवारों की आय 1 लाख 80 हजार से कम है उन बहनों को 500 रुपये में गैस सिलेंडर दिया है।

भारत नए व्यापार समझौते और मेक इन इंडिया को दे रहा तेजी : जयशंकर

एजेंसी (हि.स.)
कोलकाता

कोलकाता में मिली डिलीट की उपाधि

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को कहा कि मौजूदा दौर में राजनीति लगातार आर्थिक नीतियों पर भारी पड़ रही है। वे कोलकाता के जोका स्थित आईआईएम कोलकाता परिसर में मानद डॉक्टरेट की उपाधि ग्रहण करने के बाद बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि यह ऐसा समय है, जब राजनीति अर्थ व्यवस्था को पीछे छोड़ रही है और यह कोई शब्दों का खेल नहीं है। वैश्विक राजनीति पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका अब पुराने ढांचों की जगह देशों से सीधे द्विपक्षीय आधार पर संबंध तय कर रहा है, जबकि चीन अपने बनाए नियमों के अनुसार चल रहा है और यह प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है।

जयशंकर ने कहा कि इस माहौल में कई देश यह समझ नहीं पा रहे हैं कि उन्हें प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धा पर ध्यान देना चाहिए या उसके बीच होने वाले समझौतों और हितों के संतुलन पर। वैश्वीकरण, बिखराव और आपूर्ति असुरक्षा के दौर में बाकी दुनिया हर तरह की परिस्थितियों के लिए खुद को तैयार कर रही है। देशों में मुक्त व्यापार समझौतों के प्रति उत्साह बढ़ना इसी प्रवृत्ति का संकेत है।

उन्होंने बताया कि वैश्विक उत्पादन का बड़ा हिस्सा आज चीन में होता है, जिससे आपूर्ति की मजबूती और भरोसेमंदी की जरूरत और बढ़ जाती है। संघर्षों और जलवायु घटनाओं ने बाधाओं का खतरा और बढ़ाया है। ऊर्जा क्षेत्र में संयुक्त राज्य अमेरिका अब बड़े आयातक से महत्वपूर्ण निर्यातक बन चुका है, जबकि नवीकरणीय ऊर्जा में चीन का दबदबा है।

व्यापार तनावों का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आपूर्ति संबंधी जोखिम मांग की अनिश्चितताओं से और बढ़ रहे हैं। शुल्क दरों का महत्व बढ़ने से वैश्विक व्यापार में उतारझ्चढ़ाव तेज हुआ है और वित्तीय मोर्चे पर प्रतिबंधों, परिसंपत्तियों की जब्ती और ब्लॉकचेन तकनीकों का उभार नई वास्तविकताएं बन चुका है।

उन्होंने कहा कि इन वैश्विक बदलावों के बीच भारत ने मेक इन इंडिया को मजबूती से आगे बढ़ाया है, जो हमारी व्यापक राष्ट्रीय शक्ति को बढ़ाने, कमजोरियों को घटाने और वैश्विक प्रभाव बढ़ाने की दिशा में एक अहम कदम है। उन्होंने बताया कि एक उभरती शक्ति के लिए मजबूत औद्योगिक आधार आवश्यक है और यह सोच पहले हमेशा स्वीकार नहीं की जाती थी।

जयशंकर ने उद्योग जगत से अल्पकालिक सोच छोड़कर घरेलू आपूर्ति श्रृंखलाएं विकसित करने की अपील की ताकि वैश्विक नेटवर्क में भागीदारी के साथ देश की औद्योगिक क्षमता भी मजबूत हो। उन्होंने कहा कि मेक इन इंडिया अब शोध, नवाचार और डिजाइन के साथ और सशक्त हो रहा है।

उन्होंने कहा कि दुनिया भर में बढ़ती अनिश्चितताओं के बीच आपूर्ति के स्रोतों में विविधता लाना राष्ट्रीय जरूरतों की पूर्ति के लिए अनिवार्य है। इसी उद्देश्य से भारत नए व्यापार समझौतों और कनेक्टिविटी पहलों पर तेजी से काम कर रहा है, जो दुनिया के भारत के प्रति बढ़ते भरोसे को भी दशार्ता है। जयशंकर ने कहा कि जैसेझ्जैसे भारत वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में ऊपर उठ रहा है, इन पहलों की महत्ता और बढ़ेगी। व्यापार के मामलों में भारत लोगों को केंद्र में रखकर निर्णय करेगा और कनेक्टिविटी योजनाएं रणनीतिक और आर्थिक दोनों लक्ष्यों को ध्यान में रखकर आगे बढ़ाई जाएंगी।

उत्तरी तमिलनाडु, पुडुचेरी और दक्षिण आंध्र तट की ओर बढ़ रहा चक्रवाती तूफान दित्वा

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उत्तरी श्रीलंका के ऊपर बना चक्रवाती तूफान दित्वा अब भारत की तरफ बढ़ रहा है। रविवार की सुबह तक इसके उत्तरी तमिलनाडु, पुडुचेरी और दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटों पर दस्तक देने की संभावना है। इससे इन क्षेत्रों में भारी बारिश और समुद्री तूफान का खतरा बढ़ गया है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, दित्वा के कारण दो दिसंबर तक तटीय आंध्र प्रदेश और रायलसीमा में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। केरल में भी बारिश की चेतावनी जारी की गयी है, जबकि तटीय तमिलनाडु में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी बारिश की संभावना जताई गई है। तूफान के 30 नवंबर की सुबह तक उत्तरी तमिलनाडु तट तक पहुंचने की संभावना है। इसके प्रभाव से तमिलनाडु, पुडुचेरी और दक्षिणी आंध्र प्रदेश में समुद्री हवाओं की रफ्तार 70 से 90 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच गई है। समुद्र में 8 मीटर तक ऊंची लहरें उठ रही हैं।

मछुआरों को एक दिसंबर तक समुद्र में न जाने की सलाह दी गयी है खासकर दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी, मन्नार की खाड़ी, कोमोरिन क्षेत्र और तमिलनाडु-पुडुचेरी तटों पर। पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी और दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्र में 2 दिसंबर तक और दक्षिण-पूर्वी अरब सागर, लक्षद्वीप, मालदीव और केरल तट पर 30 नवंबर तक मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी गयी है। तूफान की वजह से तमिलनाडु के कई जिलों में स्कूल बंद कर दिए गए हैं और चेन्नई हवाई अड्डे पर 50 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। प्रभावित इलाके जैसे मदुरै, तिरुचिरापल्ली, थूथुकुडी, सलेम, बेंगलुरु और हैदराबाद के लिए उड़ानें प्रभावित हुई हैं। आईएमडी ने बताया कि तूफान वर्तमान में श्रीलंका के जाफना से लगभग 80 किलोमीटर पूर्व, वेदारनियम से 140 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व और चेन्नई से 380 किलोमीटर दक्षिण में केंद्रित है। तूफान उत्तर-उत्तर पश्चिम की दिशा में बढ़ रहा है और रविवार, 30 नवंबर की सुबह तक तमिलनाडु, पुडुचेरी और दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्रों तक पहुंचने की संभावना है। तमिलनाडु और पुडुचेरी के तटीय क्षेत्रों में हवा की रफ्तार 70-90 किलोमीटर प्रति घंटे तक है, जबकि आंध्र प्रदेश में यह 50-70 किलोमीटर प्रति घंटे के बीच है। समुद्र की तूफानी लहरें तटीय क्षेत्रों को प्रभावित कर रही हैं। खगोलीय ज्वार के कारण 1.0 से 1.5 मीटर ऊंची तूफानी लहरें श्रीलंका के निचले तटीय इलाकों को जलमग्न कर सकती हैं, जबकि तमिलनाडु और पुडुचेरी में 0.5 से 1 मीटर ऊंची लहरों का खतरा है।इस तूफान ने श्रीलंका में भारी तबाही मचाई, जिससे प्रभावित इलाकों में अब तक 123 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है, जबकि 130 लोग लापता हैं।

संबंधित पेज 6 पर

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने किया मध्य प्रदेश के गुना जिले में बागेरी खाद वितरण केंद्र का निरीक्षण

अन्नदाता मेरी पहली प्राथमिकता, उन्हें किसी प्रकार की असुविधा बर्दाश्त नहीं : सिंधिया

एजेंसी (हि.स.)
गुना

केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने मध्य प्रदेश प्रवास के तीसरे दिन शनिवार को गुना जिले के विकासखण्ड बमोरी अंतर्गत बागेरी खाद वितरण केन्द्र पर औचक निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि मेरे अन्नदाता मेरी पहली प्राथमिकता हैं, उन्हें किसी प्रकार की असुविधा मुझे बर्दाश्त नहीं होगी।

इस दौरान उन्होंने किसानों से सीधी बातचीत की, उनकी समस्याएँ सुनीं और वितरण प्रक्रिया को देखा। केन्द्रीय मंत्री ने वहाँ मौजूद किसानों को भरोसा दिलाया कि आपको अब एक दाना खाद पाने के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा, यह मेरी जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले के सभी खाद वितरण केंद्रों का लगातार निरीक्षण किया जाए, व्यवस्था में पारदर्शिता लाई जाए और किसी भी किसान को असुविधा न होने दी जाए।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया शनिवार को ग्राम कुशेपुर में मृतका भूरिया बाई के परिजनों से भी मिलने पहुँचे। उन्होंने परिवार को ढांढस बंधाया और गहरा शोक व्यक्त किया। केन्द्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना से दो लाख रुपये और मृत्य प्रमाण पत्र परिजन को मुहैया कराया। इससे पहले केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह सिसोदिया और कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल को मृतका के घर भेजा तथा परिवार को तत्काल राहत और सहायता दिलाने के निर्देश दिए। केन्द्रीय मंत्री ने मृतका के परिवार से मृत्यु प्रमाण-पत्र के संबंध में अभद्र आचरण करने वाले क्लर्क महेन्द्र सिंह जाटव को भी तत्काल निलंबित किया गया।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने शनिवार को मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन एवं जिला पंचायत गुना द्वारा संचालित जिज्जी एस की पंचायत रेस्टो मार्ट का विधिवत शुभारंभ किया। यह पहल ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को रोजगार, बाजार एवं पहचान प्रदान कर आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। रेस्टो मार्ट में स्व-सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार पारंपरिक भोजन, पैक किए गए स्थानीय उत्पादों तथा हस्तनिर्मित वस्तुओं की प्रदर्शनी एवं बिक्री की व्यवस्था है। यह कदम ग्रामीण उत्पादों को बढ़ावा देने और उन्हें व्यापक बाजार उपलब्ध कराने में सहायक सिद्ध होगा। स्थल पर सुपर लूडो, सुपर स्नेक एंड लैडर, टेबल टेनिस, मिनी क्रिकेट सहित कई मनोरंजक गतिविधियाँ उपलब्ध हैं, जो सभी आयु वर्ग के लिए इसे एक आकर्षक व समग्र अनुभव का केंद्र बनाती हैं।

इस पहल से तीन स्व-सहायता समूहों की लगभग 25 महिलाओं को प्रतिदिन 500 से 1200 रुपये तक की आय प्राप्त हो रही है। यह उनके आर्थिक सशक्तिकरण, आत्मविश्वास और स्वाभिमान को नई दिशा प्रदान कर रहा है। कार्यक्रम की शुरूआत में केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने उपस्थित लोगों के साथ सेल्फी पॉइंट पर फोटो खिंचवाए। इसके बाद फीता काटकर रेस्टो मार्ट का शुभारंभ किया। उन्होंने मार्ट के अंदर विभिन्न स्टॉलों पर तैयार उत्पादों का अवलोकन किया और स्व-सहायता समूह की महिलाओं से संवाद कर उनके कार्यों की सराहना की।

केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने रेस्टो मार्ट परिसर में उपलब्ध खेल गतिविधियों में सहभागिता दी और वहां परोसी गई ब्लैक कॉफी के साथ-साथ स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा बनाए गए रसगुल्ले का स्वाद भी लिया और उसकी विशेष रूप से प्रशंसा की। इसके उपरांत उन्होंने बाहर निर्मित मिनी क्रिकेट मैदान में भी खेल में शामिल होकर उपस्थित लोगों का उत्साह बढ़ाया। केन्द्रीय मंत्री ने शनिवार को लक्ष्मीगंज में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम में सिंध नदी से गुना शहर के लिए जलप्रदाय योजना राशि 48.74 करोड रुपये का भूमिपूजन किया गया। साथ ही संयुक्त एसडीएम कार्यालय भवनलागत 8.38 करोड़ रुपये तथा संयुक्त तहसील कार्यालय भवन लागत 7.96 करोडएवं शासकीय हाई स्कूल पाटईका ₹ 1.47 करोडकी लागत से बने भवनों का लोकार्पण किया।

केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने सर्वप्रथम सिंध नदी जल प्रदाय योजना के अंतर्गत आने वाले 48.74 करोड़ की अमृत 2.0 परियोजना का भूमिपूजन किया। यह परियोजना वर्ष 2050 तक गुना शहर को निर्बाध, गुणवत्तापूर्ण और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है, जो बढ़ती आबादी और शहरी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए दीर्घकालिक समाधान प्रदान करेगी। सिंधिया ने कहा कि यह योजना न केवल शहर की पेयजल समस्या का स्थायी समाधान देगी, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी सुरक्षित जल की गारंटी प्रदान करेगी।

इस अवसर पर सिंधिया ने प्रशासनिक संरचनाओं को मजबूत बनाने वाली दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं एसडीएम कार्यालय भवन और तहसील कार्यालय भवन का लोकार्पण भी किया। इन भवनों के शुभारंभ से आमजन को राजस्व एवं प्रशासनिक सेवाएँ अधिक सुगमता, तेजी और पारदर्शिता के साथ उपलब्ध होगी। सिंधिया ने कहा कि आधुनिक सुविधाओं से युक्त ये कार्यालय नागरिकोंके लिए ह्लएक ही छत के नीचेह्व त्वरित सेवाओं का केंद्र बनेंगे, जिससे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के लोगों को बड़ा लाभ मिलेगा।

सिंधिया ने पार्टली हाई स्कूल के नव-निर्मित भवन का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि शिक्षा, पेयजल, प्रशासनिक संरचना और सार्वजनिक सुविधाएँ किसी भी जिले के विकास की मूल आधारशिलाएँ हैं और गुना इन चारों आयामों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। गुना केवल उनका संसदीय क्षेत्र नहीं, बल्कि उनका परिवार है। उन्होंने कहा कि गुना के हर घर की सुविधा, हर परिवार की समृद्धि, और हर युवा के उज्जवल भविष्य के लिए मैं प्रतिबद्ध हूँ। जनता का विश्वास मेरी सबसे बड़ी शक्ति है, और यह शक्ति मुझे गुना के निरंतर विकास के लिए दिन-रात कार्य करने की प्रेरणा देती है।

संजौली मस्जिद मामला : हिंदू संघर्ष समिति ने प्रशासन के साथ बैठक का किया बहिष्कार, निकाली शव यात्रा

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

शिमला के संजौली की विवादित मस्जिद मामले को लेकर शनिवार को हालात फिर तनावपूर्ण हो गए। जिला प्रशासन के साथ प्रस्तावित बैठक का हिंदू संघर्ष समिति ने बहिष्कार कर दिया। बैठक में न जाने के बाद समिति के सदस्यों ने संजौली पुलिस थाना से संजौली चौक तक सरकार की शव यात्रा निकाली। इस दौरान समिति के कार्यकताओं ने जमकर नारेबाजी की और सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए।

समिति के सदस्यों ने संजौली थाना के बाहर ही राज्य सरकार का पुतला जलाया। हैरानी की बात यह रही कि पुतला जलाए जाने के समय मौके पर पुलिस का एक भी जवान मौजूद नहीं था। यहां तक कि थाने के बाहर खड़े किसी पुलिसकर्मी ने भी पुतला जलाने की कार्रवाई को रोकने का प्रयास नहीं किया।

हिंदू संघर्ष समिति के नेताओं विजय शर्मा और मदन ठाकुर ने प्रशासन पर वादाखिलाफी के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को विवादित मस्जिद में एक व्यक्ति द्वारा जुमे की नमाज अता की गई, जबकि समिति ने पहले ही अपील की थी कि मामले के समाधान तक नमाज न पढ़ी जाए। नेताओं ने राज्य सरकार पर मुस्लिम परस्ती का आरोप लगाते हुए कहा कि हिंदुओं की भावनाओं को लगातार अनदेखा किया जा रहा है।

समिति ने स्पष्ट किया कि उन्हें प्रशासन और उसकी कार्रवाइयों पर अब भरोसा नहीं रहा, इसलिए उन्होंने बैठक में भाग न लेने का फैसला लिया। नेताओं ने कहा कि मामला अब हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय में विचाराधीन है और न्यायालय का सम्मान करते हुए क्रमिक अनशन को समाप्त किया जा रहा है। दरअसल, हिंदू संघर्ष समिति मस्जिद में गतिविधियां रोकने और बिजली-पानी की सप्लाई बंद करने की मांग को लेकर अनशन पर बैठी हुई थी।

समिति ने सरकार को चेतावनी दी कि यदि विवाद का न्यायोचित समाधान नहीं हुआ तो आने वाले दिनों में प्रदेश स्तर पर बड़ा जन आंदोलन शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हिंदू संघर्ष समिति हर मोर्चे पर संघर्ष के लिए तैयार है और हिंदुओं के सम्मान और अधिकारों की रक्षा के लिए आंदोलन तेज करेगा।

बता दें कि संजौली मस्जिद मामला हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट भी पहुँच गया है। वक्फ बोर्ड ने नगर निगम शिमला और जिला अदालत द्वारा मस्जिद की निचली दो मंजिलों को अवैध करार देकर तोड़ने के आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। इस याचिका की मेंटेनेबिलिटी पर सुनवाई एक दिसंबर को न्यायाधीश विवेक सिंह ठाकुर और न्यायाधीश रोमेश वर्मा की खंडपीठ में होगी।

बीते 30 अक्तूबर को जिला अदालत ने नगर निगम आयुक्त कोर्ट के आदेश को सही ठहराते हुए मस्जिद की निचली दोनों मंजिलों को अवैध निर्माण बताते हुए दो महीनों के भीतर इन्हें गिराने के आदेश दिए थे। अदालत ने कहा था कि संजौली मस्जिद सरकारी भूमि पर बनी है और यदि वक्फ बोर्ड तथा मस्जिद कमेटी तय समय में कार्रवाई नहीं करती, तो नगर निगम निर्माण हटाएगा और खर्च प्रतिवादियों से वसूला जाएगा।

कांग्रेस का संगठन सृजन अभियान, कठुआ में शुरू हुई नई पहल

कठुआ। कांग्रेस पार्टी ने जम्मू के कठुआ जिले में अपने संगठन सृजन अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान के तहत पार्टी जमीनी स्तर से जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष का चुनाव करेगी। नेता प्रतिपक्ष उत्तराखण्ड यशपाल आर्य ने कहा कि पार्टी इस प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से पूरा करेगी। संगठन सृजन अभियान के तहत पार्टी कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ नेताओं से रायशुमारी करके कठुआ जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद के लिए 6 कार्यकर्ताओं का पैनल अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी को भेजा जाएगा। इसके बाद एआईसीसी अध्यक्ष पद के लिए उपयुक्त कार्यकर्ता का चुनाव करेगी। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि हर कार्यकर्ता को अलग-अलग वार्ता का अवसर दिया जाएगा। कोई भी कार्यकर्ता जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद पर दावेदारी कर सकता है और कोई भी कार्यकर्ता कभी भी उन्हें मिलकर अपनी बात रख सकता है। यशपाल आर्य ने जम्मू-कश्मीर को फिर से पूर्ण राज्य का दर्जा देने और धारा 370 को हटाए जाने के संबंध में कहा कि उत्तराखण्ड की तरह जम्मू-कश्मीर भी एक पर्वतीय प्रदेश है। उन्होंने कहा कि समय रहते उन निर्णयों पर पुनर्विचार करना चाहिए जो यहां की जनता की आकांक्षाओं पर खरे नहीं उतरे हैं। पत्रकार वार्ता में लाल सिंह, पंकज डोगरा, मोहिंदर चैधरी, बलबीर सिंह आदि मौजूद रहे।

खुले में शराब पी तो होगी कार्रवाई, जुर्माना और हो सकती है जेल

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सड़क किनारे, पार्कों, बाजारों या अन्य सार्वजनिक स्थानों पर खुले में शराब पीते हुए पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। शिमला के उपायुक्त अनुपम कश्यप ने शनिवार को एक बैठक में कहा कि एक्साइज एक्ट की धारा 46 के तहत ऐसे लोगों पर 1 हजार से 5 हजार रुपये तक का जुमार्ना लगाया जाएगा और इसके अलावा तीन महीने तक की जेल का भी प्रावधान है। उन्होंने कहा कि नियमों का उल्लंघन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उपायुक्त की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला स्तरीय एन-कोर्ड समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मादक द्रव्यों के सेवन की रोकथाम से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। उपायुक्त ने कहा कि प्रदेश सरकार ने चिट्टा मुक्त हिमाचल अभियान शुरू किया है, जिसका उद्देश्य नशीले पदार्थों से मुक्त समाज का निर्माण करना है। उन्होंने कहा कि अभियान में स्कूल, कॉलेज, संस्थान, पंचायतें, प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी और आम नागरिक सभी अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर सूचना प्रणाली को मजबूत बनाना आवश्यक है ताकि नशे के कारोबार में शामिल लोगों की जानकारी तुरंत जांच एजेंसियों तक पहुंच सके। नशा निवारण कमेटियों के माध्यम से जागरूकता और रोकथाम का कार्य तेज करने पर भी जोर दिया गया।

बैठक में बताया गया कि यदि कोई बैंक्वेट हॉल, पार्टी लॉन, मैरिज पैलेस, धर्मशाला या अन्य वाणिज्यिक परिसर बिना छ-50इ लाइसेंस के मदिरा परोसते पाए गए, तो उन पर पहली बार 50 हजार, दूसरी बार 75 हजार और तीसरी व प्रत्येक बार 1 लाख रुपये जुमार्ना लगाया जाएगा। इसी तरह यदि छ-3, छ-4, छ-5 आदि लाइसेंसधारी अपनी परिसर सीमा से बाहर बिना छ-6अ लाइसेंस के शराब परोसते हैं तो उन पर पहले अपराध पर 20 हजार, दूसरे पर 35 हजार और तीसरे अपराध पर 50 हजार रुपये जुमार्ना लगाया जाएगा। चौथा अपराध होने पर लाइसेंस रद्द कर दिया जाएगा।

बैठक में ड्रग ट्रैफिकिंग रोकथाम, अवैध चूरा-पोस्त व गांजा खेती की निगरानी, युवाओं और छात्रों में जागरूकता बढ़ाने, ड्रग डिटेक्शन उपकरणों की आवश्यकता और नशामुक्ति एवं पुनर्वास केंद्रों के निरीक्षण पर भी विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही ठउढर एक्ट व इंटीग्रेटेड ड्रग प्रिवेंशन पॉलिसी 2022 के प्रभावी क्रियान्वयन तथा मल्टी-एजेंसी कोऑर्डिनेशन को मजबूत करने पर भी बल दिया गया।

भाजपा नेताओं ने राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी के बयान को राष्ट्र विरोधी बताया

एजेंसी (हि.स.)
नाहन

सिरमौर जिला के भाजपा नेताओं ने राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी के उस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है जिसमें उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणियां की है। सिरमौर जिला भाजपा प्रवक्ता प्रताप सिंह रावत, मेला राम शर्मा और प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य बलबीर ठाकुर आदि नेताओं ने संयुक्त बयान जारी करके राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी द्वारा विधानसभा के भीतर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में की गई अनाप-शनाप बयान बाजी को राष्ट्र विरोधी करार दिया है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ राष्ट्र निर्माण के कार्यो और व्यक्ति निर्माण के कार्यों में सदैव अपनी अग्रणी भूमिका निभाता आ रहा है। उन्होंने कहा कि आरएसएस एकमात्र ऐसा संगठन है जो राष्ट्र एवं सनातन के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित है। भाजपा नेताओं ने कहा की राजस्व मंत्री को अपनी और विधानसभा की संवैधानिक गरिमा को ध्यान में रखते हुए अपनी वाणी पर नियंत्रण रखना चाहिए।

भाजपा नेताओं ने कहा की राजस्व मंत्री को अपनी और विधानसभा की संवैधानिक गरिमा को ध्यान में रखते हुए अपनी वाणी पर नियंत्रण रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने जनजातीय समुदाय किन्नौर की शालीनता और सौहार्द स्वभाव की संस्कृति को भी तार तार किया है और किन्नौर संस्कृति की मान मयार्दाओं को लांघकर विधानसभा के भीतर अनाप-शनाप बयान बाजी करना एक मंत्री पद पर आसीन व्यक्ति को शोभा नहीं देता। भाजपा नेताओं ने जगत सिंह नेगी को उद्दंड और बेलगाम मंत्री बताते हुए विधानसभा अध्यक्ष से मांग की कि ऐसे अभद्र भाषा का उपयोग करने वाले मंत्री को विधानसभा से बर्खास्त किया जाना चाहिए।

आतंकवाद पर भारत की जीरो टॉलरेंस नीति को साइप्रस का समर्थन: अनुराग ठाकुर

एजेंसी (हि.स.)
हमीरपुर

पूर्व केंद्रीय मंत्री व हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने संसद भवन में स्पीकर ओम बिरला व अन्य साथी सांसदों के साथ साइप्रस के प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष सुश्री अनीता दिमेत्रियु के नेतृत्व में संसदीय प्रतिनिधिमंडल की बैठक में दोनों पक्षों ने लोकतांत्रिक सहयोग व आपसी साझेदारी को और मजबूत करने की भारत और साइप्रस की साझा प्रतिबद्धता दोहराया।

इस मौके पर अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि भारत और साइप्रस के आपसी साझा संबंध, लोकतांत्रिक मूल्यों, आपसी विश्वास और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर घनिष्ठ सहयोग दशकों पुराने हैं। साइप्रस ने हाल ही में आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना सर्वोच्च नागरिक सम्मान, ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस से सम्मानित किया था जोकि भारत व साइप्रस संबंधों की प्रगाढ़ता का परिचायक है। साइप्रस सामरिक रूप से भारत के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार है। इस बैठक में दोनों पक्षों ने संसदीय प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण, और दोनों देशों के लोगों के बीच सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता पर सहमति व्यक्त की।

अनुराग ठाकुर ने कहा कहा कि साइप्रस प्रतिनिधिमंडल ने वैश्विक मंच पर भारत के मार्गदर्शन और समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया व आतंकवाद के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस नीति का समर्थन किया है। 30 वर्षों के बाद हो रही साइप्रस संसदीय प्रतिनिधिमंडल की यह यात्रा भारत-साइप्रस संबंधों में एक मील का पत्थर है। साइप्रस के प्रतिनिधि मंडल ने भारत के सांसदों को वहाँ के भ्रमण का निमंत्रण दिया है। दोनों पक्षों के बीच रचनात्मक और दूरदर्शी संवाद ने निरंतर सहयोग की नींव रखी है तथा ऐतिहासिक मित्रता और आपसी विश्वास में निहित द्विपक्षीय संबंधों को और भी अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचाया है।

संक्षिप्त-समाचार

मंडलायुक्त ने किया औचक निरीक्षण सरकारी भूमि से अवैध कब्जे हटाने के सख्त निर्देश

मंडी। मंडी के मंडलायुक्त राज कृष्ण परुथी ने शुक्रवार को उपमंडल सरकाघाट में एसडीएम कार्यालय और तहसील कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने दोनों कार्यालयों में चल रहे सभी कार्यों की गहन समीक्षा की और अधिकारियों से लंबित मामलों को समयबद्ध तरीके से निपटाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त ने तहसीलदार और नायब तहसीलदार को स्पष्ट आदेश देते हुए कहा कि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जों को तुरंत प्रभाव से हटाया जाए। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी दी कि सरकारी संपत्ति पर अतिक्रमण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मंडलायुक्त ने एसडीएम व तहसील कार्यालयों में चल रहे रिक्त पदों की स्थिति की भी जानकारी ली और निर्देश दिए कि स्टाफ की कमी से जनता को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। बरसात के मौसम में आई आपदा में प्रभावित क्षेत्रों, आपदा प्रभावितों व पुनर्वास कार्यों की स्थिति पर भी उन्होंने विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

अनक्लेम्ड जमा राशि पर जागरूकता शिविर का आयोजन

मंडी। भारत सरकार के वित्तीय सेवाएं विभाग तथा भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा आरंभ किए गए देशव्यापी अभियान आपका पैसा, आपका अधिकार के अंतर्गत कोटली में शुक्रवार को पंजाब नेशनल बैंक द्वारा अनक्लेम्ड जमा राशि से संबंधित विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह अभियान 31 दिसंबर तक पूरे देश में चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य लोगों को उनके निष्क्रिय खातों तथा अनक्लेम्ड धन को प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में जागरूक करना है। इस विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन हिमाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक कोटली, भारतीय स्टेट बैंक कोटली, हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक कोटली तथा एलडीएम कार्यालय मंडी के संयुक्त सहयोग से किया गया। शिविर में लगभग 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में पंजाब नेशनल बैंक एलडीएम कार्यालय के अधिकारी सहित हिमाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक कोटली, भारतीय स्टेट बैंक कोटली तथा हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक कोटली के प्रबंधकों ने अनक्लेम्ड जमा राशि, बचत योजनाओं तथा बैंकिंग सेवाओं से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। प्रतिभागियों को बताया गया कि निष्क्रिय बचत खाते, सावधि जमा, आवर्ती जमा, शेयर खाते तथा अन्य जमा योजनाओं से संबंधित अनक्लेम्ड धन को सरल प्रक्रिया के माध्यम से कैसे प्राप्त किया जा सकता है। अधिकारियों ने कहा कि बैंकिंग सेवाओं की पारदर्शिता और सुगमता सुनिश्चित करने के लिए नागरिकों का जागरूक होना तथा समय समय पर अपने खातों का सत्यापन करवाना अत्यंत आवश्यक है। शिविर में उपस्थित लोगों के प्रश्नों का समाधान भी मौके पर किया गया।

सीएम ने मेडिकल कालेज हमीरपुर के लिए मंजूर किए 9 सुपर स्पैशियलिटी विभाग: सुनील शर्मा बिट्टू

हमीरपुर। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला ताल का वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह शनिवार को आयोजित किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार सुनील शर्मा बिट्टू ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर विद्यार्थियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों के अभिभावकों को बधाई देते हुए सुनील शर्मा बिट्टू ने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू शिक्षा और स्वास्थ्य सहित सभी क्षेत्रों में ढांचागत सुधार के लिए अभूतपूर्व निर्णय ले रहे हैं।

शिमला में 30 गांवों को तंबाकू मुक्त बनाने का लक्ष्य, 639 शिक्षण संस्थान तंबाकू मुक्त घोषित

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

जिले में युवाओं को नशे से दूर रखने और तंबाकू सेवन पर रोक लगाने के लिए प्रशासन ने सख्त कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। जिला स्तरीय तंबाकू नियंत्रण समिति की बैठक शनिवार को उपायुक्त अनुपम कश्यप की अध्यक्षता में शिमला में आयोजित हुई, जिसमें विभिन्न विभागों के अधिकारी, हितधारक और राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम से जुड़े प्रतिनिधि मौजूद रहे। बैठक में तंबाकू मुक्त युवा अभियान 3.0 के तहत चल रही गतिविधियों और भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई।

उपायुक्त अनुपम कश्यप ने कहा कि जिला शिमला में 30 गांवों को तंबाकू मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए ग्राम स्तर पर समन्वय समिति गठित की जाएगी, जिसमें ग्रामीण, जनप्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी शामिल होंगे। गांव में एक तंबाकू एंबेसडर भी नियुक्त किया जाएगा, जिसकी सामाजिक प्रतिष्ठा हो और लोग उसकी बात मानते हों। सभी मानकों को पूरा करने के बाद ही गांव को तंबाकू मुक्त घोषित किया जाएगा।

अभियान के तहत अब तक 2458 जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा चुकी हैं। 639 शिक्षण संस्थानों को तंबाकू मुक्त घोषित किया गया है और 16 फ्लाइंग स्क्वाड काम कर रहे हैं। प्रतिदिन औसतन 28 सोशल मीडिया पोस्ट साझा की जा रही हैं, जबकि 14 प्रशिक्षण कार्यक्रम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित किए गए हैं।

उपायुक्त ने कहा कि तंबाकू सेवन एक गंभीर सामाजिक और स्वास्थ्य समस्या है जिससे युवाओं को बचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि तंबाकू मुक्त वातावरण तैयार करने के लिए सभी विभागों का संयुक्त प्रयास जरूरी है। अभियान 9 अक्तूबर से शुरू होकर 8 दिसंबर तक चलेगा, जिसके दौरान स्कूलों, कॉलेजों, पंचायतों और शहरी क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। सभी गतिविधियों का अभिलेख राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम पोर्टल पर दर्ज किया जाएगा और इसकी निगरानी स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय करेगा।

बैठक में उडळढअ अधिनियम 2003 के तहत सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान निषेध नियमों के कड़ाई से पालन पर जोर दिया गया। साथ ही हिमाचल प्रदेश खुदरा व्यापार लाइसेंस अधिनियम 2016 के अंतर्गत तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर नियंत्रण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

उपायुक्त ने कहा कि तंबाकू नियंत्रण कानूनों का सख्त क्रियान्वयन किया जाएगा और जनता को इसके दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करने के लिए व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। बैठक के अंत में सभी अधिकारियों और प्रतिनिधियों को तंबाकू मुक्त अभियान की शपथ दिलाई गई।

उपराज्यपाल ने बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित परिवारों को पक्का घर देने के मकसद से पुनर्वास परियोजनाओं की रखी नींव

एजेंसी (हि.स.)
रामबन

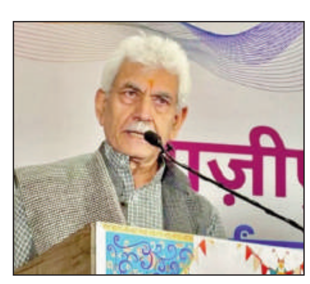

जम्मू और कश्मीर के लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा ने शनिवार को रामबन जिले का दौरा किया और बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित परिवारों को पक्का घर देने के मकसद से पुनर्वास परियोजनाओं की नींव रखी।

मीडिया से बात करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि जिला प्रशासन ने सभी हितधारकों की मदद से सरकारी नियमों के मुताबिक प्रभावित परिवारों को राहत और बचाव का काम दिया है। उपराज्यपाल ने कहा कि हम जानते हैं कि सिर्फ.सरकारी मदद घरों को फिर से बनाने के लिए काफी नहीं है। एचआरडीएस संस्था के साथ साझेदारी में रामबन जिले के 189 परिवारों को अगले छह महीनों में तीन कमरों वाले घर मिलेंगे।

उन्होंने कहा कि घरों के साथ 15 साल की इंश्योरेंस पॉलिसी, हेल्थ चेक-अप और इंटरनेट कनेक्टिविटी होगी जिससे परिवार सुरक्षित और इज्जतदार जिंदगी जी सकेंगे।

उन्होंने जिला प्रशासन को यह भी निर्देश दिया कि जो भी प्रभावित या गरीब परिवार शुरूआती सूची में छूट गए हों, उन्हें शामिल किया जाए। सिन्हा ने पुनर्वास की कोशिशों में मदद करने के लिए एचआरडीएस का शुक्रिया अदा किया। उपराज्यपाल ने कहा कि राजौरी और उधमपुर समेत दूसरे प्रभावित इलाकों में भी इसी तरह के प्रोजेक्ट चल रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर में प्रभावित परिवारों के लिए घरों को फिर से बनाना उनकी प्राथमिकता बनी हुई है।

मौसम | कोकरनाग में शून्य से नीचे 1.6 डिग्री सेल्सियस पहुंचा तापमान

शीतलहर के कारण घाटी के ज्यादातर इलाकों में न्यूनतम तापमान में आई गिरावट, बढ़ी ठिठुरन

एजेंसी (हि.स.)
श्रीनगर

कश्मीर घाटी में शुक्रवार रात भी ठंड जारी रही और ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान में तेजी से गिरावट आई। इस दौरान शीत लहर का प्रकोप भी बना रहा।

लगातार गिरावट के बाद कई इलाकों में तापमान जमावट बिंदु भी नीचे चला गया जिससे सर्दी और बढ़ने का संकेत मिलता है। डेटा के मुताबिक श्रीनगर में तापमान शून्य से नीचे 3.1 डिग्री सेल्सियस रहा जबकि काजीगुंड में तापमान शून्य से नीचे 3.4 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। पहलगाम शून्य से नीचे 5.2 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे ठंडा रहा, उसके ठीक बाद कुपवाड़ा शून्य से नीचे 4.9 डिग्री सेल्सियस के साथ दूसरे नंबर पर रहा। पंपोर में बफीर्ला शून्य से नीचे 6.0 डिग्री सेल्सियस और अवंतीपोरा में शून्य से नीचे 5.0 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया जिससे दोनों जगहें पिछले दिन की तुलना में काफी ठंडी हो गईं।

इसी बीच कोकरनाग में शून्य से नीचे 1.6 डिग्री सेल्सियस, गुलमर्ग में शून्य से नीचे 1.3 डिग्री सेल्सियस और श्रीनगर एयरपोर्ट पर शून्य से नीचे 5.2 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। उत्तरी कश्मीर में जेथन राफियाबाद में शून्य से नीचे 5.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया जबकि जोजिला दर्रा सबसे ठंडा रहा जहाँ तापमान शून्य से नीचे 16.0 डिग्री सेल्सियस रहा।

जम्मू संभाग में ज्यादातर इलाके जमावट बिंदु से ऊपर रहे जिससे कश्मीर के मुकाबले कुछ राहत मिली। जम्मू में न्यूनतम तापमान 9.4 डिग्री सेल्सियस, कटरा में 8.6 डिग्री सेल्सियस और कठुआ में 7.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। हालांकि, बनिहाल शून्य से नीचे 0.3 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, इसके बाद भद्रवाह 0.4 डिग्री सेल्सियस, उधमपुर 4.0 डिग्री सेल्सियस, राजौरी 1.2 डिग्री सेल्सियस और बटोत 4.4 डिग्री सेल्सियस पर रहा।

लद्दाख में कड़ाके की ठंड जारी रही क्योंकि यहां तापमान और गिर गया। लेह में शून्य से नीचे 9.0 डिग्री सेल्सियस, कारगिल गिरकर शून्य से नीचे 10.2 डिग्री सेल्सियस हो गया और नुब्रा घाटी शून्य से नीचे 8.5 डिग्री सेल्सियस पर बहुत ठंडी रही जो अब तक के मौसम की सबसे कठोर रातों में से एक थी।

एसडीएम ने बच्चों से की सीधी वार्ता, लक्ष्य निर्धारण व नशा मुक्ति पर दिया विशेष संदेश

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

मंडी जिला के जोगिंद्रनगर उपमंडल के एसडीएम मनीश चौधरी अपना विद्यालय कार्यक्रम के अंतर्गत गोद लिए गए राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सैंथल पहुंचे। इस अवसर पर उनके साथ सीडीपीओ चौंतड़ा बी.आर. वर्मा तथा आयुर्वेद विभाग से डॉ. गौरव भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सीडीपीओ ने बच्चों को सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी, जिनमें सुखशिक्षा योजना मुख्य रूप से चर्चा का केंद्र रही। वहीं, डॉ. गौरव ने व्यक्तिगत स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी बच्चों के साथ साझा की।

एसडीएम मनीश चौधरी ने बच्चों के साथ संवादात्मक वार्ता की और उन्हें आत्मविश्वास, दृढ़ निश्चय व निरंतर प्रयासों के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि छात्र जीवन में ही लक्ष्य तय करना आवश्यक होता है ताकि भविष्य की दिशा स्पष्ट रहे। उन्होंने कहा कि स्कूल जीवन केवल परीक्षा पास करने के लिए नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने के लिए होता है। यदि आप आज संकल्प लेंगे और निरंतर मेहनत करेंगे, तो जीवन में कोई लक्ष्य मुश्किल नहीं है।

उन्होंने विद्यार्थियों से नशे से दूर रहने की अपील की तथा विशेष संदेश देते हुए कहा कि नशा एक ऐसी गर्त है, जहां गिरना आसान और वापस लौटना बेहद कठिन होता है, इसलिए इससे जितना दूर रहेंगे, उतना बेहतर। इसके अतिरिक्त उन्होंने स्कूल में मिड-डे मील योजना के तहत परोसे जा रहे भोजन की भी गुणवत्ता जांची और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कार्यक्रम के अंत में प्रिंसिपल मुकता टंडन ने प्रशासन का धन्यवाद जताते हुए कहा कि अपना विद्यालय जैसी पहल सरकारी स्कूलों में सकारात्मक परिवर्तन ला रही है और इससे बच्चों में आत्मविश्वास व शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ रही है।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का
न्वोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा मुद्रक प्रवीन तोमर की इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, इंडस्ट्रियल एरिया, फेस-2, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 180 ए, सेक्टर 19 सी, ओल्ड हाउसिंग बोर्ड कालोनी, पंचकूला, हरियाणा-134113 से प्रकाशित।
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय पंचकूला होगा।
स्थानीय कार्यालय
180 ए, सेक्टर 19 सी, ओल्ड हाउसिंग बोर्ड कालोनी, पंचकूला, हरियाणा-134113
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpanharyana@gmail.com

आत्मनिर्भर भारत नारा नहीं, 21वीं सदी का राष्ट्रीय संकल्प : नायब सिंह सैनी

एक दिसंबर को 1 मिनट गीता पाठ से जुड़ने का मुख्यमंत्री का आह्वान

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का सपना केवल नारा नहीं, बल्कि 21वीं सदी में भारत को अग्रणी आर्थिक शक्ति बनाने का संकल्प है। मुख्यमंत्री आज पंचकूला में आयोजित आत्मनिर्भर भारत सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस सम्मेलन से प्राप्त विचारझ्रमंथन ह्यविकसित भारतझ्रविकसित हरियाणाह्ल के लक्ष्य को नई गति देगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने और 2030 तक पांच ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था का लक्ष्य रखा है। आत्मनिर्भर भारत का सार है उद्योग, कृषि, शिक्षा, कौशल, तकनीक और व्यापार में स्वावलंबन।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा बताए पाँच स्तंभ इकोनॉमी, इंफ्रास्ट्रक्चर, सिस्टम, डेमोग्राफी और डिमांड आज राष्ट्र निर्माण की मजबूत आधारशिला हैं। हरियाणा इन सभी स्तंभों को सुदृढ़ करने में प्रमुख भूमिका निभा रहा है। स्वयं प्रधानमंत्री हरियाणा को ह्यभारत का ग्रोथ इंजनह्ल कह चुके हैं। कृषि क्षेत्र पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि हरियाणा ने देश को खाद्यान आत्मनिर्भरता दिलाने में अग्रणी भूमिका निभाई है और राज्य अब विविधीकरण, दलहनझ्रतिलहन उत्पादन को बढ़ावा दे रहा है। उद्योग क्षेत्र में ह्यहरियाणा आत्मनिर्भर पोर्टलह्ल उद्यमियों को योजनाओं का सीधा लाभ उपलब्ध करा रहा है। 12 लाख से अधिक टरटए द्वारा 65 लाख से अधिक लोगों को रोजगार दिया है तथा ह्यईज ऑफ डूइंग बिजनेसह्ल सुधारों के अंतर्गत लगभग 400 करोड़ रुपये की सहायता दी गई है। उन्होंने कहा कि ह्यपदमा कार्यक्रमह्ल के माध्यम से हर ब्लॉक में क्लस्टर स्तर पर औद्योगिक बुनियादी ढांचा विकसित हो रहा है। 48 विभागों में 1100 से अधिक गैर-जरूरी नियम समाप्त कर उद्योग-सुलभ माहौल तैयार किया गया है। पिछले 11 वर्षों में 7.66 लाख टरटए स्थापित हुए हैं, जिनसे 39 लाख से अधिक रोजगार सृजित हुए हैं।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने डेमोग्राफी को महत्वपूर्ण स्तंभ बताते हुए कहा कि हरियाणा का लक्ष्य नौकरी मांगने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले युवा तैयार करना है। ह्यहरियाणा स्टार्टअप नीतिझ्र2022ह्ल के बाद राज्य में 9,500 से अधिक स्टार्टअप स्थापित हुए हैं। हाल ही में 22 स्टार्टअप्स को 1.14 करोड़ रुपये की सहायता दी गई है और 2,000 करोड़ रुपये का ह्यफंड ऑफ फंड्सह्ल स्थापित किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि डिमांडझ्रसप्लाई चेन को मजबूत बनाने के लिए हरियाणा अपने ठउफक्षेत्र को बड़े लॉजिस्टिक हब के रूप में विकसित कर रहा है। इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में एक्सप्रेसझ्रवे, फ्रेट कॉरिडोर, मल्टीझ्रमॉडल लॉजिस्टिक हब, ग्रीनफील्ड परियोजनाएं तथा गुरुग्राम की 1000 एकड़ ह्यग्लोबल सिटीह्ल, क्टळ सोहना में इलेक्ट्रॉनिक्स क्लस्टर और हिसारझ्रनारनौल के औद्योगिक क्लस्टर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। ल्टरक्कब्ळ द्वारा 10 नए इंडस्ट्रियल मॉडल टाउनशिप स्थापित करने पर कार्य जारी है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस अवसर पर अधिवक्ताओं और उपस्थित जनझ्रप्रतिनिधियों से यह आह्वान किया कि वे 1 दिसंबर को प्रातः 11 बजे एक साथ एक मिनट का गीताझ्रपाठ कर गीता जयंती के इस पावन पर्व से स्वयं को जोड़ें और समाज में धर्म, कर्तव्य तथा राष्ट्र निर्माण के संदेश का प्रसार करें।

मुख्यमंत्री ने यह उल्लेख भी किया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में कर्नाटक के उडुपी दौरे के दौरान कुरुक्षेत्र में निर्मित महाभारत विषयक ह्यअनुभव केंद्रह्ल का विशेष रूप से जिक्र किया है और देशवासियों से अपील की है कि वे अवश्य इस अद्वितीय केंद्र का अवलोकन करें।

गिरदावरी-गिरदावरी के खेल में लटकाया जा रहा है फसलों को हुए नुकसान के मुआवजा: कुमारी सैलजा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि पहले तो प्रदेश की सरकार ने किसानों को पोर्टल-पोर्टल के खेल में उलझाया हुआ है तो फसलों को हुए नुकसान के मुआवजे के नाम गिरदावरी- गिरदावरी खेल रही है। मुआवजे के नाम पर किसानों को अभी तक तारीख पर तारीख दी जा रही है। अभी तक गिरदावरी का काम पूरा नहीं हुआ तो मुआवजा कैसे मिल सकता है। किसानों के साथ मजाक करने वाले कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। हरियाणा में बाढ़ की आपदा को पूरे छह माह बीत जाने के बावजूद किसानों को अब तक मुआवजा नहीं मिल पाया है। व्यापक नुकसान के बावजूद प्रदेश सरकार द्वारा किसानों को राहत राशि से वंचित रखना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है।

मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि किसानों के साथ प्रदेश की भाजपा सरकार जो खेल खेल रही है उससे साफ लग रहा है कि बाढ़ और बारिश से फसलों को हुए नुकसान के मुआवजे के लिए किसानों को अभी और इंतजार करना पड़ेगा। अब सरकार की ओर से कहा जा रहा है कि कुछ जिलों में गिरदावरी के कार्य में गड़बड़ी सामने आने के बाद अब दोबारा से क्रॉस जांच के आदेश दिए गए हैं। इस रिपोर्ट के बाद ही अब मुआवजे का फैसला हो सकेगा यानि मुआवजे को लेकर सरकार गंभीर नहीं हैं। हरियाणा राजस्व एवं आपदा विभाग ने फतेहाबाद और अन्य दो-तीन जिलों में रेडम डाटा की जांच में पाया गया कि वहां बुवाई से अधिक फसलों के नुकसान का ब्योरा सामने आया है। हाल ही में अंतिम गिरदावरी और सत्यापन के कार्य में करीब 11 लाख एकड़ में नुकसान का आकलन किया गया था। इस नुकसान के मुआवजे के लिए करीब 600 से 800 करोड़ रुपये की जरूरत का अनुमान लगाया गया था। अब असल स्थिति दोबारा से जांच के बाद ही पता चलेगी। अभी तक 63 लाख 4 हजार 139 एकड़ फसलों की रिपोर्ट पटवारियों के स्तर पर लंबित है। प्रदेश में करीब 31 लाख 234.64 एकड़ क्षेत्रफल में किसानों ने क्षतिपूर्ति पोर्टल पर नुकसान का ब्योरा दर्ज कराया था। क्रॉस जांच के आदेश के बाद अभी तक कानूनगो स्तर पर 6 लाख 44 हजार 276.44 एकड़, एसडीएम स्तर पर 2 लाख 64 हजार 666.96 एकड़, जिला राजस्व अधिकारियों के स्तर पर 57 हजार 900.38 एकड़ और मंडलायुक्त स्तर पर 24 हजार 39.34 एकड़ सत्यापन कार्य लंबित है।

सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि आखिर किसानों को मुआवजे के लिए कब तक इंतजार करना होगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पहले दिवाली तक मुआवजा देने का आश्वासन दिया था। जब प्रदेश में किसानों को हुए नुकसान को लेकर सितंबर में ही काम शुरू हो गया था। यह कार्य पूरा हो गया ऐसा दावा भी किया गया था पर कोई न कोई बहाना बनाकर मुआवजा देने में देरी की जा रही है।

श्रीमद्भागवत गीता का संस्कृति, धर्म एवं दर्शन पर गहरा प्रभाव : विपुल गोयल

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री विपुल गोयल ने गीता महोत्सव का किया अवलोकन

हरियाणा के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, स्थानीय निकाय और नागरिक उड्डयन मंत्री विपुल गोयल ने रेवाड़ी बाल भवन में आयोजित जिला स्तरीय गीता महोत्सव का अवलोकन किया। राजस्व मंत्री ने कहा कि गीता केवल एक ग्रंथ नहीं, बल्कि उत्तम जीवन जीने का सिद्धांत है, जिसमें जीवन के सभी प्रश्नों का समाधान मिलता है। श्रीमद्भागवत गीता ने भारतीय संस्कृति, धर्म और दर्शन को गहराई से प्रभावित किया है। इसलिए हर व्यक्ति को गीता के संदेशों को अपने जीवन में अपनाकर बेहतर समाज निर्माण में योगदान देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि गीता हमें कर्म की शिक्षा देती है और इसका सार हर आयु और वर्ग के लोगों के लिए समान रूप से प्रासंगिक है। उन्होंने विशेषकर बच्चों से आग्रह किया कि वे गीता का अवश्य अध्ययन करें। योगेश्वर भगवान श्री कृष्ण द्वारा कुरुक्षेत्र में अर्जुन को दिया गया उपदेश केवल अर्जुन के लिए ही नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए मार्गदर्शक है। मंत्री विपुल गोयल ने श्रीमद्भागवत गीता को संसार का महान ग्रंथ बताते हुए कहा कि यदि हम गीता के किसी एक श्लोक को भी सच्चे मन से जीवन में उतार लें, तो हमारा जीवन सफल हो सकता है। युवा पीढ़ी को गीता का नियमित अध्ययन करने के लिए प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि सफलता वही पाता है जो सभी की भलाई के लिए कार्य करता है। उन्होंने कहा कि भगवान श्री कृष्ण ने गीता में संदेश दिया है कि स्वार्थी नहीं, सारथी बनो। जीवन में जो भी कार्य करो, वह उत्कृष्टता और मानवता की भावना के साथ करो। उन्होंने उपस्थित श्रोताओं से आह्वान किया कि वे गीता के श्लोकों को अपने जीवन में धारण करें।

भगवद्गीता है मानवता का सर्वकालिक ज्ञान: डॉ. अरविंद शर्मा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- सहकारिता मंत्री ने सोनीपत में तीन दिवसीय गीता जयंती महोत्सव का किया शुभारंभ

हरियाणा के सहकारिता मंत्री डॉ० अरविंद शर्मा ने सोनीपत में जिला स्तरीय गीता महोत्सव के उद्घाटन अवसर पर कहा कि भगवद्गीता केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन का विज्ञान, कर्तव्य का सार और संकट में साहस का आधार है। कुरुक्षेत्र की पवित्र भूमि पर भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को दिया गया दिव्य उपदेश आज भी संपूर्ण मानवता के लिए पथ प्रदर्शक है। गीता की शिक्षाएं हमें कर्तव्य, धैर्य, आत्मबल, कर्मयोग, मानसिक शांति और सकारात्मक दृष्टिकोण प्रदान करती हैं।

डॉ० शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर तीन दिवसीय महोत्सव का विधिवत शुभारंभ किया तथा गीता के पवित्र ग्रंथ पर पुष्प अर्पित किए। इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी रीटा शर्मा भी उपस्थित रहीं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए प्रदेश की जेलों में भी गीता के उपदेश पहुंचाने का निर्णय लिया है, जिससे बंदियों को आत्म चिंतन, आत्म सुधार और जीवन को नई राह देने का अवसर मिलेगा। यह प्रयास पुनर्वास एवं सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में सराहनीय कदम है।

सहकारिता मंत्री ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव की शुरूआत वर्ष 2016 में उनकी सरकार द्वारा की गई थी। तब से यह आयोजन वैश्विक स्तर पर तेजी से विस्तृत हुआ है। मॉरीशस, लंदन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, इंडोनेशिया (बाली) सहित अनेक देशों में गीता महोत्सव का सफल आयोजन हो चुका है। इस वर्ष बाली में आयोजित महोत्सव में कई देशों की सहभागिता ने भारत की आध्यात्मिक धरोहर को विश्व के समक्ष और प्रखर रूप से प्रस्तुत किया।

उन्होंने कहा कि मुख्य अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव कुरुक्षेत्र में 25 नवंबर से 5 दिसंबर तक भव्य रूप में आयोजित किया जा रहा है। 40 से अधिक देशों की भागीदारी ने इसे वैश्विक आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक संगम का रूप दिया है, जिससे भारत और हरियाणा की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक पहचान को नया विस्तार मिला है। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि 25 नवंबर को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कुरुक्षेत्र पहुंचकर ज्योतिसर व ब्रह्म सरोवर पर आयोजित संध्या आरती में भाग लिया तथा लगभग 250 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित विश्व के सबसे बड़े ह्यअनुभव केंद्रह्ल का उद्घाटन किया। यह केंद्र आधुनिक तकनीक और वर्चुअल अनुभवों के माध्यम से संपूर्ण महाभारत कथा का अनूठा प्रस्तुतीकरण है, जो देश के आध्यात्मिक पर्यटन को नई दिशा देगा तथा कुरुक्षेत्र के ऐतिहासिक महत्व को विश्व पटल पर और सुदृढ़ करेगा।

सहकारिता मंत्री ने सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और अवलोकन किया। इस प्रदर्शनी के माध्यम से गीता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का उद्देश्य रखा गया है। उन्होंने विभिन्न विभागों तथा सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं द्वारा लगाए गए स्टॉलों का भी निरीक्षण किया। महोत्सव के पहले दिन हजारों स्कूली बच्चों और नागरिकों की सहभागिता के साथ कार्यक्रम का आकर्षक शुभारंभ हुआ।

इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त लक्षित सरीन, नगराधीश डॉ० अनमोल, जिला शिक्षा अधिकारी नवीन गुलिया, डीआईपीआरओ राकेश गौतम सहित विभिन्न सामाजिक-धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त-समाचार

लोगों के स्वदेशी अपनाने पर ही देश मजबूत बनेगा : राजेश नागर

चंडीगढ़। हरियाणा के खाद्य आपूर्ति मंत्री राजेश नागर ने कहा कि प्रधानमंत्री चाहते हैं कि वर्ष 2047 तक भारत आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित हो। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए हर नागरिक का स्वदेशी उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देना और विदेशी वस्तुओं पर निर्भरता कम करना आवश्यक है। आत्मनिर्भर भारत एवं स्वदेशी अभियान के तहत बल्लभगढ़ रेलवे स्टेशन पर रेल यात्री संपर्क कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें खाद्य आपूर्ति मंत्री राजेश नागर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े कार्यकताओं से मुलाकात की और लोगों से भारतीय उत्पाद खरीदने की अपील की। इस दौरान मंत्री एवं कार्यकताओं ने स्टेशन परिसर में स्वदेशी अपनाओ के स्टिकर लगाकर यात्रियों को जागरूक किया। उन्होंने बताया कि पूरे हरियाणा में यह अभियान सक्रिय रूप से चलाया जा रहा है, जिसके माध्यम से प्रत्येक जिला और विधानसभा क्षेत्र में देश को मजबूत बनाने के लिए स्वदेशी अपनाने का संदेश दिया जा रहा है। मंत्री ने यह भी कहा कि राज्य में जल्द ही स्वदेशी दुकानों की शुरूआत की जाएगी, जहां केवल भारतीय उत्पाद उपलब्ध होंगे। रोहतक में खेल मैदान में एक खिलाड़ी की मृत्यु पर मंत्री नागर ने गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने घटना के तुरंत बाद आवश्यक कार्रवाई की है।

एचएसआईआईडीसी ने आईएमटी मानेसर में अटल श्रमिक किसान कैंटीन की शुरूआत की

चंडीगढ़। हरियाणा स्टेट इंडस्ट्रियल एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एचएसआईआईडीसी) ने आईएमटी मानेसर में सेक्टर-4 और सेक्टर-5 स्थित दो अटल श्रमिक किसान कैंटीनों को संचालित कर दिया है। इन कैंटीनों के शुभारंभ के साथ क्षेत्र में श्रमिक कल्याण सुविधाओं को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। एचएसआईआईडीसी द्वारा आईएमटी मानेसर में कुल पाँच स्थानों की पहचान अटल श्रमिक किसान कैंटीन योजना के तहत की गई है। शेष तीन कैंटीनों का निर्माण कार्य प्रगति पर है, जिन्हें आने वाले सप्ताहों में शुरू कर दिया जाएगा। इसके बाद औद्योगिक क्षेत्र के अधिकाधिक श्रमिकों को इन सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। इन कैंटीनों का निर्माण उद्योग जगत और प्रमुख औद्योगिक संगठनों के सीएसआर सहयोग से किया जा रहा है, जो श्रमिक कल्याण और सामाजिक उत्थान के प्रति उद्योगों की मजबूत प्रतिबद्धता को दशार्ता है। कैंटीनों का संचालन स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) द्वारा किया जाएगा। इससे जहां कैंटीनों का कुशल प्रबंधन सुनिश्चित होगा, वहीं स्थानीय महिलाओं और समुदाय के सदस्यों के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। हरियाणा सरकार की अटल श्रमिक किसान कैंटीन योजना के तहत श्रमिकों को केवल 10 रुपये की पौष्टिक और स्वच्छ भोजन थाली उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे उद्योग क्षेत्र में किफायती और पौष्टिक भोजन की सुगमता बढ़ेगी।

अंबाला कैंट में छेड़छाड़ के आरोपियों की परेड पर विज ने कैंट थाना एसएचओ की पीठ थपथपाई

चंडीगढ़। अम्बाला छावनी में गत दिनों पुलिस द्वारा कोचिंग सेंटर से घर जा रही युवती से छेड़छाड़ और फिर लड़की के माता-पिता से मारपीट मामले में ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने अम्बाला कैंट थाना पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई की प्रशंसा की है। आज एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कैंट थाना के एसएचओ सुरेंद्र की पीठ थपथापते हुए कहा कि वह अम्बाला छावनी थाने के एसएचओ को शाबासी देना चाहते है क्योंकि एसएचओ ने मामले में बढ़िया कार्रवाई करते हुए अच्छा संदेश शहर को दिया है। उन्होंने कहा कि अम्बाला छावनी में गुंडागर्दी करने नहीं दी जाएगी, अम्बाला छावनी में महिलाएं, बच्चियां जब चाहे अपने घर-दफ्तर जा सकती है। यदि कोई गुंडागर्दी करेगा तो हमारी पुलिस उसे नहीं छोड़ेगी।

हरियाणा पवेलियन को अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में मिला स्वच्छ मंडप में गोल्ड मेडल

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- 14 दिन चले अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में हजारों लोगों ने देखी हरियाणवी संस्कृति, इनोवेशन और डेवलपमेंट की झलक

नई दिल्ली के भारत मंडपम में चले अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले-2025 में हरियाणा को स्वच्छ मंडप में गोल्ड मेडल मिला है। व्यापार मेले में अलग-अलग श्रेणियों में मेडल दिए गए थे, इसमें हरियाणा प्रदेश के पवेलियन ने स्वच्छ मंडप में बाजी मारी है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए मंडप के निदेशक अनिल चौधरी ने बताया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन व मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, मुख्य प्रशासक श्यामल मिश्रा, प्रशासक विनय प्रताप सिंह की अगुवाई में अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। 14 नवंबर से 27 नवंबर तक 14 दिन चले इस 44वें अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में हरियाणा पवेलियन लोगों के विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। पवेलियन में हरियाणवी संस्कृति, निरंतर जारी इनोवेशन और प्रदेश के विकास की झलक देखने को मिल रही थी। मेले के समापन के उपरांत पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया था, इसमें हरियाणा पवेलियन ने स्वच्छ मंडप में गोल्ड मेडल जीता है। उन्होंने इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, मुख्य प्रशासक श्यामल मिश्रा व प्रशासक विनय प्रताप सिंह का धन्यवाद किया।

निदेशक अनिल चौधरी ने बताया कि पवेलियन में यूं तो कला व संस्कृति से जुड़ी बहुत से नए प्रयोग किए गए थे लेकिन इस बार एक नया प्रयोग एआई ताऊ का किया गया था। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बनाए गया ताऊ हंसा-हंसाकर लोगों को हरियाणा सरकार से जुड़ी अलग-अलग योजनाओं की जानकारी देता था। यह पवेलियन में विशेष आकर्षण का केंद्र था। जैसे ही कोई व्यक्ति बटन दबाता था एआई ताऊ खड़ा हो जाता था और हरियाणवी अंदाज में बात करने लगता था। उन्होंने बताया कि हरियाणा पवेलियन में अलग-अलग स्टॉल लगाए गए थे। इसमें 11 कारीगरों और स्वयं सहायता समूह ने स्टॉल लगाए थे जबकि 22 एमएसएमई ने अपने स्टॉल लगाए थे। ये भी खरीदारों के आकर्षण का केंद्र रहे। हरियाणा पवेलियन एक भारत-श्रेष्ठ भारत के थीम पर बनाया गया था। पवेलियन में सूरजकुंड मेला और गीता जयंती को दशार्या गया था। लोगों ने पवेलियन में जमकर सेल्फी व फोटो क्लिक की और हरियाणा को जाना।

नगर परिषद शहर में अपनी भूमि की निशानदेही कराकर चारदीवारी करवाए : शहरी मंत्री

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- राजस्व एवं शहरी मंत्री विपुल गोयल ने जिला कष्ट निवारण समिति में दिए निर्देश
- सेवानिवृत्त तहसीलदार को चार्जशीट करने के निर्देश भी जारी

हरियाणा के शहरी निकाय एवं राजस्व मंत्री विपुल गोयल ने रेवाड़ी में जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक के दौरान 14 परिवादों की सुनवाई की और इनमें से 11 मामलों का मौके पर ही निपटारा किया।

मंत्री ने रेवाड़ी नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी को निर्देश दिए कि शहर में परिषद की भूमि की निशानदेही कराकर उनकी चारदीवारी हेतु शीघ्र टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाए।

बैठक में एक शिकायतकर्ता ने बताया कि नयागांव दौलतपुर स्थित नगर परिषद की भूमि पर कुछ लोगों द्वारा अवैध कब्जा किया गया है, जिसे अभी तक पूर्ण रूप से हटाया नहीं जा सका है और मामला कमिश्नर कोर्ट में विचाराधीन है। इस पर मंत्री ने कहा कि नगर परिषद की ओर से कोर्ट में प्रभावी पैरवी के लिए एक अधिकारी नियुक्त किया जाए तथा ईओ नगर परिषद शहर में परिषद की सभी भूमि को चिन्हित कर उनकी चारदीवारी सुनिश्चित करें। जिन भूखंडों पर निर्णय हो चुका है, उनकी चारदीवारी के लिए सात दिन के भीतर टेंडर लगाए जाएं।

पेयजल आपूर्ति से संबंधित शिकायत पर मंत्री ने निर्देश दिए कि जब तक हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा कॉलोनी में जलापूर्ति का स्थायी प्रबंध नहीं हो जाता, तब तक बिल्डर निवासियों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना सुनिश्चित करे। यदि पानी में टीडीएस की मात्रा अधिक पाई जाती है, तो बिल्डर के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही नगर योजनाकार विभाग के उस अधिकारी को रूल-7 के तहत चार्जशीट करने के निर्देश दिए, जिसने पूर्व में बिल्डर को ओसी प्रमाणपत्र जारी किया था।

एक भूमि विक्रय विवाद में मंत्री ने तत्कालीन तहसीलदार को चार्जशीट करने तथा सौदा करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए। गांव बालधन खुर्द के निवासी ने शिकायत दी कि उनके खेत के समीप सातझ्रआठ फुट तक अवैध मिट्टी की खुदाई कर ली गई है। इस पर मंत्री ने एसडीएम को मामले की जांच करने के निर्देश दिए।

बैठक में रेवाड़ी के विधायक लक्ष्मण सिंह यादव, उपायुक्त अभिषेक मीणा, पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र मीणा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कष्ट निवारण समिति के सदस्य तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

हरियाणा पुलिस का 'ऑपरेशन ट्रैक डाउन': मात्र 22 दिन में 7500 से अधिक अपराधी सलाखों के पीछे पहुंचाए

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

अपराध के खिलाफ निर्णायक जंग में हरियाणा पुलिस द्वारा शुरू किया गया ह्यऑपरेशन ट्रैकडाउनह्ल अब एक ऐतिहासिक सफलता बन चुका है। इस अभियान का उद्देश्य अपराध की जड़ों को काटना और राज्य में सक्रिय आपराधिक नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त करना था—और पुलिस ने इसे बेहतरीन ढंग से पूरा किया है। अभियान की तेज और योजनाबद्ध कार्रवाई ने अपराधियों के हौसले तोड़ दिए हैं। अब तक 3066 कुख्यात अपराधियों को जेल भेजा जा चुका है, जबकि अन्य मामलों में लगातार चल रही धरपकड़ से 4521 अतिरिक्त आरोपियों की गिरफ्तारी हुई। कुल मिलाकर, इस ऑपरेशन के दौरान 7587 अपराधियों को पकड़कर हरियाणा पुलिस ने कानून के शासन को मजबूत करने की दिशा में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। ये आंकड़े साफ दिखाते हैं कि यह मिशन न केवल व्यापक है, बल्कि प्रभावशाली भी—जिसने अपराध पर सख़्त प्रहार करते हुए अपराधियों को स्पष्ट संदेश दिया है कि हरियाणा में कोई भी अपराध बिना जवाबदेही के नहीं बचेगा।

इस पूरे ऑपरेशन के दौरान मिलेनियम सिटी गुरुग्राम ने पुलिस कार्रवाई में सबसे बेहतरीन प्रदर्शन किया है। गुरुग्राम पुलिस ने सबसे ज्यादा कुख्यात अपराधियों को सलाखों के पीछे पहुँचाया। यहाँ 233 मामलों में कार्रवाई करते हुए 304 कुख्यात अपराधियों की गिरफ्तारी की गई, जिनमें से 74 अपराधी संगठित अपराध की गंभीर धाराओं में नामजद थे। इसके अलावा, अन्य अपराधों में संलिप्त 192 अन्य कुख्यात अपराधियों को भी पकड़ने में गुरुग्राम पुलिस ने सफलता हासिल की। कुल मिलाकर, 865 अपराधियों की गिरफ्तारी के साथ गुरुग्राम जिला पूरे राज्य में अव्वल रहा। यहाँ पुलिस की सटीकता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने 305 कुख्यात अपराधियों की पहचान की थी, जिसमें से 304 को गिरफ्तार कर 99.99 प्रतिशत सफलता दर हासिल की। साथ ही, भविष्य में अपराध पर लगाम कसने के लिए गुरुग्राम पुलिस ने 81 अपराधियों की हिस्ट्री शीट भी खोल दी है।

गुरुग्राम के बाद राज्य के अन्य जिलों में भी पुलिस का प्रदर्शन सराहनीय रहा। फरीदाबाद जिला इस मुहीम में दूसरे स्थान पर रहा, जहाँ पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए 138 कुख्यात अपराधियों को सलाखों के पीछे पहुंचाया। वहीं, सोनीपत जिले ने भी अपराध पर कड़ा प्रहार करते हुए 106 कुख्यात अपराधियों की गिरफ्तारी के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। अपराध मुक्त हरियाणा की इस दौड़ में झज्जर जिला 90 गिरफ्तारियों के साथ चौथे और यमुनानगर जिला 86 कुख्यात अपराधियों की गिरफ्तारी के साथ पांचवें स्थान पर रहा।

'ऑपरेशन ट्रैक डाउन' केवल अपराधियों की गिरफ्तारी तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि उनके संसाधनों को नष्ट करने में भी पुलिस ने बड़ी कामयाबी हासिल की। पुलिस ने अपराधियों के पास से 161 देसी कट्टे, 146 पिस्तौल और 537 कारतूस बरामद कर बड़ी अनहोनी को रोक दिया। इसके साथ ही, नशे के सौदागरों पर भी पुलिस ने कड़ी कार्यवाही की। साढ़े 4 किलो से अधिक हेरोइन, 402 किलो चरस, 397 किलो गांजा और 799 किलो चूरा पोस्त की बरामदगी कर नशा तस्करों की कमर तोड़ दी

गई। अवैध शराब के कारोबार पर भी नकेल कसते हुए साढ़े 12 हजार से अधिक बोतलें और 2985 लीटर से ज्यादा लाहन जब्त किया गया। वहीं, एसटीएफ की सतर्कता के चलते 2 हैंड ग्रेनेड और एक आईईडी (क्एऊ) की बरामदगी ने राज्य को बड़ी आतंकी साजिशों से बचाया है।

करोड़ों की संपत्ति चिन्हित हरियाणा पुलिस ने अपराधियों को सिर्फ शारीरिक रूप से ही नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से भी पंगु बनाने की रणनीति अपनाई है। पुलिस ने अपराधियों की काली कमाई पर कड़ा प्रहार करते हुए तकरीबन 201 अपराधियों की संपत्तियों की पहचान की, जिसकी कुल कीमत लगभग 168 करोड़ 89 लाख रुपये आंकी गई है। अवैध कमाई से अर्जित संपत्ति की पहचान करने में सोनीपत जिला सबसे आगे रहा, जहाँ 44 अपराधियों की संपत्ति चिन्हित की गई। इसके बाद नूंह (43), फतेहाबाद (38) और पलवल (26) का स्थान रहा। कार्रवाई को अंजाम तक पहुँचाते हुए पुलिस ने लगभग 24 लाख की संपत्ति को अटैच कर दिया है और 21 लाख की संपत्ति को नष्ट किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त, 32 करोड़ 32 लाख रुपये की संपत्ति पर कानूनी कार्रवाई अभी प्रक्रियाधीन है, जो यह स्पष्ट करता है कि अपराध से बनाई गई दौलत अब अपराधियों के किसी काम नहीं आएगी।

भिवानी पुलिस की सीआईए-2 टीम ने 'ऑपरेशन ट्रैक डाउन' के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए संगठित गिरोह के चौथे सदस्य अक्षय उर्फ राजपूत (निवासी रिवासा) को गिरफ्तार किया है। सहायक उप निरीक्षक सुरेंद्र सिंह की टीम द्वारा पकड़ा गया अक्षय एक आदतन अपराधी है, जिस पर रंगदारी, चोरी, जान से मारने की धमकी और मारपीट के करीब 10 संगीन मामले भिवानी और रोहतक के विभिन्न थानों में दर्ज हैं। कानूनी प्रक्रिया के बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया है। गौरतलब है कि पुलिस ने इसी गिरोह के तीन अन्य साथियों—विशांत, ओमबीर और योगेश—को बीते 16 नवंबर को अवैध हथियारों के साथ पहले ही गिरफ्तार कर लिया था।

गुरुग्राम की क्राइम ब्रांच सैक्टर-31 ने बाईक पर सवार होकर मंगलसूत्र झपटने की वारदात को अंजाम देने वाले गिरोह के दूसरे आरोपी जयराम (उम्र 45) को गिरफ्तार किया है। आरोपी को 06 नवंबर 2024 को सैक्टर-39 में हुई चेन स्नैचिंग के मामले में काबू किया गया है। जयराम उत्तर प्रदेश के शामली जिले का रहने वाला है और उसके खिलाफ उत्तराखंड समेत कई राज्यों में झपटमारी और चोरी के कुल 08 संगीन मुकदमे दर्ज हैं।पुलिस पहले ही इस गिरोह के पहले सदस्य जुगनू को गिरफ्तार कर चुकी है। छीने गए मंगलसूत्र की बरामदगी के लिए क्राइम ब्रांच ने आरोपी जयराम को माननीय अदालत से 02 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। पुलिस द्वारा मामले का अनुसंधान जारी है।

फरीदाबाद पुलिस ने टाउन नंबर-1, एनआईटी में 24/25 नवंबर की रात हुए हिमांशु भाटिया (27) हत्याकांड की गुत्थी सुलझा ली है। अपराध शाखा (क्राइम ब्रांच) डीएलएफ की टीम ने मामले के मुख्य षडयंत्रकारी इक्षित (27), जो मृतक का दोस्त था, को 27 नवंबर को गिरफ्तार किया है। इक्षित ने अपने दोस्त हिमांशु की हत्या की योजना इसलिए बनाई क्योंकि हिमांशु उसकी बहन को परेशान करता था। इक्षित को पता था कि भरत और हिमांशु की कहासुनी चल रही है, जिसका फायदा उठाकर उसने भरत के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची। इक्षित के बुलाने पर जब हिमांशु मौके पर पहुंचा तो भरत ने चाकू मारकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने चाकू मारने वाले आरोपी भरत को 26 नवंबर को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। षडयंत्रकारी इक्षित पर पूर्व में लड़ाई-झगड़े और आर्म्स एक्ट सहित सात मामले दर्ज हैं। मामले में आगे की पूछताछ और कड़ी कार्रवाई के लिए आरोपी इक्षित को पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा।

संपादकीय

कुरान में नहीं आदेश, फिर क्यों जारी है महिला खतना? सुप्रीम कोर्ट की 'कड़ी पूछताछ' से हिला सिस्टम

महिलाओं के खतने की प्रथा भारत में एक बार फिर कानूनी और सामाजिक विमर्श के केंद्र में है। सुप्रीम कोर्ट ने हाल में केंद्र सरकार से पूछा है कि क्या इस मुद्दे पर राष्ट्रीय स्तर की नीति बनाने का इरादा है और क्या महिला खतना–या खाफ्ज–को रोकने के लिए कोई स्पष्ट कदम उठाए गए हैं। अदालत की यह पहल इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह सीधे महिला अधिकारों, शरीर की स्वायत्तता और बाल संरक्षण जैसे संवैधानिक मूल्यों से जुड़ा हुआ प्रश्न है। इस बहस के केंद्र में एक गंभीर तथ्य यह भी है कि महिलाओं के खतने का न तो कुरान में उल्लेख है और न ही इसे इस्लाम का मूल सिद्धांत माना जाता है, इसके बावजूद यह प्रथा जारी है। सवाल यह है–क्यों ?सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि महिला खतना धार्मिक आदेश से अधिक एक सांस्कृतिक परंपरा के रूप में विकसित हुआ चलन है, जिसे समय के साथ धार्मिक पहचान का हिस्सा बना दिया गया। भारत में यह प्रथा मुख्यतः दाऊदी बोहरा समुदाय के एक हिस्से में प्रचलित है, जहां सात वर्ष की बालिकाओं के जननांगों की त्वचा को काट दिया जाता है। इसे हल्का और प्रतीकात्मक बताया जाता है, लेकिन चिकित्सकीय विशेषज्ञों के अनुसार यह न केवल दर्दनाक है, बल्कि संक्रमण, यौन स्वास्थ्य समस्याओं और मानसिक आघात जैसे गंभीर जोखिम के साथ जुड़ा हुआ है।यहां बड़ा प्रश्न यह है कि जब कुरान इस विषय पर मौन है और मुस्लिम विद्वानों का स्पष्ट मत है कि यह इस्लाम की अनिवार्य परंपरा नहीं है, तब भी यह प्रथा क्यों जारी है ? इसका उत्तर समाजशास्त्रीय और मनोवैज्ञानिक स्तर पर छिपा है। लंबे समय से कई समुदायों में स्त्री शरीर को नियंत्रित करने की प्रवृत्ति मौजूद रही है। महिला खतना इसी मानसिकता का विस्तार है, जिसके तहत स्त्री की यौनिकता को 'नियंत्रित', 'संयमित' या 'शुद्ध' करने के नाम पर हस्तक्षेप किया जाता है। सदियों पुरानी ऐसी परंपराएँ अक्सर धर्म का आवरण ओढ़ लेती हैं ताकि उनका विरोध कमजोर हो जाए और उनका बचाव 'विश्वास' के नाम पर किया जा सके।दूसरी तरफ, यह बहस केवल परंपरा बनाम अधिकार का प्रश्न नहीं है; यह सीधे उस संवैधानिक ढांचे से जुड़ा मुद्दा है जो हर नागरिक–विशेषकर महिलाओं और बच्चों–को सुरक्षा और गरिमा का अधिकार देता है। भारत का संविधान अनुच्छेद 21 के तहत शरीर की स्वायत्तता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को मूल अधिकार के रूप में मान्यता देता है। इसके अलावा बाल अधिकार संरक्षण कानून किसी भी प्रकार की शारीरिक या मानसिक क्षति को अपराध मानता है। ऐसे में यह तर्क कि महिला खतना एक 'धार्मिक प्रथा' है, संवैधानिक मानकों के सामने टिकता नहीं है। सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी इसी संवैधानिक कसौटी पर आधारित है। अदालत ने कहा है कि यह विषय धार्मिक स्वतंत्रता से कहीं अधिक व्यापक है और इसमें महिला की देह पर उसके अधिकार, उसकी सुरक्षा, स्वास्थ्य और मानसिक कल्याण जैसे बुनियादी आयाम शामिल हैं। तथ्य यह भी है कि दुनिया के कई मुस्लिम-बहुल देशों–जैसे मिस्र, सूडान, इंडोनेशिया–ने महिला खतने पर सख्त कानून बनाए हैं, क्योंकि वे इसे मानवाधिकार उल्लंघन मानते हैं। भारत में यह प्रथा सीमित समुदाय तक ही क्यों न हो, लेकिन यह किसी भी आधुनिक समाज के लिए अस्वीकार्य प्रश्न उठाती है। इस बहस का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि अब बोहरा समुदाय की अनेक महिलाएं खुलकर इस प्रथा के खिलाफ आवाज उठा रही हैं। उनकी कहानियाँ दर्द, भय और असहायता की गवाही देती हैं। कई महिलाओं ने बताया कि उन्हें बचपन में पता ही नहीं था कि उनके साथ क्या हो रहा है। वे वयस्क होने पर समझ पाईं कि यह 'परंपरा' उनके शरीर पर थोपे गए नियंत्रण का तरीका था। इन गवाहीयों का सामाजिक महत्व इसलिए अधिक है क्योंकि वे यह बताती हैं कि महिला खतना केवल चिकित्सकीय या धार्मिक बहस का मुद्दा नहीं, बल्कि गहरे मनोवैज्ञानिक असर वाला यथार्थ है।इस मुद्दे के समर्थक अक्सर इसे 'हल्का' या 'हानिरहित' प्रक्रिया बताकर बचाव करते हैं। लेकिन चिकित्सा जगत इस दावे को नकारता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी इसे हानिकारक और महिला अधिकारों का स्पष्ट उल्लंघन घोषित कर चुका है। विशेषज्ञों के अनुसार इससे यौन संवेदना में कमी, प्रसव के दौरान जटिलताएं और जीवनभर मानसिक आघात जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। अतः इस प्रक्रिया का 'हल्का' होना वैज्ञानिक दृष्टि से भी गलत तर्क है। यह भी सच है कि सरकारें अक्सर ऐसे संवेदनशील सामाजिक मुद्दों पर तुरंत निर्णय नहीं लेतीं, क्योंकि इससे विवाद और राजनीतिक प्रतिरोध का खतरा बना रहता है। लेकिन यह प्रवृत्ति अब बदलनी चाहिए। जब तीन तलाक, बाल विवाह और दहेज जैसे मुद्दों पर सशक्त कानून बन सकते हैं, तो महिला खतने जैसे अमानवीय चलन पर कार्रवाई क्यों नहीं ? सुप्रीम कोर्ट के सवाल अब केंद्र सरकार पर दबाव बढ़ाते हैं कि वह इस विषय पर ठोस नीति बनाए और यह स्पष्ट करे कि यह प्रथा भारतीय कानून के तहत अपराध है या नहीं। एक गहरी सच्चाई यह भी है कि समाज और कानून दोनों तभी प्रभावी होते हैं जब बदलाव भीतर से आए। बोहरा समुदाय के भीतर ही महिलाओं का बढ़ता प्रतिरोध एक सकारात्मक संकेत है कि यह प्रथा सामाजिक स्तर पर भी कमजोर पड़ रही है। लेकिन स्वैच्छिक बदलाव हमेशा पर्याप्त नहीं होते। कई बार कानून के रूप में एक सख्त संदेश देना जरूरी हो जाता है कि महिला के शरीर पर किसी सांस्कृतिक या धार्मिक परंपरा का नहीं, सिर्फ स्त्री का अधिकार है।भारत के लिए यह समय निर्णायक है। देश खुद को महिला सुरक्षा, अधिकारों और समानता के मुद्दों पर वैश्विक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ा रहा है। ऐसे में महिला खतने जैसे मुद्दे पर अस्पष्टता या मौन उसकी छवि को कमजोर कर सकता है। यह विषय केवल किसी एक समुदाय का नहीं, बल्कि राष्ट्र के विधिक और नैतिक चरित्र का प्रश्न है। अंततः यह बहस एक मूल प्रश्न पर आकर ठहरती है–क्या किसी परंपरा का अस्तित्व इसलिए बना रहना चाहिए क्योंकि वह पुरानी है, या इसलिए कि वह मानवीय है ? महिला खतने पर प्रतिबंध का आग्रह इसी मानवीयता की नींव पर खड़ा है। जब कुरान मौन है, जब यह इस्लाम का हिस्सा नहीं, और जब इसके नुकसान वैज्ञानिक रूप से सिद्ध हैं, तो इस प्रथा का जारी रहना किसी भी तर्क के दायरे में उचित नहीं ठहराया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट की पहल ने इस मुद्दे को अब कानून और नीति निर्धारण के स्तर पर निर्णायक मोड़ दे दिया है। अब जिम्मेदारी सरकार की है कि वह स्पष्ट, दृढ़ और मानवाधिकार आधारित रुख अपनाए–ताकि भारत यह संदेश दे सके कि यहां महिलाओं के शरीर और अधिकारों पर किसी परंपरा की नहीं, केवल संविधान की सर्वोच्चता है।

'वंदे मातरम्' है भारत की साकार अंतश्चेतना

गिरीश्वर मिश्र (हि.स)

वैश्विक स्तर पर भारत सदियों से अनेक देशों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा है । यह तथ्य अनेक साक्ष्यों से बहुशः प्रमाणित है कि प्राचीन भारत की भौतिक समृद्धि से प्रभावित हो खिंचे आए विदेशी आक्रान्ताओं ने भारत का अनेक प्रकार से शोषण और दोहन किया और अनैतिक ढंग से विभिन्न क्षेत्रों में और विभिन्न अवधि के लिए अपना अनधिकृत आधिपत्य जमाया। इस प्रक्रिया में भारतीय सांस्कृतिक परिदृश्य और जीवन पद्धति में अनेक परिवर्तन आए। इस श्रृंखला की अंतिम कड़ी के रूप में बर्तानवी (अंग्रेजी) उपनिवेश की लगभग दो सौ वर्षों की त्रासदी थी। यह इस अर्थ में विशेष अर्थ रखती है कि इस दौर में देश को न केवल भौतिक और आर्थिक क्षति पहुँची अपितु दुर्भाव के साथ उसमें मानसिक रूप से भी बदलाव भी लाया गया ।

शिक्षा के क्षेत्र में जो हस्तक्षेप किया गया उसके बड़े दूरगामी परिणाम हुए जिनसे हम आज तक नहीं उबर सके हैं। इस हस्तक्षेप के अंतर्गत भारतीय चिंतन , ज्ञान-परम्परा और भारतीय विश्व दृष्टि को अप्रासंगिक ठहरा कर उसे हाशिये पर डाल दिया गया। भारतीय प्रतिभा , कौशल और ज्ञान संपदा का समूचा अवदान कालबाह्य घोषित कर दिया गया। इस अहैतुक उपेक्षा का सीधा परिणाम यह हुआ कि हमारा आत्मबोध और हमारी पहचान पश्चिम के आलोक में परिभाषित की जाने लगी। पश्चिमी चिंतन 'वैज्ञानिक' और 'आधुनिक' कहलाते हुए मुख्यधारा बनकर हम सब पर थोप दिया गया। दूसरी तरफ भारतीय दृष्टि उस मुख्यधारा से विचलन के रूप में अग्राह्य और व्यर्थ मानी जाने जाने लगी। उसकी ओर सतत उपेक्षा और वितृष्णा की प्रवृत्ति ने एक ऐसा माहौल बनाया जो हमें सोच-विचार और अपनी निर्णय-क्षमता के लिए पर निर्भर कर दिया। हमने आचार-व्यवहार के लिए मानक भी उधार लेने शुरू कर दिए। हीनता और अपर्याप्तता की तीव्र अनुभूति से ग्रस्त हो कर बहुतों ने भारतीयता की अवधारणा को प्रश्नांकित कर डाला । फलतः भारत की मौलिक अस्मिता संशयग्रस्त बनने के लिए अभिशप्त हो गई, इतनी कि जब देश स्वतंत्र हुआ तो नामकरण का निश्चय करते समय हमने भारत शब्द को अपर्याप्त मान लिया। अंततः भारतवर्ष के लिए 'इंडिया दैट इज भारत' का नाम संविधान में दर्ज किया गया।

घटनाक्रम कुछ ऐसा भी हुआ कि पश्चिमी जगत का आर्थिक और राजनैतिक वर्चस्व निरंतर बढ़ता चला गया। हम उसे अपनाते चले गए और उसी में ही गौरव बोध अनुभव करने की आदत डाल ली। दूसरी और हमारा देशज चिंतन जो स्वयं अपना निजी चिंतन था और हमारे अनुकूल था, हमसे दूर होता हुआ अपरिचित होता गया। महात्मा गांधी के 'हिन्द स्वराज ' के स्वर जो 1909 में उठे थे वे तेजी से मद्धिम पड़ने लगे। आर्थिक योजनाएं, शैक्षिक व्यवस्थाएं, सांस्कृतिक नीतियाँ सबकुछ महात्मा गांधी के स्वप्न के विपरीत दिशा में चलने वाला हो चला। परिणाम यह हुआ कि देश के स्वतंत्र होने के बाद भी देश के शैक्षिक आयोजन में गुलामों के लिए बनाया गया पुराना औपनिवेशिक ढाँचा ही बदस्तूर चलता रहा। यदा-कदा कुछ सतही बदलाव लाने का प्रयास जरूर हुआ पर वह आयोजन मुख्य रूप से पश्चिम से आयातित ढाँचा लेकर ही आगे बढ़ता रहा। इसका परिणाम शिक्षा और ज्ञान के क्षेत्र में भारत के पिछड़ने के रूप में सामने आया।

आज भारत विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश हो चुका है। साथ ही वह ऐसा देश भी है जिसमें युवा वर्ग की जनसंख्या का अनुपात विश्व में सबसे अधिक है। देश के लिए यह निश्चित रूप से लाभ की स्थिति हो सकेगी बशर्ते हमारा युवा वर्ग योग्य और कुशल हो। यह चर्चा इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाती है कि भारत वर्ष 2047 तक विकसित देश की कोटि में आने के लिए तत्पर और प्रयासरत है। इस पूरे परिदृश्य में 'भारत' को समझना, उसे अंगीकार करना आज भी प्रमुख प्रश्न हो जाता है। भारत की अच्छी-बुरी अनेक छवियाँ प्रचलित हैं जो भिन्न भिन्न प्रयोजनों से समय-समय पर गढ़ी गई हैं। एक भौगोलिक संरचना के रूप में किसी देश की परिधि और उपलब्धता राजनैतिक संकल्पों और घटनाक्रमों के साथ भी जुड़ी रहती है। भारत जो कभी अखंड था हम सबके देखते-देखते बीसवीं सदी में ही दो बार खंडित हुआ। पहला विभाजन तब हुआ जब पाकिस्तान बना था और दूसरा तब जब बांग्लादेश के निर्माण के साथ हुआ। देखें तो भूमि तो वही रही और वहीं रही जहाँ पहले थी परंतु उस भूमि का अर्थ, उपयोग, उससे संबंध और संलग्नता का आशय लगातार बदलता रहा। भारत जो कभी प्रकृति की गोद में समुद्र और हिमालय के बीच स्थित स्वतःसिद्ध इकाई के रूप में स्वीकृत था परिभाषाओं की प्रतीक्षा करने लगा। उसकी अनेक परिभाषाएँ दी जाती रहीं। आज जब एक सशक्त और आत्मनिर्भर भारत की कल्पना को हम साकार करने को तैयार हो रहे हैं तो हमें यह भी सोचना होगा हम किस भारत की प्रतिमा के साथ चल रहे हैं। वह भारत कैसा होगा ? यह सुखद आश्चर्य है कि उसकी एक अतुल्य छवि डेढ़ सौ साल पहले बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के 'आनंद मठ' में आए गीत वंदे मातरम में प्रतिध्वनित हुई थी। प्रकृति की सारी सुषमा से समन्वित, सारी कामनाओं को पूरा करने वाली, मधुर वाणी वाली, निर्मल, अतुलनीय, ज्ञान और शक्ति से परिपूर्ण भारत माता की छवि सारे भेदभावों से परे एक आत्मीय प्रतिमा को रूपायित करती है। इस छवि का स्मरण और मन में धारण करना निजी स्वार्थ से परे सबके लिए समग्र जीवन की दिशा में समर्पण के लिए अग्रसर कराता है।

(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

आज का राशिफल

मेष: आज कुछ लोग आपकी बातों से असहमत हो सकते हैं, इसलिए किसी भी बड़े को नाराज करने से बचें। अनावश्यक गतिविधियों में समय व्यर्थ होने की सम्भावना है। सेहत को लेकर लापरवाही न करें, खासकर निम्न रक्तचाप वाले लोगों को सचेत रहने की जरूरत है। *(सिटी दर्पण)*

वृषभ: व्यवसाय में आय बढ़ने के संकेत बन रहे हैं। आप आत्मविश्वास से भरे रहेंगे और महत्वपूर्ण फैसलों में जीवनसाथी की राय आपके लिए लाभकारी साबित होगी। कुछ पुरानी योजनाएँ दोबारा शुरू करने का अवसर मिलेगा। घर-परिवार के कार्यों में आपका ध्यान अधिक रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

मिथुन: घर में सौहार्दपूर्ण वातावरण रहेगा। कार्यस्थल पर आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी प्राप्त हो सकती है। प्रेम संबंधों में एक-दूसरे की भावनाएँ समझने की आवश्यकता है। मानसिक रूप से शांति महसूस करेंगे, हालांकि आत्मसम्मान को लेकर थोड़ी चिंता बनी रह सकती है। *(सिटी दर्पण)*

कर्क: विद्यार्थियों के लिए दिन सफलता दिलाने वाला रहेगा। उच्च शिक्षा से संबंधित अवसर मिल सकते हैं। किसी कारोबारी यात्रा से लाभ होगा। वरिष्ठ अधिकारियों के बीच आपकी प्रशंसा होगी। विदेश यात्रा से जुड़ी बाधाएँ दूर होने के योग हैं। *(सिटी दर्पण)*

सिंह: व्यापार में सावधानी बरतने की सलाह है, इसलिए जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। भावनात्मक रूप से कमजोरी महसूस करेंगे। स्वास्थ्य संबंधी खर्च बढ़ सकता है। ससुराल पक्ष से कुछ शुभ समाचार मिलने की संभावना है। *(सिटी दर्पण)*

कन्या: जीवनसाथी आपका पूरा भावनात्मक सहयोग करेगा। व्यावसायिक यात्राएँ हो सकती हैं जो लाभदायक रहेंगी। अविवाहित जातकों के विवाह की बात आगे बढ़ सकती है। उच्च अधिकारियों से संबंध मजबूत होंगे, जिससे आपका प्रभाव भी बढ़ेगा। *(सिटी दर्पण)*

तुला: व्यवसाय में प्रगति के लिए किए गए प्रयास सफल होंगे। लोन से सम्बंधित अवरोध दूर हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। मित्रों के साथ अच्छा समय बिताएंगे। पुराने अनुभव आज किसी महत्वपूर्ण निर्णय में काम आ सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिक: आपकी कही बात सत्य सिद्ध होगी, जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। नए विषयों के अध्ययन और रिसर्च में रुचि बढ़ेगी। बच्चों के साथ घूमने की योजना बन सकती है। व्यावसायिक लक्ष्यों को आसानी से हासिल कर लेंगे। *(सिटी दर्पण)*

धनु: जीवनशैली में सुधार लाने का संकल्प लें। कुछ लोग आपकी आलोचना कर सकते हैं, लेकिन उससे आत्मविश्वास कम न होने दें। परिवार के वरिष्ठ सदस्यों का सम्मान करें। रिश्तेदारों का भरपूर सहयोग मिलेगा। अकऔर टेक क्षेत्र से जुड़े लोगों को बड़े प्रोजेक्ट में काम करने का अवसर मिल सकता है। *(सिटी दर्पण)*

मकर: दिन भर सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। विवेकपूर्ण और धैर्य के साथ निर्णय लेना लाभकारी होगा। आयात-निर्यात से जुड़े व्यवसाय में बड़ा लाभ संभव है। छात्र नए कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। अपने विचार जबरदस्ती दूसरों पर न थोपें। व्यापारिक संबंध मधुर रहेंगे। *(सिटी दर्पण)*

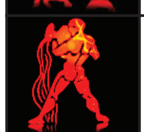
कुंभ: कार्यक्षेत्र में आपकी पकड़ मजबूत होगी। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों के लिए दिन शुभ है, सफलता मिलने की संभावना है। विरोधियों के बीच भी आपकी चर्चा होगी। परिस्थितियाँ आपके पक्ष में रहेंगी। जीवनसाथी को उपहार देने से संबंधों में मधुरता आएगी। *(सिटी दर्पण)*

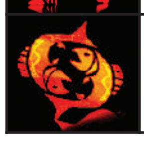
मीन: आपका व्यक्तित्व लोगों को आकर्षित करेगा। वित्तीय परेशानियों में राहत मिलेगी। व्यवसाय के लिए नई रणनीति अपनाने का समय है। युवाओं को प्रेम प्रस्ताव प्राप्त हो सकते हैं। शेयर मार्केट में निवेश लाभ दे सकता है। *(सिटी दर्पण)*

राज्यों के लोक सेवा आयोगों में पारदर्शिता का संकट

डॉ सत्यवान सौरभ (हि.स)

राज्यों के लोक सेवा आयोगों की स्थापना संविधान ने इस उद्देश्य से की थी कि राज्य प्रशासन में प्रतिभा, ईमानदारी और योग्यता को प्राथमिकता मिले। विडंबना यह है कि जिन आयोगों पर निष्पक्षता को स्थापित करने की जिम्मेदारी थी, वे स्वयं वर्षों से पारदर्शिता के संकट से जूझ रहे हैं। अनेक राज्यों में पेपर लीक, भ्रष्टाचार, प्रश्नपत्र त्रुटियाँ, अस्पष्ट आरक्षण गणना और परिणामों की देरी जैसी घटनाओं ने आयोगों के प्रति जनता और युवाओं दोनों का भरोसा डगमगा दिया है। संविधान ने इन संस्थाओं को स्वतंत्र दर्जा दिया, परंतु व्यवहार में राजनीतिक दबाव, प्रशासनिक सीमाएँ और संस्थागत कमजोरियाँ इनके कार्यों को प्रभावित कर रही हैं। यही कारण है कि आयोगों की प्रक्रियाओं और संरचनाओं की गहन समीक्षा आज की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुकी है।

सबसे बड़ी समस्या आयोगों की नियुक्तियों से शुरू होती है। अनेक राज्यों में अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्तियाँ योग्यता, अनुभव और विशेषज्ञता के बजाय राजनीतिक समीकरणों को ध्यान में रखकर की जाती हैं। सदस्य बनने के लिए आवश्यक योग्यता, आयु, अनुभव या पेशेवर पृष्ठभूमि को लेकर कोई स्पष्ट संवैधानिक मानदंड नहीं है। इसके कारण आयोगों पर पक्षपात व राजनीतिक पक्षधरता के आरोप लगते हैं। इसके विपरीत यूपीएससी नियुक्तियाँ पेशेवर, अनुभवी और विविध पृष्ठभूमि वाले वरिष्ठ अधिकारियों या शिक्षाविदों के हाथों में रहती हैं, जो उसकी विश्वसनीयता को मजबूत करती हैं।

राज्यों में मानव संसाधन नियोजन भी कमजोर कड़ी है। कई बार वर्षों तक अधियाचन नहीं भेजा जाता, पद रिक्त पड़े रहते हैं, आर्थिक कारणों से भर्ती रोक दी जाती है या अधिसूचनाएँ अचानक जारी होकर फिर रद्द हो जाती हैं। यह अनियमितता पूरे चयन चक्र को बाधित कर देती है। इसके विपरीत केंद्र में 1985 में स्थापित कार्मिक मंत्रालय अधियाचन, सेवा शर्तें और भर्ती चक्र को व्यवस्थित रखता है। राज्यों में ऐसा कोई समर्पित ढाँचा न होने के कारण लोक सेवा आयोगों की कार्यक्षमता प्रभावित होती है।

अवसंरचना की कमी भी आयोगों के लिए गंभीर समस्या है। कई राज्यों में सुरक्षित प्रश्नपत्र भंडारण केंद्र, एन्क्रिप्टेड डिजिटल सिस्टम, केंद्रीयकृत परीक्षा केंद्र, आधुनिक स्कैनिंग व्यवस्था और डेटा सुरक्षा तंत्र तक उपलब्ध नहीं हैं। इस कारण पेपर लीक, ओएमआर गुम होने, मूल्यांकन संबंधी त्रुटियों और तकनीकी विफलताओं जैसी घटनाएँ सामान्य बन गई हैं। उम्मीदवारों में भय व असंतोष का माहौल इसी अव्यवस्था से पैदा होता है।

प्रश्नपत्र निर्माण और अनुवाद में त्रुटियाँ व्यापक विवादों को जन्म देती हैं। राज्य आयोग अक्सर स्थानीय शिक्षाविदों के सीमित पैनल पर निर्भर रहते हैं, जिससे प्रश्नों का स्तर, विविधता और सटीकता प्रभावित होती है। कई बार अनुवाद में तथ्यात्मक त्रुटियाँ या अस्पष्टता रहती है, जिससे प्रश्नपत्र रद्द करने तक की नौबत आ जाती है। राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों की भागीदारी न होना आयोगों की गुणवत्ता को सीमित रखता है।

मूल्यांकन प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी भी आयोगों की आलोचना का कारण है। कई राज्यों में उत्तर पुस्तिकाओं का डिजिटल मूल्यांकन नहीं होता। अलग-अलग मूल्यांकनकर्ताओं के बीच समरूपता नहीं रहती, मॉडरेशन असमान होता है और अंकों का निर्धारण स्थिर मानकों पर आधारित नहीं होता। इसके कारण चयन सूची और कट-ऑफ बार-बार विवादों में घिर जाती है, जिससे मामले अदालत तक पहुँचते हैं और भर्ती वर्षों तक लंबित रहती है।

आरक्षण गणना की जटिलता भी बड़ी चुनौती है। राज्यों में क्षेत्रीय कोटा, क्षैतिज व ऊर्ध्वाधर आरक्षण, विकलांग, भूतपूर्व सैनिक, महिला आरक्षण आदि कई स्तर होते हैं। मैनुअल गणना में त्रुटियों की संभावना बहुत अधिक रहती है। छोटी-सी गलती भी पूरी चयन प्रक्रिया को संदिग्ध बना देती है, और कानूनी विवादों के कारण परिणाम अटक जाते हैं।

राज्यों के आयोग परीक्षा कैलेंडर का पालन नहीं कर पाते। कुछ राज्यों में पाँच-पाँच वर्षों तक मुख्य परीक्षा आयोजित नहीं होती। तिथियों का बार-बार बदलना, परिणामों में अत्यधिक देरी और साक्षात्कार प्रक्रिया का अनिश्चित होना न केवल उम्मीदवारों के करियर को प्रभावित करता है, बल्कि आयु सीमा बढ़ने और मानसिक तनाव जैसी समस्याएँ भी पैदा करता है। इस तरह की अविश्वसनीयता आयोगों की साख पर गहरा प्रश्नचिह्न लगाती है।

इन समस्याओं के समाधान के लिए व्यापक और दूरगामी सुधारों की आवश्यकता है। सबसे पहले आयोगों के सदस्यों की नियुक्ति में योग्यता-आधारित मानक अनिवार्य किए जाने चाहिए। न्यूनतम आयु, अधिकतम आयु, शैक्षणिक योग्यता, प्रशासनिक अनुभव और पेशेवर पृष्ठभूमि स्पष्ट रूप से निर्धारित हों। यह परिवर्तन संवैधानिक संशोधन के माध्यम से लागू किया जा सकता है।

दूसरे, राज्यों में एक पृथक ₹कार्मिक मंत्रालय₹ की स्थापना की जानी चाहिए, जो मानव संसाधन योजना, अधियाचन प्रबंधन और भर्ती कैलेंडर को नियंत्रित कर सके। इससे आयोगों को नियमित परीक्षा कार्यक्रम बनाए रखने में मदद मिलेगी। यह व्यवस्था वढरउ की तरह स्थिरता और विश्वसनीयता पैदा करेगी।

तीसरे, आयोगों की परीक्षा प्रक्रिया का संपूर्ण डिजिटलीकरण आवश्यक है। प्रश्नपत्र निर्माण, भंडारण, एन्क्रिप्शन, सीलिंग, डिजिटल मूल्यांकन, ओएमआर स्कैनिंग और परिणाम निर्माण–'' तकनीक द्वारा सुरक्षित किया जाना चाहिए। इससे पेपर लीक की संभावना कम होगी और मानव त्रुटियाँ भी नियंत्रित होंगी।

चौथे, पाठ्यक्रम का नियमित आधुनिकीकरण किया जाए। हर तीन वर्ष में विशेषज्ञ समिति द्वारा पाठ्यक्रम की समीक्षा अनिवार्य हो। आधुनिक प्रशासन, विज्ञान-तकनीक, समसामयिक चुनौतियाँ और नई नीतियाँ पाठ्यक्रम का हिस्सा बनें, ताकि चयनित अधिकारी वर्तमान युग के अनुरूप दक्ष हों।

पाँचवें, प्रश्नपत्र निर्माण में राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों को शामिल किया जाए। अन्य राज्यों के विशेषज्ञ, केंद्रीय विश्वविद्यालयों के प्रोफेसर और विषय विशेषज्ञों की भागीदारी से प्रश्नपत्रों की गुणवत्ता, संतुलन और विश्वसनीयता बढ़ेगी। अनुवाद में भी प्रमाणित विशेषज्ञों का उपयोग किया जाए ताकि त्रुटियाँ न्यूनतम हों।

छठे, मूल्यांकन प्रक्रिया को पारदर्शी और वैज्ञानिक बनाना होगा। डिजिटल मूल्यांकन, दो-स्तरीय मॉडरेशन, यूनिफॉर्म स्कोरिंग गाइडलाइन और असंगत अंकों पर स्वतः समीक्षा जैसे उपाय निष्पक्षता को सुनिश्चित करेंगे। मूल्यांकनकर्ताओं को नियमित प्रशिक्षण भी दिया जाना चाहिए।

सातवें, आरक्षण गणना के लिए स्वचालित डिजिटल सॉफ़्टवेयर बनाए जाएँ जिनमें निर्धारित एल्गोरिथ्म त्रुटिरहित गणना करें। इससे विवादों में भारी कमी आएगी।

आठवें, राज्य भर में ह्लभर्ती कैलेंडर अधिनियमह्व लागू होना चाहिए जिसमें प्रारम्भिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा, साक्षात्कार और परिणाम की अधिकतम समयसीमा निर्धारित हो। आयोग को वार्षिक रिपोर्ट भी प्रकाशित करनी चाहिए ताकि जनता को जवाबदेही स्पष्ट हो।

नौवें, आयोग के सचिव का पद ऐसे वरिष्ठ अधिकारी को दिया जाए जिनके पास शैक्षणिक प्रशासन या परीक्षा प्रबंधन का गहन अनुभव हो। इससे परीक्षा लॉजिस्टिक्स, गोपनीयता, सुरक्षा और मूल्यांकन व्यवस्था अधिक पेशेवर होगी।

अंत में, उम्मीदवारों की शिकायतों के समाधान के लिए स्वतंत्र डिजिटल ग्रेविएंस पोर्टल बनाया जाए, जिससे उम्मीदवार पारदर्शी तरीके से अपनी समस्या दर्ज कर सकें, स्थिति देख सकें और समयसीमा में समाधान प्राप्त कर सकें।

समापन में कहा जा सकता है कि राज्य लोक सेवा आयोगों की मजबूती भारत की प्रशासनिक गुणवत्ता का आधार है। यदि आयोग पारदर्शी, तकनीक-समर्थ, राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त और योग्यता-आधारित ढाँचे पर काम करें तो न केवल युवाओं का विश्वास लौटेगा बल्कि राज्य प्रशासन में दक्ष, ईमानदार और संवेदनशील अधिकारी भी मिलेंगे। सुधारों के बिना आयोगों की साख और देश के भविष्य दोनों पर प्रश्नचिह्न बने रहेंगे।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सोशल मीडिया और शब्द अनुशासन की जरूरत

हृदयनारायण दीक्षित (हि.स)

सोशल मीडिया पुराकथाओं जैसा हीरो बन गया है। यह दोधारी तलवार है। जानकारियों का स्रोत है। भौतिक जीवन के प्रपंच सोशल मीडिया के माध्यम से आमजनों तक पहुँचते हैं। उन्हें जरूरी या गैर जरूरी मानना व्यक्तिगत पसंद की बात हो सकती है। कुल मिलाकर सोशल मीडिया अनिवार्य बुराई के रूप में लिया जा रहा है। सोशल मीडिया में मनोरंजन है। ज्ञान है। पुस्तकें हैं। गीत संगीत भी हैं। जीवन को सुखमय बनाने वाले तमाम तत्व सोशल मीडिया का अंग हैं। इसकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जब सोशल मीडिया नहीं था तब मोबाइल फोन इस्तेमाल करने वालों की संख्या बहुत कम थी। घर में बहुधा एक या दो फोन होते थे, लेकिन अब परिवार के सभी सदस्यों के पास अपना-अपना मोबाइल है। मोबाइल केवल दूरभाष वार्ता का काम नहीं देता। वह चलता-फिरता टीवी है। बहुत सुंदर नोटबुक है। ज्ञात विश्व के सभी अनुशासनों का जीवन तंत्र है।

विश्व का समूचा ज्ञान सोशल मीडिया का भाग है। इसका एक बड़ा हिस्सा मनुष्य जीवन को क्षति पहुंचा रहा है। छोटे-छोटे बच्चे मोबाइल से चिपके रहते हैं। इस नुकसान को लेकर अनेक शोध हुए हैं। मैंने निजी जीवन में देखा है कि एक ही परिवार के सात सदस्यों के पास अलग-अलग मोबाइल हैं। किसी के पास दो या तीन मोबाइल भी हैं। मैं ऐसे ही एक मित्र के घर में मेहमान था। मैंने उनको बताया कि चाय में शक्कर नहीं रहेगी। उन्होंने हमारे पास बैठे-बैठे अपनी पत्नी को फोन मिलाया। हमने पूछा चाय कहां बन रही है। उन्होंने कहा पीछे कमरे में। मैंने कहा आप जाकर भी बता सकते थे। उन्होंने कहा फोन है, तो क्यों जाएं? सोशल मीडिया से प्रसारित झूठी सूचनाएं समाज को क्षति पहुंचती हैं। दंगे-फसाद भी हो जाते हैं।

सोशल मीडिया से पुलिस और प्रशासन को सुविधा हो रही है। वहीं अपराधी भी इसी के दुरुपयोग से बड़ी घटनाएं करके निकल जाते हैं। सोशल मीडिया में अराजकता है। कोई अपना नंगा चित्र पोस्ट करता है। कोई अश्लील चैट करता है। कोई देवी-देवताओं पर अपनी भड़ास निकालता है। सुप्रीम कोर्ट ने इस अराजकता के विरुद्ध केन्द्र से कहा है कि कोई नियामक संस्था बनाई जाए। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को चार सप्ताह का समय दिया है। इस सूचना से लोगों को राहत मिली है। लेकिन यह आसान नहीं है। भारतीय संस्कृति के पक्षधर तो सोशल मीडिया के नियमन की खबर से खुश हैं, लेकिन वामपंथी ऐसे किसी संस्था या नियामक आयोग जैसी संस्था का विरोध करेंगे।

हम ऑस्ट्रेलिया से सीख सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया की संसद ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने वाले कानून पर 1 साल पहले सम्यक विचार किया था। अधिनियम पारित किया था। अगले महीने से कानून प्रभावी होने जा रहा है। भारत में अधिकांश परिवारों के बच्चे पूरी रात मोबाइल से चिपके रहते हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने उचित समय पर अपना निर्देश दिया है। सोशल मीडिया के विनियमितिकरण पर ठोस विचार समय की मांग है।

भारतीय संविधान में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है। संविधान निमार्ताओं ने आदर्श लोकतंत्र के लिए अभिव्यक्ति की आजादी को मौलिक अधिकार बनाया है, लेकिन यह अधिकार असीम नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 19 में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है, लेकिन इसी अनुच्छेद के खण्ड 2 में इस अधिकार की मयार्दा भी बताई गई है। इसमें कहा गया है कि भारत की संप्रभुता, अखण्डता, सुरक्षा, दुनिया के अन्य देशों के साथ मैत्रीपूर्ण सम्बंध, लोक व्यवस्था, शिष्टाचार या सदाचार के हितों में अथवा न्यायालय अवमान के सम्बंध में विद्यमान किसी भी विधि के प्रवर्तन पर फर्क नहीं पड़ेगा। यह सुविदित है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग हो रहा है।

भारत प्राचीन राष्ट्र है। भारत के लोगों के परिश्रम से राष्ट्र का सतत विकास हो रहा है। नरेन्द्र मोदी की सरकार ने साल 2047 तक भारत को आत्मनिर्भर बनाने की घोषणा की है। सरकार अपना काम कर रही है। समाज भी अपना काम करे। देश के सभी नागरिकों से भाषा संयम की न्यूनतम अपेक्षा तो कर ही सकते हैं। निःसंदेह विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का स्वागत होना चाहिए। लेकिन अभिव्यक्ति में सुंदरता चाहिए। वाक संयम चाहिए। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता आदरणीय है लेकिन इसके साथ ही संयम में रहने की भी आवश्यकता है।

यह अस्तित्व सुंदर है। हमारे होने का स्रोत और आधार यही संसार है। अस्तित्व प्रतिपल व्यक्त हो रहा है। प्रकृति में फूलों का खिलना, शिशुओं का हंसना, सूर्य का आना-जाना, रात और दिन की गति अभिव्यक्ति की आजादी का हिस्सा है। गीता में श्री कृष्ण ने अर्जुन को बताया कि, 'संसार का जितना व्यक्त भाग है, उतना ही अव्यक्त भी है। व्यक्त अव्यक्त होता रहता है और अव्यक्त से व्यक्त।' इसीलिए मनुष्य को व्यक्ति कहते हैं। प्रकृति की सारी शक्तियां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का आनंद उठाती प्रतीत होती हैं। इसलिए प्रकृति की कोई भी शक्ति नियम नहीं तोड़ती। सूरज निर्धारित समय पर उदित होते हैं। निर्धारित समय पर अस्त होते हैं। चन्द्रमा भी नियम नहीं तोड़ता। पूर्णमासी से अमावस्या तक सारी गति नियमित है। हम मनुष्यों को भी जीवन का आनंद लेते हुए अपना कर्तव्य पालन करते रहना चाहिए।

वाक स्वातंत्र्य का अधिकार बड़ा है। शब्द सत्ता बड़ी है-शब्द संयम में प्रीति होती है, रस होता है। शब्द दुरूपयोग में उत्तेजना है, भावना और आस्था पर आक्रमण हैं। विश्वविख्यात कलाकार एमएफ हुसैन ने सरस्वती व सीता के अश्लील चित्र बनाए थे। इसे विचार अभिव्यक्ति कहेंगे या विकार अभिव्यक्ति? सोशल मीडिया में आपत्तिजनक सामग्री की आंधी है। शब्द संयम में ही सौन्दर्य प्रकट होता है और शब्द अनुशासनहीनता में अश्लीलता। सर्वोच्च न्यायालय ने साल 2005 में मौन रहने को भी अनु0 19(1क) के अधीन विचार अभिव्यक्ति का अधिकार बताया था। राजनीति शब्दों का ही खेल है। लेकिन राजनैतिक शब्दकोष से शालीनता के तत्व गायब हैं। यहां आरोप-प्रत्यारोप हैं। संसद और विधानमण्डल में बोले गए शब्दों पर न्यायालय कार्यवाही नहीं कर सकते। इसलिए संसदीय शब्द अराजकता अपनी सीमा पार कर गई है। वाक स्वातंत्र्य के अधिकार का सदुपयोग सामाजिक परिवर्तन में होना चाहिए। वाद-विवाद में मधुमय सम्वाद की प्राचीन संस्कृति को बढ़ाना चाहिए। समाज के छोटे से हिस्से की भी भावनाओं को आहत करने वाले शब्दों का प्रयोग अभिव्यक्ति की आजादी का दुरूपयोग है। इसी तरह बात बे बात किसी विचार, संगीत, कला, काव्य या फिल्म को लेकर हल्ला बोलना भी स्वतंत्र समाज के लिए बहुत घातक है। राष्ट्र राज्य अपना कर्तव्य निभाए और नागरिक अपना।

आधुनिकता सच्चाई है। समाज जड़ नहीं होते। गतिशील होना जगत का मूल गुण है। भारत का समाज भी आधुनिक है, उसे और भी आधुनिक होना चाहिए। लेकिन आधुनिकता का अर्थ जीवन मूल्यों का यूरोपीयकरण या अमेरिकीकरण नहीं होता। कपड़ा-लत्ता, भाषा, व्यवहार और खानपान, रहन-सहन का अंधानुकरण ही आधुनिक नहीं कहा जा सकता। आखिरकार छात्रों को सोशल मीडिया को ही पूरा समय देना कहाँ तक उचित है? इसके व्यवस्थित संचालन के लिए नियामक आयोग जैसी संस्था अति आवश्यक है। सुप्रीम कोर्ट की पहल स्वागत योग्य है। भारत शब्द अराजकता से निपट सकता है। केवल सांस्कृतिक परंपरा को ही मजबूत करते हुए स्वस्थ वातावरण बनाया जा सकता है।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

पंजाब के इतिहास में सबसे बड़े सड़क निर्माण कार्य की शुरूआत के लिए सरकार तैयार: भगवंत मान

अगले वर्ष के अंत तक 16,209 करोड़ रुपये की लागत से 44,920 किलोमीटर सड़कों के निर्माण कार्य संपूर्ण करने बाबत बताया

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने घोषणा की है कि राज्य सरकार 16,209 करोड़ रुपये की कुल लागत से 44,920 किलोमीटर सड़कों के निर्माण के लक्ष्य के साथ पंजाब के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा सड़क निर्माण कार्य शुरू करने जा रही है।

विस्तृत जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने अगले वर्ष के अंत तक पंजाब के सभी गांवों, कस्बों और शहरों में कुल 16,209 करोड़ रुपये की लागत से 44,920 किलोमीटर सड़कों का निर्माण कार्य पूरा करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाएगा कि इन सड़कों के निर्माण में विश्व-स्तरीय मानकों और सुरक्षा नियमों का पालन हो, और इसके लिए निर्माण के साथ पाँच वर्षों की रख-रखाव की अनिवार्य शर्त भी जोड़ी जाएगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस कदम से राज्य में परिवहन सुचारू होगा और ग्रामीण अवसंरचना को नई गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार पहले ही 4,092 करोड़ रुपये की लागत से 19,373 किलोमीटर ग्रामीण लिंक सड़कों का निर्माण करा चुकी है। इस वर्ष बाढ़ के कारण कई क्षेत्रों में सड़कों को भारी नुकसान हुआ था, परन्तु सरकार ने कठिन परिश्रम से इस परियोजना को पूरा किया और ग्रामीण लिंक सड़कों का निर्माण प्राथमिकता के आधार पर कराया। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं में भी पाँच वर्ष की रख-रखाव शर्त जोड़ी गई है, जो एक मिसाल है। इसके साथ-साथ सड़कों पर उचित दिशा-सूचक तथा अन्य आवश्यक सुविधाएँ भी सुनिश्चित की जाएँगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी ओर से यह मांग थी कि सड़क निर्माण में उच्च गुणवत्ता मानकों को बरकरार रखा जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वह पंजाब के लोगों की बेहतर सेवा के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसी के तहत पंजाब सरकार ने पीएमबी, पीडब्ल्यूडी, शहरी स्थानीय निकायों सहित कई एजेंसियों और जनप्रतिनिधियों को इस राज्यव्यापी अभियान से जोड़ा है। राज्य सरकार ने पंजाब की सभी सड़कों का विस्तृत सर्वेक्षण कराकर उनकी मरम्मत और उन्नयन की जरूरी सूची तैयार की है। अब लक्ष्य है कि अगले वर्ष के अंत तक 16,209 करोड़ की लागत से 44,920 किलोमीटर सड़कों के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित है।

एक प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री फ्लाइंग स्क्वॉड सड़कों की गुणवत्ता की नियमित निगरानी कर रहा है और घटिया सामग्री उपयोग की शिकायतें मिलने पर कई ठेकेदारों के अनुबंध रद्द भी किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी कि कोई भी ठेकेदार या कर्मचारी घटिया काम में लिप्त पाया गया तो उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को अभी तक केंद्र से आर डी एफ का एक भी रुपया नहीं मिला है और पंजाब सरकार यह पूरा निर्माण अपने संसाधनों से कर रही है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि केंद्र सरकार ने 1,600 करोड़ के विशेष पैकेज में से एक भी रुपया पंजाब को नहीं दिया और पंजाब भाजपा नेतृत्व इस बारे में झूठ फैला रहा है। जो भाजपा नेता दावा कर रहे हैं कि फंड जारी किए गए हैं, उन्हें समझना चाहिए कि यह केंद्र की नियमित योजनाओं के फंड हैं, जो पंजाब को वैसे भी मिलते—चाहे बाढ़ आई होती या नहीं। उन्होंने कहा कि भाजपा नेता बिना कारण श्रेय ले रहे हैं, जबकि कोई विशेष पैकेज जारी नहीं हुआ है। पीआरटीसी कर्मचारियों की हड़ताल पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने अपील की कि सभी कर्मचारी काम पर लौटें और सरकार से बातचीत करें। उन्होंने कहा कि सरकार सभी मुद्दों को हल करने के लिए ईमानदार प्रयास कर रही है और कुछ मामले अदालतों में लंबित हैं। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को जनता की सुविधा को देखते हुए आंदोलन समाप्त कर देना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि सरकार पीआरटीसी कर्मचारियों की समस्याओं को समझती है और उनके समाधान के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने घोषणा की कि पंजाब सरकार जल्द ही 900 नई सरकारी बसें अपने बेड़े में शामिल करेगी, जिससे जनता को बेहतर परिवहन सुविधाएँ मिलेंगी। राज्य की शांति भंग करने की कोशिश कर रहे गैंगस्टरों को चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे तत्वों को अपनी गतिविधियाँ तुरंत बंद कर देनी चाहिए और उन्हें पंजाब के सामाजिक ढांचे को नुकसान पहुँचाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि कोई गैंगस्टर किसी नागरिक को नुकसान पहुँचाता है या कोई अपराध करता है, तो उसे यह समझ लेना चाहिए कि उसे कड़े सबक सिखाए जाएँगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि पंजाब सरकार गैंगस्टरों के खिलाफ ₹जीरो टॉलरेंस₹ नीति पर काम कर रही है और उनके नापाक इरादों को सफल नहीं होने देगी। उन्होंने राज्य में शांति, सद्भाव और भाईचारे को कायम रखने के लिए अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराई।

हरियाणा के मुख्यमंत्री द्वारा दिवंगत खिलाड़ी हार्दिक राठी के परिवार से मिलने को राजनीति कहे जाने पर भगवंत सिंह मान ने कहा कि वे खेल प्रेमी हैं और परिवार के दुख में सहभागी होने के लिए गए थे। किसी खिलाड़ी के परिवार से मिलना राजनीति नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार अपनी विफलताओं को छुपाने के लिए बेबुनियाद आरोप लगा रही है, क्योंकि हरियाणा में खेल अवसंरचना बेहद खराब स्थिति में पहुँच चुकी है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि खराब खेल सुविधाओं के कारण राज्य के दो होनहार खिलाड़ियों ने हाल ही में अपनी जानें गंवाई हैं। जब भारत 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की तैयारी कर रहा है, तब हरियाणा में कमजोर खेल ढाँचा खिलाड़ियों की जान ले रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा को दूसरों पर आरोप लगाने के बजाय जिम्मेदारी लेनी चाहिए। कुराली बस अड्डे के सुबह के दौरे के बारे में पूछने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वे जनता को हो रही समस्याओं का प्रत्यक्ष जायजा लेने गए थे। उन्होंने बताया कि रूपनगर के डिप्टी कमिश्नर को स्थानीय और लंबी दूरी की बस सेवाओं की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि जनता को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि यह दौरा कमियाँ खोजने के लिए नहीं, बल्कि लोगों की सुविधा के लिए किया गया था।

महाराजा रणजीत सिंह प्रैपरेटरी इंस्टीट्यूट के कैडेट पारसदीप और युवराज बने भारतीय नौसेना में अधिकारी

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

एस.ए.एस. नगर (मोहाली) स्थित महाराजा रणजीत सिंह आर्म्ड फोर्सेज प्रैपरेटरी इंस्टीट्यूट के दो पूर्व कैडेटों को केरल के एझीमाला में आयोजित भारतीय नौसैनिक अकादमी (आई.एन.ए.) की पासिंग आउट परेड (पी.ओ.पी.) में भारतीय नौसेना में अधिकारी के रूप में कमीशन प्रदान किया गया है। इस परेड का निरीक्षण चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, पी.वी.एस.एम., यू.वाय.एस.एम., ए.वी.एस.एम., एस.एम., वी.एस.एम. ने किया।

दोनों अधिकारी—पारसदीप सिंह खोसा और युवराज सिंह तोमर—शिक्षित पारिवारिक पृष्ठभूमि से संबंध रखते हैं। फरीदकोट ज़िले के निवासी पारसदीप सिंह खोसा की माता

जी.जी.एस. खालसा स्कूल, भलूर की प्रिंसिपल हैं और उनके पिता गुरु नानक मिशन गर्ल्स कॉलेज, बाघापुराणा के डायरेक्टर हैं। जालंधर निवासी युवराज सिंह तोमर भी एक शिक्षित परिवार से आते हैं। उनके पिता डलहौजी पब्लिक स्कूल के प्रिंसिपल हैं, और माता उसी स्कूल में कोऑर्डिनेटर व मनोवैज्ञानिक के पद पर कार्यरत हैं। उल्लेखनीय है कि युवराज का छोटा भाई वर्तमान में महाराजा रणजीत सिंह प्रैपरेटरी इंस्टीट्यूट में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहा है।

पंजाब के रोजगार सृजन, कौशल विकास एवं प्रशिक्षण मंत्री श्री अमन अरोड़ा ने पारसदीप सिंह खोसा और युवराज सिंह तोमर की इस उत्कृष्ट उपलब्धि की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी। श्री अरोड़ा ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशा व्यक्त की कि वे पूर्ण निष्ठा से देश की सेवा करेंगे और पंजाब का नाम गौरव से ऊँचा करेंगे।

महाराजा रणजीत सिंह आर्म्ड फोर्सेज प्रैपरेटरी इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर मेजर जनरल अजय एच. चौहान, वी.एस.एम. (सेवानिवृत्त) ने इन अधिकारियों को बधाई देते हुए बताया कि इस उपलब्धि के साथ संस्थान के कुल 181 कैडेट अब तक सशस्त्र सेनाओं में कमीशंड अधिकारी बने हैं, जिनमें से 22 कैडेट भारतीय नौसेना में शामिल हुए हैं। उन्होंने इस सफलता का श्रेय पंजाब के लोगों की वीरता को देते हुए कहा कि यह पूरे राज्य के लिए गर्व का क्षण है।

मेजर जनरल अजय एच. चौहान ने बताया कि संस्थान में 16वें कोर्स के लिए प्रवेश प्रक्रिया जारी है। इस संस्थान के माध्यम से एन.डी.ए. में शामिल होने के इच्छुक 10वीं कक्षा के विद्यार्थी 15 दिसंबर, 2025 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस कोर्स से संबंधित प्रवेश परीक्षा 4 जनवरी, 2026 (रविवार) को आयोजित की जाएगी।

भारत में घाना के हाई कमिश्नर एच.ई. प्रो. क्वासी ओबेरी-डांसो को हरप्रीत संधू द्वारा श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित पुस्तक भेंट

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़/नई दिल्ली

घाना के साथ सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत संबंधों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से उठाए गए एक सराहनीय कदम में पंजाब के राज्य सूचना आयुक्त हरप्रीत संधू ने भारत में घाना के नव-नियुक्त हाई कमिश्नर एच.ई. प्रो. क्वासी ओबेरी-डांसो से घाना हाई कमिशन, नई दिल्ली में मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित पुस्तक, नौवें सिख गुरु से संबंधित ऐतिहासिक स्थलों को दशार्ने वाले पावन दृश्य साहित्य का सेट, पंजाबी वर्णमाला से सुसज्जित एक पारंपरिक शॉल तथा पंजाब की समृद्ध संस्कृति को दशार्ती विरासत तलवार भेंट की। यह पहल घाना और पंजाब के बीच वैश्विक स्तर पर सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भारत में घाना के हाई कमिश्नर एच.ई. प्रो. क्वासी ओबेरी-डांसो ने पंजाब के राज्य सूचना आयुक्त हरप्रीत संधू द्वारा नौवें सिख गुरु की अतुलनीय शहादत से जुड़े गहरे ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व को दुनिया तक पहुँचाने के इस विशिष्ट प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह पहल नौवें सिख गुरु द्वारा दिए गए सार्वभौमिक भाईचारे, मानवता और शांति के संदेश को प्रसारित करने में सहायक है।

संक्षिप्त-समाचार

राइसीला गुरूप की डायरैक्टर डा.ईशा वशिष्ट राष्ट्रीय अवार्ड से सम्मानित

जैतो। हैल्थ सैक्टर में उत्कृष्ट योगदान व समाज हित में महत्वपूर्ण सेवाओं के लिए राइसीला गुरूप की डायरैक्टर व प्रसिद्ध डायिटीशियन डा.ईशा वशिष्ट को प्रतिष्ठित ₹पायनियर आफ मैडीकल साइसैंज -2025₹ अवार्ड से सम्मानित किया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण एवं रसायन व उर्वरक मंत्री जे.पी.नडडा ने दिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह में डा.ईशा वशिष्ट को प्रदान किया।डा.ईशा वशिष्ट राइसीला गुरूप धूरी के चेयरमैन श्री ए.आर. शर्मा की बेटी है और ए.पी.आरगिनिकस लि. की सक्रिय डायरैक्टर के रूप में भी कार्यरत हैं। उन्होंने हैल्थ और न्यूटीशन क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करते हुए लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया है और साथ ही विशेष कर डायबिटीज, मोटापा और मेटाबालिक बीमारियों पर विभिन्न रिसर्च व प्रोजेक्टस में भी अहम भूमिका निभाई है।डा.ईशा वशिष्ट के प्रयासों से ही कंपनी ने कुछ साल पहले गामा ओरिजनोल का निर्माण जिससे आज आम जनता स्वस्थ जीवनशैली प्राप्त कर पा रहे हैं।इस सम्मान समारोह कार्यक्रम में राजनीतिक, चिकित्सा व सामाजिक क्षेत्र की कई प्रमुख हस्तियां उपस्थित थीं, जिन्होंने डा.ईशा वशिष्ट को प्रतिष्ठित सम्मान मिलने पर हार्दिक शुभकामनाएं दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामनाएं की। इस दौरान ही डा.ईशा वशिष्ट ने कहा कि यह सम्मान उनके अनथक प्रयासों को और अधिक गति देगा और भविष्य में वह समाज के व्यापक वर्ग तक स्वास्थ्य जागरूकता पहुंचाने के लिए और भी बड़े स्तर पर काम करेंगी।

प्रेम संबंध के चलते अपने एक साथी के साथ मिलकर पति की हत्या के आरोप में पत्नी गिरफ्तार

जैतो। फरीदकोट पुलिस ने एसएसपी फरीदकोट डॉ. प्रज्ञा जैन की लीडरशिप में गांव सुखनवाला के मर्डर केस में आरोपी पत्नी को कुछ ही घंटों में गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। यह जानकारी फरीदकोट के डीएसपी (सब-डिवीजन) श्री तरलोचन सिंह ने दी।उन्होंने बताया कि 28-29 नवंबर की रात को फरीदकोट जिले के गांव सुखनवाला के रहने वाले गुरविंदर सिंह नाम के एक व्यक्ति की हत्या की जानकारी मिली थी। इस संबंध में मृतक की बहन मनवीर कौर के बयान पर मृतक की पत्नी रूपिंदर कौर और एक व्यक्ति हरकंवलप्रीत सिंह निवासी बल्लूआना (जिला बठिंडा) के खिलाफ थाना सदर फरीदकोट में धारा 103, 612(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी गई थी। जिस दौरान थाना सदर फरीदकोट के चीफ ऑफिसर इंस्पेक्टर राजेश कुमार की देखरेख में तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस टीमों ने आरोपी रूपिंदर कौर को गिरफ्तार कर लिया है। डीएसपी फरीदकोट ने बताया कि शुरूआती जांच में पता चला है कि यह हत्या प्रेम संबंधों के चलते की गई थी। मृतक गुरविंदर सिंह की शादी रूपिंदर कौर से हुई थी, जो कनाडा में रहती थी। उसे कनाडा से डिपोर्ट कर दिया गया था और अब वह अपने पति के साथ रह रही थी, लेकिन कनाडा में रहते हुए उसके हरकंवलप्रीत सिंह के साथ संबंध बन गए थे। बीती रात मृतक की पत्नी और उसके साथी हरकंवलप्रीत सिंह ने साजिश के तहत इस हत्या को अंजाम दिया। उन्होंने बताया कि आरोपी हरकंवलप्रीत सिंह मौके से फरार हो गया है। पुलिस टीमें उसकी तलाश कर रही हैं और उसे जल्द ही गिरफ्तार भी कर लिया जाएगा। फरीदकोट पुलिस द्वारा गंभीर मामलों में तेजी से और प्रोफेशनल तरीके से की गई जांच और गिरफ्तारियां पुलिस प्रशासन की बुरे लोगों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस पॉलिसी को दिखाती हैं कि जिले में किसी भी कानून के खिलाफ कोई भी अपराध बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। फरीदकोट पुलिस लोगों की सुरक्षा, न्याय और भरोसे के लिए हमेशा तैयार है और असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त रवैया अपनाया जा रहा है।

युद्ध नशों विरुद्धः 273वें दिन पंजाब पुलिस ने 67 नशा तस्कर गिरफ़्तार किए

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा पंजाब को नशामुक्त बनाने के लिए शुरू की गई व्यापक मुहिम ह्ययुद्ध नशों विरुद्धह्न लगातार 273वें दिन भी पूरी ताकत के साथ जारी रही। इसी अभियान को आगे बढ़ाते हुए, पंजाब पुलिस ने पूरे राज्य में 334 स्थानों पर व्यापक छापेमारी की, जिसके दौरान 52 एफआईआर दर्ज कर 67 नशा तस्करों को गिरफ़्तार किया गया। इसके साथ ही, 273 दिनों में गिरफ़्तार किए गए नशा तस्करों की कुल संख्या बढ़कर 38,509 हो गई है। आज की कार्रवाई में पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 237 ग्राम हेरोइन, 100 ग्राम अफीम, 481 नशीली गोलियाँ, तथा 1,960 रुपये की ड्रग मनी भी बरामद की है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने सभी पुलिस आयुक्तों, डिप्टी कमिश्नरों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि पंजाब को नशामुक्त बनाने के लक्ष्य को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाए। राज्य सरकार ने इस अभियान की प्रभावी निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अध्यक्षता में पाँच सदस्यीय कैबिनेट सब-कमेटी भी गठित की है। आज के विशेष ऑपरेशन में 63 गजटेड अधिकारियों की निगरानी में, 800 से अधिक पुलिस कर्मियों वाली 100 से अधिक पुलिस टीमें शामिल रहीं, जिन्होंने राज्यभर में 334 स्थानों पर छापेमारी की। दिनभर चले इस अभियान में पुलिस ने 358 संदिग्ध व्यक्तियों की जाँच भी की। राज्य सरकार नशा उन्मूलन के लिए तीन-स्तरीय रणनीति—एन्फोर्समेंट, डी-एडिक्शन और प्रिवेंशन (ईडीपी)—पर काम कर रही है। इसी क्रम में, पंजाब पुलिस ने ह्यडी-एडिक्शनह्न भाग के तहत आज 25 व्यक्तियों को नशा छुड़ाने और पुनर्वास उपचार के लिए तैयार किया है, जिससे उन्हें समाज की मुख्य धारा में वापस लाने का मार्ग प्रशस्त हो सके।

पंजाब राज्य अंतर-विश्वविद्यालय युवा महोत्सव 30 नवंबर से अमृतसर में: परमिंदर सिंह गोल्डी

चंडीगढ़। पंजाब सरकार की ओर से पंजाब राज्य अंतर-विश्वविद्यालय युवा मेला गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर में 30 नवंबर से 3 दिसंबर तक आयोजित किया जा रहा है। इसमें राज्यभर की 32 विश्वविद्यालयों से 2500 से अधिक विद्यार्थी सांस्कृतिक, कला, गायन, नृत्य आदि की विभिन्न उत्साहपूर्ण प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। पंजाब युवा विकास बोर्ड के चेयरमैन परमिंदर सिंह गोल्डी ने यह जानकारी आज यहां पत्रकारों से बातचीत के दौरान साझा की। इस अवसर पर उनके साथ पंजाब के युवा सेवाएं विभाग के उप निदेशक कुलविंदर सिंह तथा बोर्ड के सदस्य संजीव चौधरी और नवलदीप सिंह भी उपस्थित थे। उन्होंने बताया कि इस यूथ फेस्टिवल में कुल 51 प्रकार की सांस्कृतिक, संगीतक एवं कलात्मक गतिविधियाँ शामिल की गई हैं। इस राज्य-स्तरीय महोत्सव में पहली बार सिख युद्धकला ह्यगत्तकाह्न को भी शामिल किया गया है। विभिन्न विश्वविद्यालयों की गत्तका टीमें यहां अपने युद्धकौशल का प्रदर्शन करेंगी, जिससे इस वार्षिक मेले में एक महत्वपूर्ण और गौरवशाली नया अध्याय जुड़ गया है। चेयरमैन गोल्डी ने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अगुवाई में पंजाब सरकार द्वारा युवाओं के लिए अनेक महत्वपूर्ण पहलें शुरू की गई हैं तथा अधिक से अधिक रोजगार के अवसर पैदा किए जा रहे हैं। इसके अलावा, खेलों के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए ह्यखेडां वतन पंजाब दीयांह्न जैसे कार्यक्रम राज्यभर में आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस वार्षिक महोत्सव का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में आपसी तालमेल को मजबूत करना, राज्य की कलात्मक, संगीतक और सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण एवं संवर्धन करना और नई पीढ़ी को ऐतिहासिक एवं गौरवपूर्ण धरोहर से जोड़ना है। उप निदेशक कुलविंदर सिंह ने बताया कि इस मेले के दौरान राज्य की सरकारी एवं निजी विश्वविद्यालयों के 2500 से अधिक विद्यार्थी साहित्य, संस्कृति, रंगमंच, संगीत, नृत्य और ललित कलाओं की विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेंगे।

फरीदकोट जिला परिषद और पंचायत समिति के चुनाव 14 दिसंबर को होंगे : डी.सी. पूनमदीप कौर

सिटी दर्पण संवाददाता
जैतो

ग्रामीण विकास और पंचायत विभाग द्वारा पंजाब पंचायती राज एक्ट 1994 की धारा 29 के तहत जारी अधिसूचना के अनुसार, राज्य चुनाव आयोग ने कल शाम राज्य में ज़िला परिषद और पंचायत समिति के सदस्यों के लिए आम चुनावों की घोषणा की है। यह जानकारी जिला चुनाव ऑफिसर-कम-डिप्टी कमिश्नर फरीदकोट मैडम पूनमदीप कौर ने दी। नॉमिनेशन फाइल करने के शेड्यूल और चुनाव प्रोसेस को ट्रांसपेरेंट और आसान बनाने के लिए चुनाव से जुड़े जरूरी निर्देशों की जानकारी देते हुए, जिला चुनाव ऑफिसर-कम-डिप्टी कमिश्नर फरीदकोट मैडम पूनमदीप कौर ने कहा कि चुनाव शेड्यूल के मुताबिक, इन चुनावों के लिए उम्मीदवारों द्वारा नॉमिनेशन पेपर फाइल करने की तारीख 01 दिसंबर 2025 (सोमवार) से शुरू होगी (सुबह 11:00 बजे से दोपहर 03:00 बजे तक) इस काम के लिए बनाए गए संबंधित रिटर्निंग ऑफिसर के ऑफिस में। नॉमिनेशन फाइल करने की आखिरी तारीख 04 दिसंबर 2025 (गुरुवार) होगी। नॉमिनेशन पेपर की स्क्रूटनी 05 दिसंबर 2025 (शुक्रवार) को होगी। नॉमिनेशन वापस लेने की आखिरी तारीख 06 दिसंबर 2025 (शनिवार) दोपहर 03:00 बजे तक होगी। उन्होंने कहा कि जिला परिषद फरीदकोट के चुनाव के लिए नॉमिनेशन पेपर रिटर्निंग ऑफिसर एडिशनल डिप्टी कमिश्नर (जे), फरीदकोट (मिनी सेक्रेटेरिएट, फरीदकोट) के ऑफिस में जमा किए जाएंगे। पंचायत समिति फरीदकोट के लिए नॉमिनेशन पेपर सब डिविजनल मजिस्ट्रेट फरीदकोट के ऑफिस में जमा किए जाएंगे। इसी तरह, पंचायत समिति कोटकपूरा के लिए नॉमिनेशन पेपर उपमंडल मजिस्ट्रेट कोटकपूरा के ऑफिस में लिए जाएंगे। पंचायत समिति जैतो के लिए नॉमिनेशन पेपर उपमंडल मजिस्ट्रेट जैतो के ऑफिस में जमा किए जा सकते हैं। जिला चुनाव अधिकारी ने बताया कि ये चुनाव 14 दिसंबर 2025 (रविवार) को सुबह 08:00 बजे से शाम 04:00 बजे तक बैलेट पेपर से होंगे। वोटों की गिनती 17 दिसंबर 2025 (बुधवार) को इसके लिए बनाए गए काउंटिंग सेंटर्स पर की जाएगी। उन्होंने बताया कि पंचायत समिति फरीदकोट में 21 जोन हैं, जबकि पंचायत समिति कोटकपूरा में 19 जोन और पंचायत समिति जैतो में 25 जोन हैं। ज़िला चुनाव अधिकारी ने बताया कि इस चुनाव शेड्यूल के ऐलान के साथ ही उम्मीदवारों और राज्य के गाइडेंस के लिए मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट उन सभी ग्राम पंचायतों के रेवेन्यू एरिया में तुरंत लागू हो गया है, जो संबंधित ज़िला परिषदों और पंचायत समितियों के तहत आती हैं। यह चुनाव प्रोसेस खत्म होने तक लागू रहेगा। उन्होंने बताया कि मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट की एक कॉपी राज्य चुनाव आयोग की वेबसाइट पर मौजूद है।

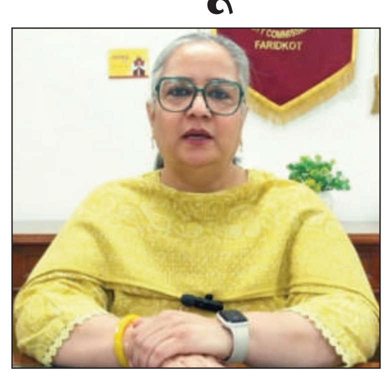

आज होने वाले कार्यक्रम में स्टार्ट-अप एक्सपो में आशाजनक उद्यम अपने विचार और उत्पाद प्रदर्शित करेंगे

भारतीय प्रबंध संस्थान, अमृतसर अपने छठे वार्षिक उद्यमिता शिखर सम्मेलनः ई-समिट 6.0 के लिए तैयार

सिटी दर्पण संवाददाता
अमृतसर

भारतीय प्रबंध संस्थान, अमृतसर अपने छठे वार्षिक उद्यमिता शिखर सम्मेलनः ई-समिट 6.0 का 30 नवंबर 2025 को हयात रीजेंसी, अमृतसर में आयोजन करने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह सम्मेलन उद्यमशीलता के प्रति उत्साही संस्थापकों, अनुभवी पेशेवरों और उद्योग की प्रमुख आवाजों को शिक्षण, अन्वेषण और सार्थक संवाद के लिए एकत्रित करेगा।ई-समिट के अंतर्गत स्टार्ट-अप एक्सपो और जेनेसिस सत्र का आयोजन होगा। जहाँ स्टार्ट-अप एक्सपो में आशाजनक उद्यम अपने विचार और उत्पाद प्रदर्शित करेंगे, तो वहीं जेनेसिस में एंजेल निवेशक, स्थापित उद्यमी और रचनात्मक विचारक अपने अनुभव साझा करते हुए, नवाचार को प्रेरित करेंगे और रणनीतिक विकास के अवसरों का पता लगाएंगे। इच्छुक लोगों के लिए यह कार्यक्रम सुबह 9 बजे संस्थान के यूट्यूब चैनल पर लाइव स्ट्रीम भी किया जाएगा।

यह स्टार्ट-अप एक्सपो शुरूआती चरण के उद्यमियों को अपने विचारों को अनुभवी पेशेवरों और संभावित निवेशकों के समक्ष प्रस्तुत करने का मंच प्रदान करेगा। एक्सपो में लेट्सवेंचर (एल-वी-एक्स) के पूर्व उपराष्ट्रपति श्री मनप्रीत सिंह जी और एंजल ब्लू के सह-संस्थापक एवं सी-ई-ओ श्री मनीष वर्मा जी अतिथि के रूप में शामिल होंगे। जहाँ एक तरफ श्री मनप्रीत सिंह जी को भारत, दक्षिण-पूर्व एशिया, जी-सी-सी और ए-पी-ए-सी क्षेत्र में विकास, पार्टनरशिप और रणनीतिक नेतृत्व में 14 वर्षों से अधिक का विस्तृत अनुभव है। वहीं दूसरी तरफ श्री मनीष वर्मा जी के पास बैंकिंग एवं ऑटोमोटिव क्षेत्रों में बहुराष्ट्रीय भूमिकाओं के माध्यम से 27 वर्षों से अधिक का अनुभव हैं तथा वह रणनीति, पी-एंड-एल प्रबंध, संचालन और निवेश में प्रबल विशेषज्ञता रखते हैं। श्री वर्मा जी पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में स्टार्टअप और उद्यमिता फोरम के अध्यक्ष के रूप में कार्य करते हैं और गोल्डमैन सैक्स ग्लोबल 10,000 महिला कार्यक्रम के तहत भारतीय प्रबंध संस्थान लखनऊ ई-आई-सी में मेंटर पूल का हिस्सा हैं। इन दोनों अतिथियों के व्यावहारिक अनुभव उद्यमियों को वास्तविक व्यापार अनुप्रयोगों और उत्पाद वृद्धि के लिए स्पष्ट दिशा प्रदान करेंगे। स्टार्ट-अप इकोसिस्टम में इन दोनों की गहरी संलिप्तता प्रतिभागियों को उद्यमों को प्रभावी ढंग से स्केल करने के व्यावहारिक मार्गदर्शन से लाभान्वित करेंगी। दोपहर का समय जेनेसिस सत्र को समर्पित होगा जहाँ नवाचार और बदलते उद्यमी परिदृश्य पर विचारोत्तेजक बातचीत होगी। इस सत्र में बीस्ट-लाइफ के को-फाउंडर एवं सी-ई-ओ श्री राज विक्रम जी अपने अनुभवों और दृष्टिकोण को साझा करेंगे। उन्होंने विशेष रूप से स्ट्रांग ब्रांड विजन और मार्केट इनसाइट के माध्यम से दीर्घकालिक मूल्य सृजन और व्यवसाय मॉडल विकास पर उपभोक्ता-केंद्रित उद्यमों के निर्माण में योगदान दिया है। साथ ही, जेनरोबोटिक इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड के को-फाउंडर एवं निदेशक श्री निखिल एन० पी० जी अपने तकनीक-आधारित उद्यमशीलता के अनुभव प्रस्तुत करेंगे। फोर्ब्स एशिया की &०४ङ्ग३;30-अंतर्गत-30&०४ङ्ग३; सूची में भी उनको शामिल किया जा चुका है। श्री निखिल जी बेन्डिकूट के देशव्यापी रोल-आउट के पीछे निर्मित उत्पादन और गुणवत्ता प्रणालियों तथा जी-गेटर मेडिकल रोबोटिक्स प्लेटफॉर्म की इंजीनियरिंग रणनीति में दिए गए योगदान के लिए जाने जाते हैं। उनकी पढ़ी-लिखी कहानियाँ प्रतिभागियों को प्रौद्योगिकी-चलित उद्यमों के व्यवहारिक पक्ष की गहरी समझ देंगी।

यह ई-समिट 6.0 सम्मेलन सहयोग, संवाद और अनुभवात्मक शिक्षण के माध्यम से नवाचार की संस्कृति को पोषित करने के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान, अमृतसर की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। भारतीय प्रबंध संस्थान, अमृतसर एक ऐसे परिवर्तनकारी आयोजन की मेजबानी के लिए उत्सुक है जो महत्वाकांक्षा, रचनात्मकता और उद्यमी भावना का संगम होगा।

श्रीलंका में चक्रवाती तूफान दित्वा से तबाही, अब तक 69 लोगों की मौत

लगातार मूसलाधार बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के कारण स्थिति गंभीर

एजेंसी (हि.स.)
कोलंबो

श्रीलंका में चक्रवाती तूफान दित्वा से भारी तबाही हुई है। लगातार मूसलाधार बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के कारण अलग-अलग हिस्सों में स्थिति गंभीर हो गई है इस आपदा से मरने वालों की संख्या 69 तक पहुंच गई है जबकि काफी संख्या में लोग लापता हैं, जिनकी तलाश की जा रही है इस दौरान कई पुल और सड़कों के बह जाने से स्थिति खराब हुई है। राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने अधिसूचना जारी कर महत्वपूर्ण सेवाओं बिजली, पेट्रोलियम उत्पादों और गैस, अस्पताल और जलापूर्ति को आवश्यक सेवाएँ घोषित किया है।

डेली मिरर ने मौसम विभाग के हवाले से बताया है कि श्रीलंका में लगातार बना निम्न-दाब तंत्र स्थिर बना हुआ है, जिससे नमी वाली हवाएँ आ रही हैं और बार-बार तीव्र लहरें उठ रही हैं। लगातार मूसलाधार बारिश से तमाम प्रमुख जलाशय भर गए हैं। शुक्रवार को मोरागहाकांडा जलाशय अपनी अधिकतम क्षमता तक पहुँच गया जिसके बाद इसके स्पिल गेट खोल दिए गए और इसी दौरान मोरागहाकांडा-लग्गाला का विशाल पुल ढह गया। यह पुल मटाले, पोलोन्नारुवा और कुरुनेगला जिलों के बीच संपर्क के रूप में कार्य करता था इसी तरह हसलाका क्षेत्र में याहंगला पर्वत के पास हुए भीषण भूस्खलन के बाद 5 लोगों के शव बरामद किए गए हैं। देश के कई हिस्सों में भूस्खलन की घटनाएं हुई हैं और इन घटनाओं की आशंका कम नहीं हुई है।

> भारत की नेबरहुड फर्स्ट नीति के तहत भारत संकट की इस घड़ी में श्रीलंका के साथ मजबूती से खड़ा हैः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

फोटोः हि.स.

आपदा प्रबंधन केंद्र (डीएमसी) के अनुसार, 16 नवंबर से शुरू हुई आपदा ने अबतक देशभर के 63,000 से ज्यादा परिवारों के 2,19,286 लोगों को प्रभावित किया है। इस आपदा में अबतक 69 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 34 लोग से अधिक लापता हैं।

सरकार ने घोषणा की है कि विदेशों में रहने वाले श्रीलंकाई और विदेशी नागरिक राहत कार्यों में योगदान दे सकते हैं। राष्ट्रपति के मीडिया प्रभाग ने कहा कि निर्दिष्ट बैंक खाते का विवरण विदेशों में श्रीलंकाई राजनयिक मिशनों और श्रीलंका स्थित विदेशी मिशनों में उपलब्ध है।

श्रीलंका की मदद के लिए भारत ने हाथ बढ़ाते हुए ऑपरेशन सागर बंधु शुरू किया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक्स पर इसकी जानकारी देते हुए बताया है कि ऑपरेशन सागर बंधु के तहत आईएनएस विक्रांत और आईएनएस उदयगिरी ने कोलंबो में राहत सामग्री सौंपी और आगे की कार्यवाही चल रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रभावित परिवारों की सुरक्षा, उनके प्रति सांत्वना और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए कहा है कि भारत की नेबरहुड फर्स्ट नीति के तहत भारत संकट की इस घड़ी में श्रीलंका के साथ मजबूती से खड़ा है।

चक्रवाती तूफान दित्वा के खतरों को लेकर तमिलनाडु में तैयारियां

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
चेन्नई

चक्रवाती तूफान दित्वा के कारण आज तमिलनाडु के 4 जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। बंगाल की खाड़ी में बन रहे 'दित्वा' चक्रवात के कारण तमिलनाडु के अधिकांश हिस्सों में भारी बारिश हो रही है। मौजूदा स्थिति के अनुसार चक्रवात श्रीलंका के त्रिंकूमलई से लगभग 80 किमी उत्तर-पश्चिम, श्रीलंका के मतकलप्पाईगुरु से 190 किमी उत्तर-पश्चिम, करैकाल से 220 किमी दक्षिण-पूर्व, पुडुचेरी से 330 किमी दक्षिण-पूर्व और चेन्नई से 430 किमी दक्षिण में केंद्रित है। मौसम विभाग ने कहा है कि यह उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ेगा और इसके कारण 30 नवंबर की सुबह उत्तर तमिलनाडु, पुडुचेरी और आसपास के आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्रों में भूस्खलन हो सकता है। जैसे-जैसे यह तमिलनाडु की ओर बढ़ रहा है, यहां भी बारिश बढ़ रही है। विशेष रूप से चेंगलपट्टू, विल्लुपुरम, कडलूर और मैलाडुतुरई जिले को रेड अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा 14 जिलों को ऑरेंज अलर्ट दिया गया है। इनमें चेन्नई, कांचीपुरम, तिरुवल्लुर, रानीपेट्टई, पुदुक्कोट्टई, तंजावूर, नागपट्टिनम, अरियालूर और तिरुवरूर जिलों के लिए भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।

> चार जिलों के लिए रेड अलर्ट किया जारी

हवाई सेवाओं पर भी इसका खासा प्रभाव पड़ा है। चेन्नई में 54 हवाई सेवाएं रद्द की गई हैं। इसी तरह तूतुकुडी में हवाई सेवाएं रद्द कर दी गई हैं। तमिलनाडु के कई जिलों में स्कूलों में छुट्टियाँ घोषित की गई हैं, जबकि कुछ जिलों के कॉलेजों में भी छुट्टियाँ घोषित की गई हैं। पुडुचेरी सहित कुछ क्षेत्रों में विश्वविद्यालय परीक्षाएं भी स्थगित कर दी गई हैं।

अमेरिका ने अफगान पासपोर्ट पर यात्रा करने वाले लोगों के लिए वीजा जारी करने पर रोक लगाई

एजेंसी (हि.स.)
वॉशिंगटन

फोटोः हि.स.

अमेरिका ने अपने नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता का हवाला देते हुए अफगानिस्तान के पासपोर्ट पर यात्रा करने वाले सभी लोगों के लिए वीजा जारी करने पर रोक लगा दी है। ट्रंप प्रशासन की यह कार्रवाई उस घटना के बाद की गई है जिसमें एक अफगान नागरिक ने 26 नवंबर को व्हाइट हाउस से पास दो गार्ड्स को गोली मार दी थी।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने अफगानिस्तान के पासपोर्ट पर यात्रा करने वाले सभी लोगों के लिए वीजा जारी करना रोक दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने पोस्ट साझा करते हुए कहा है कि राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व वाले स्टेट डिपार्टमेंट ने अफगान पासपोर्ट पर यात्रा करने वाले सभी लोगों के लिए वीजा जारी करना रोक दिया है। अपने लोगों की सुरक्षा अमेरिका की सबसे बड़ी प्राथमिकता है। उल्लेखनीय है कि एक अफगान नागरिक ने 26 नवंबर को व्हाइट हाउस से पास दो गार्ड्स को गोली मार दी थी। जिसके बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सख्त रुख अपनाते हुए घोषणा कर दी कि अमेरिकी प्रशासन तीसरी दुनिया से आने वाले प्रवासियों पर स्थायी प्रतिबंध लागू करेगा, ताकि अमेरिकी व्यवस्था को पूरी तरह पुनर्स्थापित होने के लिए समय मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका देश के अंदर मौजूद गैर-नागरिकों को दिए जाने वाले संघीय लाभ और सब्सिडी बंद कर देगा।

महिला के साथ अभद्रता करने पर दो भाईयों पर केस दर्ज

महोबा। उत्तर प्रदेश के महोबा में दबंग भाइयों की हरकतों से परेशान महिला ने अन्य मुहाल वासियों के साथ कोतवाली पहुंच पुलिस को शिकायती पत्र सौंप कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपित दो भाईयों के खिलाफ केस दर्ज करते हुए मामले की छानबीन शुरू कर दी है। जनपद मुख्यालय के गांधी नगर के पस्तोर गली निवासी पीड़िता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि दबंग पड़ोसी दो भाई उसे परेशान करते है। आए दिन अभद्र भाषा का प्रयोग कर जान माल की धमकी देते रहते हैं। पूर्व में दबंगों की हरकतों से परेशान होकर पुलिस से शिकायत की, लेकिन सख्त एक्शन न होने की वजह से दबंगों की मनमानी और बढ़ गई है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपित हिमांशु और विवेक के खिलाफ केस दर्ज करते हुए मामले की छानबीन शुरू कर दी है। शनिवार को कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मनीष कुमार पांडेय ने बताया कि महिला की तहरीर के पर दो आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है, मामले की छानबीन की जा रही है।

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में 12 बांग्लादेशी और एक भारतीय गिरफ्तार

> बिना वैध दस्तावेज भारत में रहने का आरोप

एजेंसी (हि.स.)
मुर्शिदाबाद

फोटोः हि.स.

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में पुलिस ने 12 बांग्लादेशी नागरिकों को कथित रूप से भारत में अवैध रूप से रहने के आरोप में गिरफ्तार किया है। इनके साथ एक भारतीय नागरिक को भी हिरासत में लिया गया है, जिस पर इन लोगों की गैरकानूनी घुसपैठ में मदद करने का आरोप है। यह कार्रवाई शुक्रवार रात की गई।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार भारतीय की पहचान सेबर अली के रूप में हुई है, जो बांग्लादेशी नागरिकों को अवैध रूप से शरण देता था। गुप्त सूचना के आधार पर इसलामपुर इलाके के हुरशी ग्राम पंचायत के गोपालपुर गांव में छापेमारी की गई और सभी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस सूत्रों का कहना है कि पकड़े गए बांग्लादेशी नागरिकों के पास भारत में रहने का कोई वैध दस्तावेज नहीं मिला। पुलिस को जानकारी मिली है कि ये लोग सेबर अली की मदद से गांव में रह रहे थे। अब यह पता लगाने के लिये जांच शुरू हो गई है कि वे पश्चिम बंगाल क्यों आए, कब से यहां रह रहे थे और क्या कोई और भी इनके साथ आया था या कहीं और छिपा हुआ है। गिरफ्तार बांग्लादेशी नागरिकों के नाम हैंः मोहम्मद अउल (25), अब्दुल खालेक (38), सुमन अली (30), सुकुद्दीन (26), खाबिर (19), शाहिदुल (35), मोहम्मद सब्बीर (22), मोहम्मद जियाउरुल हक (38), मजदर अली (36), मोहम्मद खैरुल (27), मोहम्मद रोनी (23) और रूहुल अमीन (34)। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि कुल 12 बांग्लादेशी और एक भारतीय को गिरफ्तार किया गया है। सभी को शनिवार को अदालत में पेश किया जाएगा और पुलिस हिरासत के लिए 10 दिन की मांग की जाएगी। अधिकारी ने कहा कि यह जांच भी चल रही है कि वे भारत में किस रास्ते से आए और कितने समय से यहां रह रहे थे।

संक्षिप्त-समाचार

लेबनान की सेना ने इजराइल सीमा पर सैनिकों की संख्या बढ़ाई

जिबकिन वैली (लेबनान)। लेबनान की सेना ने इजराइल की सीमा से लगे क्षेत्रों में अपने सैनिकों की संख्या में बढ़ोतरी की है। इजराइल और हिज्बुल्ला के बीच 14 महीने तक युद्ध के दौरान लेबनान की सीमा से सटे ये इलाके भी प्रभावित हुए थे। लितानी नदी के दक्षिण एवं इजराइल की सीमा के उत्तर में स्थित इस क्षेत्र के कुछ हिस्से पहले हिज्बुल्ला का गढ़ हुआ करते थे। सेना के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि इजराइल-हिज्बुल्ला युद्ध समाप्त होने के बाद से लेबनान की सेना ने लगभग 10,000 सैनिकों को सीमा पर तैनात किया है, लितानी नदी के किनारे तस्करी के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले 11 नाकों को बंद कर दिया गया है और भारी मात्रा में अप्रयुक्त आयुध को नष्ट किया जा रहा है। सेना के जवान शुक्रवार को स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थानों के दर्जनों पत्रकारों को सीमा से लगे दुर्गम इलाकों के दौरे पर ले गये। सैनिक उन जगहों पर देखे जा सकते थे, जहां कभी हिज्बुल्ला के लड़ाके होते थे।

इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप पर बाढ़ और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या बढ़कर 248 हुईः अधिकारी

अगम। इंडोनेशिया में भूकंप और सुनामी के कारण मारे गए लोगों की संख्या बढ़कर 248 हो गई है तथा अधिकारियों को मृतकों की संख्या और बढ़ने की आशंका है। भूकंप और सुनामी के कारण तबाह हुए इंडोनेशिया के कई क्षेत्रों में प्रभावित लोगों तक पहुंचने के लिए देश के बचावकर्मियों को शनिवार को संघर्ष करना पड़ा। सड़कें खराब होने और संचार बाधित होने से इन इलाकों से संपर्क कट गया है और राहत एवं बचाव विमान उत्तरी सुमात्रा प्रांत के मध्य तपनौली जिले एवं इलाके के अन्य जिलों में मदद और आपूर्ति पहुंचा रहे हैं।

बेलारूस के राष्ट्रपति सद्भावना दौरे पर म्यांमा पहुंचे

बैंकॉक। बेलारूस के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर लुकाशेंको सद्भावना यात्रा पर म्यांमा पहुंचे। सरकारी मीडिया द्वारा शुक्रवार को जारी खबरों में यह जानकारी दी गयी। एलेक्जेंडर 2021 में सैन्य शासन लागू होने के बाद से म्यांमा का दौरा करने वाले दूसरे विदेशी नेता हैं। यह यात्रा म्यांमा में होने वाले चुनाव से ठीक एक महीने पहले हो रही है। चुनावी विश्लेषकों का कहना है कि ये चुनाव न तो स्वतंत्र हैं और न ही निष्पक्ष। आलोचक, लुकाशेंको की यात्रा को चुनाव के समर्थन के रूप में देख रहे हैं। म्यांमा में सैन्य शासन लागू होने के बाद से चीन और रूस के साथ-साथ बेलारूस म्यांमा सरकार का एक प्रमुख समर्थक और आपूर्तिकर्ता रहा है। बेलारूस उन कुछ देशों में से एक है, जहां म्यांमा की सैन्य सरकार के प्रमुख वरिष्ठ जनरल मिन आंग ह्लाइंग ने मार्च और जून में यात्रा की थी। म्यांमा की तरह बेलारूस की सरकार को भी व्यापक रूप से सत्तावादी माना जाता है। म्यांमा के सैन्य नेताओं को फरवरी 2021 में आंग सान सू की की निर्वाचित सरकार का तख्तापलट करने और सैन्य शासन के विरोध को दबाने की कोशिश में बड़े पैमाने पर मानवाधिकारों का उल्लंघन करने के लिए कई पश्चिमी देशों ने प्रतिबंधित किया है। कंबोडिया के तत्कालीन प्रधानमंत्री हुन सेन 2021 के बाद से म्यांमा की यात्रा करने वाले एकमात्र अन्य विदेशी नेता हैं। सेन, 2022 में दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ के अध्यक्ष के रूप में म्यांमा की यात्रा पर आए थे। सरकारी अखबार ग्लोबल न्यू लाइट ऑफ म्यांमा की एक खबर के मुताबिक, बृहस्पतिवार रात राजधानी नेपीता स्थित सैन्य हवाई अड्डे पर लुकाशेंको के आगमन पर म्यांमा के प्रधानमंत्री न्यो साव और अन्य कैबिनेट सदस्यों ने पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका स्वागत किया। म्यांमा सरकार के स्वामित्व वाले टीवी चैनल एमआरटीव की खबर में बताया गया कि लुकाशेंको ने शुक्रवार को मिन आंग ह्लाइंग और अन्य शीर्ष अधिकारियों के साथ बातचीत की, जिसमें द्विपक्षीय संबंधों, चुनावी प्रक्रियाओं एवं बेलारूसी चुनाव पर्यवेक्षकों की तैनाती के साथ-साथ सैन्य सहित सभी क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया। खबर के मुताबिक, उन्होंने विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अर्थशास्त्र सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के लिए समझौता ज्ञापनों और अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए।

आजमगढ़ में पति ने पत्नी की पीट-पीटकर की हत्या

आजमगढ़। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले के तरवां थाना क्षेत्र में बीती रात शुक्रवार को घरेलू विवाद में पति ने पत्नी की पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपित को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एसपी सिटी मधुबन कुमार सिंह ने शनिवार को बताया कि तरवां थाना क्षेत्र में महुआरी मठिया गांव निवासी सुनील यादव का शुक्रवार की देर रात अपनी पत्नी सुनीता यादव (34) से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। बताया जा रहा है कि रात करीब साढ़े 12 बजे विवाद बढ़ने पर पति सुनील ने पत्नी को जमकर पीटा, जिससे उसकी मौत हो गई। मृतका के बड़े बेटे की सूचना पर थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव कब्जे में लेकर जांच पड़ताल की। मौके पर पहुंची पुलिस ने फील्ड यूनिट व डॉग स्क्वायड के साथ जांच कर साक्ष्य एकत्र किए। इस घटना में आरोपित को हिरासत में लेकर मृतका के परिजनों की तहरीर पर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

आरबीआई ने एचडीएफसी बैंक पर 91 लाख रुपये का लगाया जुर्माना

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने बैंकिंग विनियमन कानून के कुछ नियमों का उल्लंघन करने के मामले में निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक पर 91 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है। यह जुमार्ना निजी क्षेत्र के इस बैंक पर अपने ग्राहक को जानो (केवाईसी) से जुड़ी कानूनी और नियामकीय बाध्यताओं में कमियों के लिए लगाया गया है। आरबीआई ने जारी एक बयान में कहा कि एचडीएफसी बैंक पर ये जुमार्ना बैंक पर बैंकिंग विनियमन कानून के कुछ नियमों का उल्लंघन, कर्ज पर ब्याज दर से जुड़ी शर्तों का पालन न करने, वित्तीय सेवाओं के लिए जोखिम प्रबंधन और आचार संहिता के दिशानिर्देशों तथा केवाईसी से संबंधित कुछ निर्देशों का पालन न करने के कारण लगाया गया है। रिजर्व बैंक ने बताया कि 31 मार्च, 2024 तक बैंक की वित्तीय स्थिति के अनुसार बैंक का निगरानी मूल्यांकन करने के लिए एक सांविधिक जांच की गई थी। बैंक को इस संबंध में रिजर्व बैंक द्वारा एक नोटिस जारी किया गया था। केंद्रीय बैंक ने कहा कि बैंक के जवाब और उसके द्वारा दी गई अतिरिक्त जानकारियों पर विचार करने के बाद रिजर्व बैंक ने पाया कि बैंक के खिलाफ आरोप सही थे, जिसके लिए मौद्रिक जुमार्ना लगाना आवश्यक था।

प्रधानमंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय ने शुरू की दस्तावेजों तक रिमोट एक्सेस की सुविधा

> अब भारतीय इतिहास पर शोध करने वाले छात्र संस्थान के ढाई करोड़ से भी ज्यादा दस्तावेजों को देख सकेंगे

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

प्रधानमंत्री संग्रहालय और पुस्तकालय (पीएमएमएल) ने अपने दुर्लभ दस्तावेजों की पहुंच दूर तक पहुंचने के लिए रिमोट एक्सेस की सुविधा शुरू की है। इस सुविधा से अब भारतीय इतिहास पर शोध करने वाले छात्र संस्थान के ढाई करोड़ से भी ज्यादा दस्तावेजों को देख सकेंगे। इसके लिए एक नया आईटी प्लेटफॉर्म बनाया गया है। शोधार्थियों को इस प्लेटफॉर्म पर पहले पंजीकरण करना होगा और फिर जिन दस्तावेजों को वे देखना चाहते हैं, उनका अनुरोध करना होगा। मंजूरी मिलने के बाद दस्तावेज उनके कंप्यूटर पर केवल देखने के लिए उपलब्ध कराए जाएँगे। उन्हें अब पीएमएमएल के दफ्तर आने की जरूरत नहीं होगी

उल्लेखनीय है कि पीएमएमएल में आजादी के बाद सभी प्रधानमंत्रियों से जुड़े दस्तावेज और सामग्री रखी गई है। यहाँ 1300 से अधिक व्यक्तियों और संस्थाओं के कुल 2.5 करोड़ से भी ज्यादा दुर्लभ दस्तावेज सुरक्षित हैं। आधुनिक और समकालीन भारतीय इतिहास पर शोध करने वाले विद्वान इनके उपयोग के लिए यहाँ आते हैं। यहां रखे दुर्लभ दस्तावेजों में पत्र, भाषण, डायरी, अखबार की कटिंग को सुरक्षित रखने और शोधार्थियों तक पहुँचाने के लिए एक बड़ा डिजिटलीकरण अभियान चलाया गया था। इस अभियान के तहत ज्यादातर जरूरी दस्तावेज डिजिटल रूप में बदलकर सिस्टम में डाल दिए गए हैं और अब शोधार्थी उन्हें ऑनलाइन देख सकते हैं।

पीएमएमएल के निदेशक अश्विनी लोहेनी ने शनिवार को बताया कि डिजिटल आर्काइव्स की यह शुरूआत तकनीक का उपयोग करते हुए महत्वपूर्ण दस्तावेजों को सुरक्षित रखने और शोधार्थियों को घर बैठे जानकारी उपलब्ध कराने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह सुविधा शोधकताओं के लिए बहुत मददगार साबित होगी और देश की ऐतिहासिक धरोहर को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

नकली भारतीय मुद्रा समेत तीन गिरफ्तार

गुवाहाटी। महानगर की गोरचूक पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चला कर नकली नोट के कारोबार में शामिल तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि गोरचुक पुलिस थाने की एक पुलिस ने आईएसबीटी के पास से 10 लाख मूल्य के नकली भारतीय मुद्रा नोटों (एफआईसीएन) की एक खेप पकड़ी है। इसके बाद गोरोइमारी के तीन बदमाशों का पीछा करके उन्हें गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान रोबिउल अली (28), मुजम्मल खान (28) और अबुल कलाम आजाद (22) के रूप में की गई है। अभियान के दौरान पुलिस ने एक बाइक और एक स्कूटी को भी जब्त किया। आरोपितों के पास से दस लाख मूल्य के नकली भारतीय मुद्रा बरामद की गई हैं। घटना के संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार तीनों आरोपितों से सघन पूछताछ की जा रही है।

जी-20 में दक्षिण अफ्रीका को आमंत्रित नहीं करने का ट्रंप का फैसला अफसोसजनकः रामाफोसा

एजेंसी (हि.स.)
जोहानिसबर्ग

फोटोः हि.स.

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने कहा है कि अमेरिका की अध्यक्षता के दौरान दक्षिण अफ्रीका को जी-20 में आमंत्रित नहीं किए जाने की उनके अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा अफसोसजनक है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल में घोषणा की कि दक्षिण अफ्रीका को अगले वर्ष फ्लोरिडा में उनके देश की अध्यक्षता में आयोजित होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने का निमंत्रण नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका सदस्यता के लिए योग्य नहीं है। अमेरिका ने दक्षिण अफ्रीका से जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण की है और वह एक दिसंबर, 2025 से 30 नवंबर, 2026 तक इस समूह का नेतृत्व करेगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर लिखा, अमेरिका ने दक्षिण अफ्रीका में जी-20 में भाग नहीं लिया क्योंकि दक्षिण अफ्रीका सरकार अफ्रीकी लोगों और पुर्तगाली, फ्रांसीसी तथा जर्मन प्रवासियों के वंशजों द्वारा झेले गए भयावह मानवाधिकार हनन को स्वीकार करने या उस पर ध्यान देने से इनकार करती है। दक्षिण अफ्रीका ने एक दिसंबर 2024 को जी20 की साल भर की अध्यक्षता संभाली थी। उसने 22 से 23 नवंबर तक जोहानिसबर्ग में इस समूह के नेताओं की मेजबानी की थी। पहली बार जी20 शिखर सम्मेलन अफ्रीका में आयोजित किया गया था। परंपरा के अनुसार, मेजबान देश जी-20 की अगली अध्यक्षता संभालने वाले राष्ट्र को लकड़ी का एक प्रतीकात्मक हथौड़ा सौंपता है लेकिन बैठक के बहिष्कार के कारण दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा से इसे लेने के लिए कोई अमेरिकी अधिकारी मौजूद नहीं था।

अवैध हथियार बेचने वाले पांच गिरफ्तार, भारी मात्रा में पिस्टल और देसी तमंचा बरामद

एजेंसी (हि.स.)
नोएडा

फोटोः हि.स.

थाना दनकौर पुलिस ने अवैध हथियारों की खरीद- फरोख्त करने वाले पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस ने तीन पिस्टल ,तीन देसी तमंचा, तथा 50 हजार रुपए नगद और घटना में प्रयुक्त होने वाली दो कार बरामद किया है। पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि आरोपी काफी दिनों से अवैध रूप से हथियार के खरीद फरोख्त में संलिपित हैं।

अपर पुलिस उपयुक्त जोन तृतीय सुधीर कुमार ने बताया कि बीती रात को थाना दनकौर पुलिस को सूचना मिली कि काले रंग की एक स्कॉर्पियो कार तथा नीले रंग की एक बलेनो कार में सवार कुछ लोग अवैध रूप से हथियार बेचने के लिए ग्रेटर नोएडा में आए हैं। उन्होंने बताया कि सूचना के आधार पर पुलिस ने चेकिंग शुरू की तथा बुढ़िया गोल चक्कर के पास से पुलिस ने काले रंग की स्कॉर्पियो और बलेनो कार को चेकिंग के दौरान अपने कब्जे में लिया। उन्होंने बताया कि कार में सवार गजेंद्र उर्फ गज्जू पुत्र हरवीर निवासी दादरी ,सुमित कुमार उर्फ गुंडा निवासी कासना, सागर भाटी पुत्र श्यामवीर निवासी ग्राम कमबख्तपुर ग्रेटर नोएडा, हर्ष सिंघल पुत्र सूरज सिंघल निवासी दनकौर तथा निखिल भाटी पुत्र श्यामवीर निवासी बीटा- 2 को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इनके पास से पुलिस ने तीन पिस्टल 32 बोर ,160 कारतूस, तीन देसी तमंचा 315 बोर ,6 कारतूस तथा 50 हजार रुपए नगद बरामद किया है। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान गिरफ्तार बदमाशों ने पुलिस को बताया कि वे लोग काफी दिनों से अवैध रूप से हथियार खरीदने बेचने के धंधे में संलिप्त है।

समस्या | इंडिगो-एयर इंडिया समेत इंडियन एयरलाइंस की उड़ानें प्रभावित

एयरबस ए-320 विमानों में तकनीकी खराबी

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

एयरबस श्रृंखला के ए-320 विमानों में उड़ान नियंत्रण से संबंधित संभावित समस्या को दूर करने का काम जारी रहने के बीच एयर इंडिया, इंडिगो और एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान सेवाएं बाधित होने की आशंका है। इससे भारत में 200 से 250 और दुनिया भर में 6,000 विमान प्रभावित होंगे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि एयरबस के एक टेक्निकल निर्देश की वजह से शनिवार को कुछ घरेलू एयरलाइंस को कई रूट पर देरी और शेड्यूल में बदलाव का सामना करना पड़ सकता है, जिससे उनके अ320 फ्लीट पर असर पड़ सकता है।

एयरबस के अलर्ट के बाद कई एयरलाइन ने देरी और कैंसलेशन की एडवाइजरी जारी की है। इंडिगो ने कहा कि वे सॉफ्टवेयर-हार्डवेयर सुधार कर रहे हैं और यात्रियों को न्यूनतम असुविधा देने का प्रयास करेंगे। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने एहतियाती कदम उठाए हैं, जबकि एयर इंडिया ने माफी मांगी है। एयरबस ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि तीव्र सौर विकिरण के कारण ए-320 श्रृंखला के कई विमानों में उड़ान नियंत्रण से जुड़े महत्वपूर्ण डेटा के खराब होने की आशंका है। कंपनी ने जारी बयान में यह भी बताया कि इस समस्या को दूर करने के लिए सॉफ्टवेयर में जरूरी बदलाव किए जाएंगे, जिससे उड़ानों के संचालन में कुछ व्यवधान आ सकते हैं।

> एयरबस श्रृंखला के विमानों में समस्या के कारण उड़ानें रद्द होने, देरी की आशंका

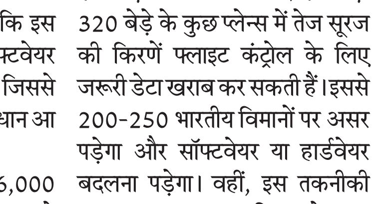
फोटोः हि.स.

एयरबस ने बताया है कि 6,000 तक एक्टिव अ-320 एयरक्राफ्ट को अपग्रेड करने की जरूरत पड़ सकती है। ऐसे में इंडिगो, एयर इंडिया और दूसरी एयरलाइनों के ऑपरेशन में दिक्कत आने की आशंका है। भारतीय विमानन कंपनियों के पास करीब 560 ए-320 सीरीज के विमान हैं और उनमें से 200-250 को सॉफ्टवेयर परिवर्तन या हार्डवेयर में बदलाव की आवश्यकता होगी। एयरबस ने चेतावनी दी है कि ए-320 बेड़े के कुछ प्लेन्स में तेज सूरज की किरणें फ्लाइट कंट्रोल के लिए जरूरी डेटा खराब कर सकती हैं। इससे 200-250 भारतीय विमानों पर असर पड़ेगा और सॉफ्टवेयर या हार्डवेयर बदलना पड़ेगा। वहीं, इस तकनीकी समस्या या मरम्मत प्रक्रिया से कुल 6,000 विमानों पर असर पड़ेगा।

एयर इंडिया ने देर रात एक्स पोस्ट पर जारी एडवाइजरी में कहा कि हमें एयरबस के एक निर्देश के बारे में पता है जो उसके अ-320 फैमिली एयरक्राफ़्ट से जुड़ा है, जो अभी सभी एयरलाइन ऑपरेटरों के लिए सर्विस में है। इससे हमारे फ्लीट के एक हिस्से में सॉफ्टवेयर/हार्डवेयर रीअलाइनमेंट होगा, जिससे टर्नअराउंड टाइम लंबा होगा और हमारे तय ऑपरेशन में देरी होगी। एयर इंडिया को खेद है कि जब तक पूरे फ़्लीट में रीसेट नहीं हो जाता, तब तक यात्रियों को इससे होने वाली किसी भी परेशानी के लिए हम माफी चाहते हैं। हम ग्राहकों से रिक्वेस्ट करते हैं कि वे एयरपोर्ट जाने से पहले https://airindia.com/in/en/manfage/flight-status.html पर अपनी फ़्लाइट का स्टेटस चेक करें और किसी भी और मदद के लिए 011-69329333, 011-69329999 पर हमारे कॉन्टैक्ट सेंटर से संपर्क करें।

मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच खेला जाएगा डब्ल्यूपीएल का पहला मैच

28 दिन तक चलेगा डब्ल्यूपीएल, खेले जाएंगे 22 मैच

नौ जनवरी को खेला जाएगा डब्ल्यूपीएल का पहला मैच

एजेंसी (हि.स.)

मुंबई

हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली गत चैंपियन मुंबई इंडियंस की टीम चौथी महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के उद्घाटन मैच में नौ जनवरी को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में 2024 की विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का सामना करेगी।

फोटोः हि.स.

डब्ल्यूपीएल का फाइनल पहली बार सप्ताहांत पर नहीं होगा। इस बार प्रतियोगिता का फाइनल गुरुवार (पांच फरवरी) को खेला जाएगा। ऐसा पुरुषों के टी20 विश्व कप से टकराव से बचने के लिए किया गया है जो उसी सप्ताह भारत और श्रीलंका में शुरू हो रहा है। टी20 विश्व कप की शुरूआत सात फरवरी (शनिवार) को कोलंबो में पाकिस्तान और नीदरलैंड के बीच मैच से होगी। इस बार डब्ल्यूपीएल 28 दिन तक चलेगा और इसमें 22 मैच खेले जाएंगे। प्रतियोगिता का आयोजन दो स्थानों पर किया जाएगा।इस महीने की शुरूआत में दक्षिण अफ्रीका पर भारत की महिला आईसीसी विश्व कप जीत का गवाह बना डीवाई पाटिल स्टेडियम शनिवार को घोषित कार्यक्रम के अनुसार पहले 11 मैचों की मेजबानी करेगा, जिसमें 10 और 17 जनवरी को होने वाले दो-दो मैच भी शामिल हैं। यहां बाकी सभी मैच शाम के सत्र में खेले जाएंगे। इसके बाद लीग वडोदरा के कोटाम्बी स्टेडियम में आयोजित की जाएगी, जहां शेष 11 मैच खेले जाएंगे।

इसमें दो फरवरी को एलिमिनेटर और पांच फरवरी को होने वाला फाइनल शामिल है। यह पहली बार है जब डब्ल्यूपीएल जनवरी-फरवरी में खेला जाएगा, क्योंकि पिछले तीन टूर्नामेंट आईपीएल से ठीक पहले फरवरी-मार्च में आयोजित किए गए थे। प्रतियोगिता के प्रारूप में कोई बदलाव नहीं किया गया है तथा पांचों टीम मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, यूपी वॉरियर्स, गुजरात जायंट्स और दिल्ली कैपिटल्स डबल राउंड-रॉबिन में एक-दूसरे के साथ दो बार खेलेंगी। लीग चरण में शीर्ष पर रहने वाली टीम सीधे फाइनल में प्रवेश करेगी जबकि दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें एलिमिनेटर में भिड़ेंगी। डब्ल्यूपीएल के समापन के दस दिन बाद भारतीय महिला टीम ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर जाएगी, जिसमें 15 फरवरी से नौ मार्च तक तीन टी-20, तीन वनडे और एक टेस्ट मैच खेला जाएगा।

डब्ल्यूपीएल चौथे सत्र का कार्यक्रम

नवी मुंबई में: ***नौ जनवरीः*** मुंबई इंडियंस बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु; ***10 जनवरीः*** यूपी वॉरियर्स बनाम गुजरात जायंट्स और मुंबई इंडियंस बनाम दिल्ली कैपिटल्स; ***11 जनवरीः*** दिल्ली कैपिटल्स बनाम गुजरात जायंट्स; ***12 जनवरीः*** रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम यूपी वॉरियर्स; ***13 जनवरीः*** मुंबई इंडियंस बनाम गुजरात जायंट्स; ***14 जनवरीः*** यूपी वॉरियर्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स; ***15 जनवरीः*** मुंबई इंडियंस बनाम यूपी वॉरियर्स; ***16 जनवरीः*** रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम गुजरात जायंट्स; ***17 जनवरीः*** यूपी वॉरियर्स बनाम मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

वडोदरा में: ***19 जनवरीः*** गुजरात जायंट्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु; ***20 जनवरीः*** दिल्ली कैपिटल्स बनाम मुंबई इंडियंस; ***22 जनवरीः*** गुजरात जायंट्स बनाम यूपी वॉरियर्स; ***24 जनवरीः*** रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम दिल्ली कैपिटल्स; ***26 जनवरीः*** रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम मुंबई इंडियंस; ***27 जनवरीः*** गुजरात जायंट्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स; ***29 जनवरीः*** यूपी वॉरियर्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु; ***30 जनवरीः*** गुजरात जायंट्स बनाम मुंबई इंडियंस; ***एक फरवरीः*** दिल्ली कैपिटल्स बनाम यूपी वॉरियर्स

एलिमिनेटरः तीन फरवरी; **फाइनलः** पांच फरवरी (दोनों वडोदरा में)।

यूईएफए महिला नेशंस लीग-फाइनल के पहले चरण में जर्मनी और स्पेन का मुकाबला ड्रॉ

मंगलवार को मैड्रिड में होगा दूसरे चरण का खिताबी मुकाबला

एजेंसी (हि.स.)

कैसरस्लॉटर्न

फोटोः हि.स.

मौजूदा विश्व चैंपियन स्पेन ने गोलकीपर काता कॉल के शानदार प्रदर्शन की बदौलत शुक्रवार को यूईएफए महिला नेशंस लीग फाइनल के पहले चरण में जर्मनी को गोलरहित ड्रॉ पर रोके रखा। अब खिताब का फैसला मंगलवार को मैड्रिड में होने वाले दूसरे चरण में होगा। मैच के दौरान जर्मनी ने गेंद पर नियंत्रण और आक्रामकता दोनों में बढ़त बनाए रखी, जबकि स्पेन ने गहरी रक्षात्मक रणनीति अपनाते हुए मैच को ड्रॉ की दिशा में मोड़ने की कोशिश की। जर्मन खिलाड़ियों ने कई मौकों पर गोल के करीब पहुंचकर भी मौका गंवा दिया।

जर्मनी की स्टार स्ट्राइकर क्लारा ब्यूहल, जिन्हें पहले हाफ में चार साफ मौके मिले, ने जेडडीएफ से कहा, हमने बेहद साहसी खेल दिखाया। गोल न कर पाने का मलाल है। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शन टीम का आत्मविश्वास बढ़ाता है और अब वे मैड्रिड में होने वाले निर्णायक मुकाबले को लेकर उत्साहित हैं। जर्मन कोच क्रिश्चियन वुक ने टीम की तारीफ करते हुए कहा कि खिलाड़ियों ने साबित किया कि वे स्पेन जैसी मजबूत टीम के खिलाफ न सिर्फ टिक सकते हैं, बल्कि अपना खेल भी खेल सकते हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि कई मौकों के बावजूद गोल न कर पाना निराशाजनक रहा। मैच से पहले जर्मनी ने स्पेन से यूरो 2025 के सेमीफाइनल में मिली हार का बदला लेने की बात कही थी, लेकिन स्पेन ने उनकी हर कोशिश को नाकाम किया। हालांकि, स्पेन की कोच सोनिया बमुर्डेज ने कहा था कि उनकी टीम ड्रॉ के लिए नहीं खेलेगी, पर मैदान पर खेल उनकी बात के उलट दिखाई दिया। पहले हाफ में फ्रांज़िस्का केट का शॉट रोकने के लिए काता कॉल ने बेहद अहम सेव किया। इसके तुरंत बाद जूल ब्रांड का प्रयास आयरीन पार्डेस ने गोल लाइन पर रोक लिया। दूसरे हाफ में स्पेन के लिए एस्तेर गोंजालेज ने 52वें मिनट में पोस्ट पर गेंद मारी, जो उनकी सबसे बड़ी कोशिश रही। वहीं 71वें मिनट में ब्यूहल का शॉट भी पोस्ट से टकरा गया। अंतिम मिनटों में जर्मनी को जीत का मौका मिला था, जब जूल ब्रांड ने गेंद स्योके नुस्केन तक पहुंचाई, लेकिन काता कॉल ने बाहर आकर खतरा टाल दिया।

सिक्सर्स ने लेफ्ट-आर्म तेज गेंदबाज लॉरेन चीटल के साथ करार दो साल बढ़ाया

एजेंसी (हि.स.)

सिडनी

सिडनी सिक्सर्स ने अपनी तेज गेंदबाजी इकाई को मजबूती देने के लिए अपनी प्रमुख लेफ्ट-आर्म क्विक लॉरेन चीटल का करार कम से कम दो और वर्षों के लिए बढ़ा दिया है। चीटल का पिछला कॉन्ट्रैक्ट मौजूदा सत्र के अंत तक था, लेकिन अब वह महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) 13 तक टीम के साथ जुड़ी रहेंगी। चीटल पिछले नौ वर्षों से सिक्सर्स का हिस्सा हैं। वह 2017 में सिडनी थंडर से इस टीम में शामिल हुई थीं, जहां उन्होंने अपने पहले दो सत्र बिताए थे।

फोटोः हि.स.

चीटल ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के हवाले से कहा, सिक्सर्स मेरे करियर का बहुत बड़ा हिस्सा रहे हैं और अगले दो सत्रों के लिए टीम के साथ बने रहने पर मुझे गर्व है। मैं टीम की क्षमता पर भरोसा करती हूं और मैजेंटा जर्सी के लिए अपना सब कुछ देने के लिए तैयार हूं। 27 वर्षीय चीटल डब्ल्यूबीबीएल में 100 विकेट के आंकड़े के करीब हैं। अब तक वे 93 मैचों में 95 विकेट ले चुकी हैं। सिक्सर्स के वर्तमान खिलाड़ियों में वह कप्तान एश्ले गार्डनर के बाद दूसरे स्थान पर हैं और टीम की सबसे सफल तेज गेंदबाज हैं। कम उम्र के बावजूद चीटल का अंतरराष्ट्रीय अनुभव काफी समृद्ध है। उन्होंने 17 साल की उम्र में 2016 में ऑस्ट्रेलिया के लिए पदार्पण किया था और उसी वर्ष टी20 विश्व कप में भी हिस्सा लिया था। वह तीनों प्रारूपों में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल चुकी हैं। इस सीजन कप्तानी में बदलाव के बीच सिक्सर्स के लिए चीटल का यह नया करार नेतृत्व के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है।

इंग्लैंड को रन चेज के लिए तैयार रहना होगा: माइकल वॉन

इंग्लैंड की गेंदबाजी गाबा की पिच के अनुकूलः वॉन

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

डे-नाइट टेस्ट मैचों में पहले बल्लेबाजी करना जीत का हाईवे माना जाता है, लेकिन इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन का कहना है कि ऐशेज को 1-1 से बराबर करने का सबसे अच्छा मौका इंग्लैंड को तभी मिलेगा जब वे गाबा में टारगेट का पीछा करें। वॉन का यह विचार इंग्लैंड की मौजूदा रणनीति और पिछले सफल परिणामों से मेल खाता है।

फोटोः हि.स.

ब्रेंडन मैकुलम के मई 2022 में कोच बनने के बाद से इंग्लैंड दो बार 350+ का लक्ष्य (373 और 378 बनाम भारत) सफलतापूर्वक चेज कर चुका है—ये इंग्लैंड के इतिहास की दो सबसे बड़ी सफल रन चेज हैं। हाल ही में इंग्लैंड 374 का पीछा करते हुए भारत से छह रन से हारा था। इसके अलावा टीम दो बार 290+ के लक्ष्य भी हासिल कर चुकी है। वॉन ने ऑस्ट्रेलियन एसोसिएटेड प्रेस से बातचीत में कहा, अगर इंग्लैंड को गाबा में जीतना है तो वे अपना आक्रामक खेल ही खेलेंगे। मजे की बात यह है कि इंग्लैंड के लिए सबसे अच्छा मौका तभी होगा जब वे टॉस हारकर लक्ष्य का पीछा करें। यह बल्लेबाजी यूनिट किसी टारगेट को देखते हुए ज्यादा बेहतर खेलती है। पहले बल्लेबाजी में वे अक्सर कंफ्यूज हो जाते हैं। दुनिया में खेले गए 45 डे-नाइट टेस्ट में से 27 बार पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती है। इंग्लैंड ने मैकुलम के कार्यकाल में 16 बार टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी है और केवल 7 बार पहले बल्लेबाजी की है। डे-नाइट फॉर्मेट में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी कर जीत हासिल करने वाली अकेली टीम न्यूजीलैंड है, जिसने 2018 में ऑकलैंड टेस्ट में इंग्लैंड को हराया था। वॉन का मानना है कि गाबा में टॉस जीतकर गेंदबाजी करना बेहद जोखिम भरा कदम होगा।

उन्होंने कहा, डे-नाइट मैच में टॉस जीतकर बैटिंग करना ही सुरक्षित विकल्प है। यह दिन की रोशनी में बल्लेबाजी की गारंटी देता है। अगर आप अच्छा खेलते हैं तो दूसरी सुबह तक बल्लेबाजी चलती है और फिर ट्वाइलाइट में गेंदबाजी का मौका मिलता है। वॉन ने कहा कि इंग्लैंड के पास वह तेज गेंदबाजी आक्रमण है जो ऑस्ट्रेलिया की परिस्थितियों में बेहद घातक साबित हो सकता है। जॉफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, मार्क वुड, ब्राइडन कार्स और बेन स्टोक्स की पांच तेज गेंदबाजों वाली आक्रमक लाइन-अप ने पहले टेस्ट की पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया को बुरी तरह झकझोरा था। उन्होंने कहा, यह इंग्लैंड की वह टीम है जिसके पास ऑस्ट्रेलिया में सफल होने का सबसे अच्छा टूलसेट है। अब इतनी जरूरत नहीं है कि आपके पास विश्वस्तरीय स्पिनर हो—ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर अब भीमातर सीमर्स के लिए काफी मदद होती है।

मिडिल ऑर्डर इंग्लैंड की सबसे बड़ी ताकत

वॉन के अनुसार इंग्लैंड के पास नंबर 4 से 7 तक का सबसे मजबूत बैटिंग ग्रुप है—जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स और जेमी स्मिथ। उन्होंने कहा, ये चार शायद इंग्लैंड के इतिहास के सबसे बेहतरीन मिडिल ऑर्डर का हिस्सा हो सकते हैं। बस उन्हें स्मार्ट खेलना होगा। इंग्लैंड का आक्रामक तरीका जीत दिला सकता है, लेकिन इसके साथ जोखिम भी जुड़े हैं। अगर वे थोड़ा समझदारी से खेलें तो टीम सीरीज में वापसी कर सकती है। बता दें कि इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच एशेज सीरीज का दूसरा टेस्ट 4 से 8 दिसंबर तक ब्रिस्बेन के गाबा में खेला जाएगा, जो डे नाइट टेस्ट होगा।

प्रीमियर लीग 2025-26ः आर्सेनल के खिलाफ मुकाबले से पहले कोल पामर की चेल्सी में वापसी

एजेंसी (हि.स.)

लंदन

चेल्सी के स्टार फॉरवर्ड कोल पामर इस सप्ताहांत आर्सेनल के खिलाफ होने वाले प्रीमियर लीग के शीर्ष मुकाबले में वापसी के लिए पूरी तरह फिट हैं। मैनेजर एंजो मारेस्का ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। पामर 20 सितंबर से टीम से बाहर थे—पहले ग्रोइन इंजरी के कारण और फिर पैर की अंगुली फ्रैक्चर होने की वजह से। लगभग दो महीने बाद उनकी टीम में वापसी चेल्सी के लिए बड़ी राहत मानी जा रही है।

फोटोः हि.स.

मारेस्का ने प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हर कोई खुश है, उनके साथी खिलाड़ी खुश हैं। सबसे जरूरी बात यह है कि कोल खुद खुश हैं, क्योंकि फुटबॉल खिलाड़ी अंत में मैदान पर उतरना ही चाहते हैं। पिछले सीजन में पामर चेल्सी के टॉप स्कोरर थे, जिन्होंने प्रीमियर लीग में 15 गोल दागे थे। इस सीजन में वे अब तक सभी प्रतियोगिताओं में केवल चार मैच खेल पाए हैं और दो गोल किए हैं। मारेस्का ने आगे कहा, वह शायद हमारे सबसे बेहतरीन खिलाड़ी हैं। उनकी वापसी से हम बेहद खुश हैं। अब जरूरत है उन्हें धीरे-धीरे 100% फिटनेस तक लाने की। उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया है और हमें पूरा भरोसा है कि भविष्य में भी क्लब के लिए बेहतरीन खेल दिखाएंगे। वर्तमान में चेल्सी प्रीमियर लीग तालिका में दूसरे स्थान पर है, आर्सेनल से छह अंक पीछे। आर्सेनल बनाम चेल्सी का यह मुकाबला स्टैमफोर्ड ब्रिज में रविवार को खेला जाएगा।

खुद से बात करने की आदत को मत कीजिए नजरअंदाज

अकेले में खुद से बातें करना एक ऐसा व्यवहार है जिसे समाज में अक्सर अजीब या यहां तक कि पागलपन का संकेत माना जाता है। मगर मनोवैज्ञानिकों के अनुसार यह आदत पागलपन नहीं, बल्कि एक सामान्य और प्रभावी मानसिक क्रिया है, जो कई मायनों में हमारी स्मार्टनेस और समस्या-समाधान के क्षमता को बढ़ाती है। इसे अक्सर सेल्फ-टॉक या इनर स्पीच कहा जाता है। जब हम खुद से बात करते हैं तो हम अपने विचारों को व्यवस्थित कर रहे होते हैं, समस्याओं को कई दृष्टिकोणों से देख रहे होते हैं, और अपने अगले कदम की योजना बना रहे होते हैं। यह क्रिया मस्तिष्क को उस जानकारी को तेजी से संसाधित करने में मदद करती है जो हमारे दिमाग के अंदर बिखरी हुई होती है। यह बच्चों में संज्ञानात्मक विकास का भी एक नेचुरल हिस्सा है। इसलिए यह आदत अक्सर अधिक एकाग्रता और आंतरिक मार्गदर्शन का संकेत होती है।

समस्या-समाधान में सहायक

मनोविज्ञान के अनुसार खुद से बातें करना एकाग्रता बढ़ाने का एक अच्छा तरीका है। जब आप किसी जटिल काम के दौरान खुद से निर्देश देते हैं, जैसे 'पहले यह करो, फिर वह', तो यह आपके दिमाग को ट्रैक पर रखता है और ध्यान भटकने से रोकता है। यह प्रॉब्लम सॉल्विंग क्वालिटी को भी बढ़ाता है क्योंकि जब आप खुद से बात करते हैं तो तब आप अपनी समस्या को अच्छे से सुनकर उसे अधिक तार्किक तरीके से तोड़ते हैं और अलग-अलग समाधानों का मूल्यांकन करते हैं।

विचारों को स्पष्टता देना

सेल्फ-टॉक हमारे अव्यवस्थित विचारों को स्पष्टता देने का काम करता है। हमारे दिमाग में जो विचार तेजी से आते-जाते रहते हैं, उन्हें जोर से बोलने पर वे व्यवस्थित रूप ले लेते हैं। यह आपको अपनी भावनाओं को समझने और खुद के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ने में मदद करता है। यह एक प्रकार का आंतरिक पूर्वाभ्यास है जो आपको किसी बड़ी बातचीत या प्रस्तुति के लिए तैयार करता है।

तनाव और भावनाओं का प्रबंधन

खुद से बात करना तनाव और भावनाओं को प्रबंधित करने का एक नेचुरल तरीका है। कठिन परिस्थितियों में खुद को सकारात्मक शब्द (जैसे, 'तुम कर सकते हो,' या 'शांत हो जाओ') बोलना आत्मविश्वास को बढ़ाता है और चिंता को कम करता है। इसे सकारात्मक सेल्फ-टॉक कहा जाता है, जो कोर्टिसोल (तनाव हार्मोन) के स्तर को कम करके मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है।

कब हो सकता है यह चिंता का विषय?

खुद से बात करना सामान्य है, लेकिन यह तब चिंता का विषय बन सकता है जब व्यक्ति हकीकत से कटकर बातें करे, या वह ऐसी आवाजें सुने जो वास्तव में वहां मौजूद न हों। अगर आप खुद से बात करते समय सामाजिक रूप से पीछे हटने लगे हैं, या यह आपकी दिनचर्या में बाधा डाल रहा है, तो किसी मनोवैज्ञानिक से सलाह लेना उचित है।

खुद से बात करने से होते हैं ये फायदे

♦ जब आप खुद से बात करते हैं तो बाकि लोगों के मुकाबले आप मेंटली ज्यादा स्ट्रांग होते हैं। इसका फल आपको तब मिलता है जब आप किसी मुश्किल परिस्थिति में फंसते हैं, इस वक्त आपके साथ सिर्फ आपका अकेलापन ही होता है। ♦ रोज की समस्याओं से आप आसानी से निपट पाते हैं। ♦ जब भी आप किसी बात को लेकर परेशान या चिंतित होते हैं तो इस समय सबसे अच्छा ये है कि आप खुद से बात करें। ये आदत आपको खुद के डर से लड़ने में मदद करेगा। ♦ खुद से बात करने की आदत से आप अन्य लोगों के मुकाबले ज्यादा मजबूती से फैसले ले पाएंगे। इस तरह से आपको अकेलेपन का डर भी नहीं सताएगा। ♦ ये आदत कहीं से बुरी नहीं है लेकिन अगर आप किसी के साथ हैं उस वक्त भी खुद से बात करने में लगे हैं तो एक बार आप किसी मानसिक रोग विशेषज्ञ से चेक अप जरूर करवा लें।

छींकते समय नाक से खून आना हो सकता है बीमारी का संकेत

छींकते समय नाक से खून आना एक ऐसा अनुभव है जो अक्सर लोगों को डरा देता है। आमतौर पर अधिकतर मामलों में यह किसी गंभीर बीमारी का नहीं, बल्कि नाक के अंदर की रक्त वाहिकाओं के टूटने का संकेत होता है। दरअसल, हमारी नाक के अंदर की परत बहुत नाजुक होती है, और छींकने की प्रक्रिया के दौरान जो तेज दबाव बनता है, वह इन छोटी वाहिकाओं को प्रभावित कर सकता है। एक स्टडी के मुताबिक ठंडी और सूखी हवा नाक की परत को रूखा और संवेदनशील बना देती है, जिससे वह आसानी से फट सकती है। इसके अलावा एलर्जी, सर्दी-जुकाम या साइनस संक्रमण के कारण नाक के अंदर होने वाली सूजन भी इस जोखिम को बढ़ाती है। यह स्थिति सर्दियों में और भी आम हो जाती है। ऐसे में यह समझना जरूरी है कि कब यह एक मामूली सी समस्या है और कब यह हाई बीपी या किसी गंभीर अंतर्निहित बीमारी का संकेत हो सकता है। साथ ही ये भी जानेंगे कि कब आपको तुरंत डॉक्टर से परामर्श लेना जरूरी है।

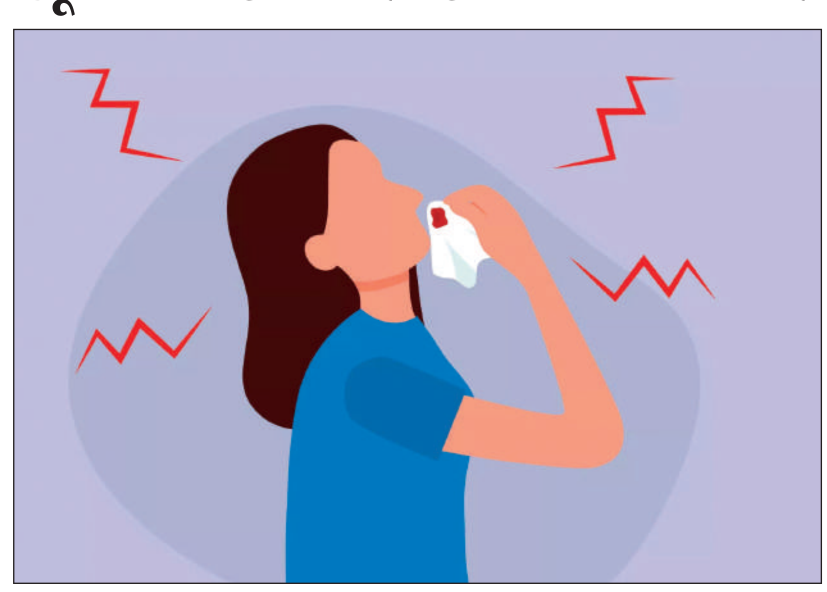

रूखी हवा और एलर्जी का प्रभाव

सर्दियों में रूखी हवा नाक की म्यूकोसा को सूखा देती है, जिससे वह परत आसानी से टूट सकती है। जब आप जोर से छींकते हैं, तो हवा का दबाव खून निकालने के लिए पर्याप्त होता है। एलर्जी या सर्दी-जुकाम के दौरान नाक में सूजन या बार-बार छीकने की आदत भी इन वाहिकाओं को कमजोर करती है, जिससे खून आने की समस्या बढ़ जाती है। इसके अलावा बार-बार नाक रगड़ने की आदत से भी नाक में खून आने की आशंका बढ़ जाती है।

हाई बीपी और दवाओं का असर

छींकते समय नाक से आने वाला खून कभी-कभी अनियंत्रित हाई बीपी का संकेत हो सकता है। हाई बीपी से रक्त वाहिकाओं पर अंदर से दबाव बढ़ता है, जिससे वे आसानी से टूट जाती हैं। इसके अलावा जो लोग खून को पतला करने वाली दवाएं लेते हैं, उनमें भी छींकने या नाक साफ करने पर खून आने की संभावना अधिक होती है।

संक्रमण की समस्या

अगर आपके नाक से खून आने के साथ-साथ चेहरे पर दर्द, गाढ़ा पीला या हरा स्राव, या लगातार सिरदर्द है, तो यह साइनस संक्रमण का संकेत हो सकता है। संक्रमण के कारण नाक के रास्ते में सूजन और जलन बढ़ जाती है, जिससे रक्त वाहिकाएं संवेदनशील हो जाती हैं।

बचाव और डॉक्टर से संपर्क

इस समस्या से बचने के लिए सबसे जरूरी है कि नाक को नम रखें और जरूरत पड़ने पर नेजल सलाइन स्प्रे का उपयोग करें। हवा में नमी बनाए रखने के लिए ह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल करें। अगर खून जल्दी नहीं रुकता है, बार-बार आता है, या आपको चक्कर आना या तेज सिरदर्द महसूस होता है, तो यह गंभीर हो सकता है, ऐसी स्तिति में आपको तुरंत डॉक्टर से परामर्श लेनी चाहिए।

कम ही लोगों को मालूम होंगे कंबल ओढ़कर सोने के फायदे

सोना हर किसी के लिए एक जीवन के सबसे आरामदायक क्रिया में से एक है। अक्सर आपने देखा होगा कि ठंड के दिनों में लोग कंबल ओढ़कर सोते हैं। अब कंबल ओढ़कर सोने का एक बड़ा फायदा तो सभी को मालूम है कि ये हमें ठंड से बचाए रखती है। मगर इसके अलावा भी कंबल ओढ़कर सोने के कई स्वास्थ्य लाभ है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को मालूम है। विशेषज्ञों के मुताबिक यह आपके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक मजबूत थेरेपी है। जब हम कंबल ओढ़कर सोते हैं तो शरीर में रात के समय डीप प्रेशर स्टिमुलेशन होता है। यह हल्का दबाव और गर्माहट हमारे तंत्रिका तंत्र को शांत रखती है, जिससे यह महसूस होता है जैसे हमें किसी ने सुरक्षित रूप से गले लगाया हो। यह प्राकृतिक आलिंगन हमारे ब्रेन में मेलाटोनिन नींद लाने वाले हार्मोन के उत्पादन को बढ़ाता है। इससे हमारी नींद गहरी और गुणवत्तापूर्ण बनती है। दिलचस्प बात यह है कि जो लोग गर्मी के दिनों में भी चादर ओढ़कर सोते हैं, उनका दिमाग दूसरों की तुलना में अधिक शांत और स्वस्थ रहता है। इसलिए आइए इस लेख में कंबल ओढ़कर सोने के कुछ जबरदस्त फायदे के बारे में जानते हैं जिसके बारे मे आपको जरूर जानना चाहिए।

तनाव और चिंता को कम करता है

कंबल का हल्का दबाव और गर्माहट शरीर में कोर्टिसोल, यानी तनाव हार्मोन, के लेवल को कम करता है। डीप प्रेशर स्टिमुलेशन से दिमाग में सेरोटोनिन का लेवल तेजी से बढ़ता है। सेरोटोनिन 'फील गुड हार्मोन' है, जो आपको शांत महसूस कराता है। यह तंत्रिका तंत्र को तुरंत आराम दिलाकर चिंता और घबराहट को दूर करता है।

नींद की गुणवत्ता ठीक करता है

कंबल की गर्माहट और उसका दबाव रात में आपके शरीर की हलचल को कम करता है। यह आपके ब्रेन में मेलाटोनिन के उत्पादन को बढ़ावा देता है। मेलाटोनिन बढ़ने से आपका स्लिप साइकल स्थिर रहता है, जिससे आप आराम से गहरी नींद में सोते हैं।

बेचैनी और रेस्टलेस लेग्स में राहत

यह फायदा बहुत काम का है। कई लोगों को रात में रेस्टलेस लेग्स सिंड्रोम या सोने से पहले अंगों में बेचैनी महसूस होती है। कंबल का लगातार ओढ़े रहने शरीर की उष्मा उसमें बंधी रहती है, जिससे मांसपेशियों को आराम मिलता है और हाथ पैरों की गतिविधि कम होती है। यह बेचैनी दूर करता है और नींद में बाधा कम करता है।

ब्लड प्रेशर और हृदय स्वास्थ्य

कंबल ओढ़ने से शरीर को जो आराम मिलता है, वह आपके आराम और पाचन प्रणाली को सक्रिय करता है। इससे हृदय गति और रक्तचाप दोनों शांत और स्थिर हो जाते हैं। यह न केवल अच्छी नींद लाता है, बल्कि लंबे समय में हृदय स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद माना जाता है।

गीता का ज्ञान आज भी जीवन का प्रकाश स्तंभ: शक्ति रानी शर्मा

कालका विधायक ने किया गीता जयंती महोत्सव का शुभारंभ कहा सत्य और कर्तव्य ही जीवन को सार्थक बनाते हैं

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

कालका की विधायक श्रीमती शक्ति रानी शर्मा ने कहा कि आज के समय में, जब तनाव, प्रतिस्पर्धा और अनिश्चितता बढ़ रही है, गीता का ज्ञान हमारे लिए मार्गदर्शक प्रकाश स्तंभ की तरह है। गीता महोत्सव नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और मूल्यों से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण पर्व है। विधायक श्रीमती शक्ति रानी शर्मा राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय, सेक्टर-14 में आयोजित तीन दिवसीय गीता जयंती महोत्सव का उद्घाटन करने उपरांत मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रही थीं। उन्होंने परंपरागत दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि जीवन में हम सभी अर्जुन की भांति कभी न कभी दुविधा, कठिनाइयों और चुनौतियों का सामना करते हैं, लेकिन भगवान श्री कृष्ण का संदेश हमें यह स्मरण कराता है कि जिसका मन अडिग रहता है, विजय उसी की होती है।

श्रीमती शक्ति रानी शर्मा ने कहा कि इस महोत्सव के अंतर्गत आयोजित होने वाले श्लोक वाचन, प्रश्नोत्तरी, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और विचार सत्र युवाओं में भारतीय संस्कृति की जड़ों को और अधिक मजबूत करेंगे। यह कार्यक्रम केवल उत्सव नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण की एक यात्रा है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों को उत्साहपूर्वक भाग लेने के लिए बधाई दी। विधायक ने कहा कि गीता हमें सिखाती है कि सत्य का मार्ग कठिन हो सकता है, परंतु वही सही होता है। कर्तव्य कभी-कभी कठोर लग सकता है, किन्तु वही जीवन को सार्थक बनाता है। जब विचार पवित्र हों, तो कर्म भी पवित्र होते हैं। उन्होंने कहा कि यदि हर नागरिक गीता का केवल एक संदेश भी जीवन में उतार ले, तो समाज में भाईचारा, सामंजस्य और सकारात्मकता अपने-आप बढ़ जाएगी। इस अवसर पर राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर-26 के विद्यार्थियों ने भजन और समूह नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी। कलाकार श्री विंदु ने भगवान श्री कृष्ण पर आधारित भजन प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर-15 के विद्यार्थियों की प्रस्तुति को भी खूब वाहवाही बटोरी। कार्यक्रम से पूर्व विधायक श्रीमती शक्ति रानी शर्मा ने महाविद्यालय परिसर में आयुष, हरियाणा ग्रामीण आजीविका मिशन, रेडक्रॉस सोसायटी तथा अन्य विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग द्वारा भगवान श्री कृष्ण के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी में गहरी रुचि दिखाई।

कार्यक्रम के अंत में एसडीएम श्री चंद्रकांत कटारिया ने विधायक श्रीमती शक्ति रानी शर्मा को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती संध्या मलिक, महाविद्यालय की प्रिंसिपल श्रीमती खुशिला, स्टाफ, विद्यार्थी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित।

गीता चौक, सेक्टर-6 में हवन-यज्ञ के साथ गीता जयंती महोत्सव की शुरूआत

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

- कुरुक्षेत्र से दिया गया भगवान श्री कृष्ण का दिव्य गीता संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक : रेखा शर्मा
- पंचकूला तेजी से धर्म नगरी के रूप में उभर रहा है: ज्ञानचंद गुप्ता

तीन दिवसीय गीता जयंती महोत्सव 2025 का शुभारम्भ आज सेक्टर-6 स्थित गीता चौक पर हवन-यज्ञ के साथ हुआ। हवन में राज्यसभा सांसद श्रीमती रेखा शर्मा, हरियाणा विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद गुप्ता, एसडीएम श्री चंद्रकांत कटारिया सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने आहुति डाली। सांसद श्रीमती रेखा शर्मा ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण ने कुरुक्षेत्र की पावन धरती से गीता का जो दिव्य संदेश दिया था, वह आज भी उतना ही प्रासंगिक है और मानव जाति के कल्याण का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। उन्होंने जिलावासियों से गीता के उपदेशों को जीवन में आत्मसात करने का आान किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में गीता का संदेश न केवल देश में बल्कि पूरे विश्व में व्यापक रूप से प्रसारित हुआ है। श्रीमती शर्मा ने युवाओं से धर्म का मार्ग अपनाने और नशे से दूर रहने का आग्रह किया। राज्यसभा सांसद ने हवन के आयोजन के लिए जिला प्रशासन और श्री कृष्ण कृपा परिवार की सराहना की।

उन्होंने कहा कि पंचकूलावासियों की धार्मिक आस्था सराहनीय है और वे धार्मिक व सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। इससे पहले अपने संबोधन में हरियाणा विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद गुप्ता ने कहा कि वर्तमान सरकार ने गीता जयंती को विराट स्वरूप दिया है, जिसके कारण आज यह उत्सव जिला, राज्य और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धूमधाम से मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की पावन भूमि से दिया गया भगवान श्री कृष्ण का संदेश आज पूरे विश्व का मार्गदर्शन कर रहा है।

उन्होंने लोगों से आान किया कि वे गीता के संदेशों को जीवन में अपनाकर अपना जीवन सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि पंचकूला तेजी से धर्म नगरी के रूप में उभर रहा है, जहां समय-समय पर अनेक धार्मिक आयोजन होते रहते हैं।

प्रो. विवेक लाल, डायरेक्टर पीजीआईएमईआर ने 11 अधिकारियों अधिकारियों को उनके रिटायरमेंट पर सम्मानित किया

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

प्रो. विवेक लाल, (डायरेक्टर) पीजीआईएमईआर ने 11 अधिकारियों/अधिकारियों को उनके रिटायरमेंट पर स्पीच देकर और मोमेंटो देकर सम्मानित किया; प्रो. विपिन कौशल, मेडिकल सुपरिटेंडेंट, लेफ्टिनेंट कर्नल जी. एस. भट्टी, सुपरिंटेंडिंग हॉस्पिटल इंजीनियर; प्रो. इंदु वर्मा, हेड, डिपार्टमेंट ऑफ बायोकेमिस्ट्री; प्रो. रीना दास, हेड, डिपार्टमेंट ऑफ हीमेटोलॉजी; प्रो. मंदीप कांग, डिपार्टमेंट ऑफ रेडियोडायग्नोसिस एंड इमेजिंग; प्रो. उषा सिंह, एडवांस्ड आई सेंटर; डॉ. पंकज अनेजा, असिस्टेंट डायरेक्टर (ऑफिशियल लैंग्वेज); डॉ. प्रदीप सरकार, चीफ फिजियोथेरेपिस्ट; श्रीमती जसपाल कौर, चीफ नर्सिंग ऑफिसर; श्री रवि दत्त शर्मा, सीनियर सैनिटेशन ऑफिसर भी इस मौके पर मौजूद थे। प्रो. थुंगापात्रा एम., बायोकेमिस्ट्री डिपार्टमेंट; श्रीमती हरजीत कौर, असिस्टेंट नर्सिंग सुपरिटेंडेंट; श्रीमती लखविंदर कौर सेखों, असिस्टेंट नर्सिंग सुपरिटेंडेंट; श्रीमती सुधा गुप्ता, मेडिकल सोशल वेलफेयर ऑफिसर, कार्डियोलॉजी डिपार्टमेंट; श्री रविंदर कुमार सैनी, डिविजनल अकाउंटेंट, इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट; श्री शिव कुमार, हिंदी ट्रांसलेटर, हिंदी सेक्शन; श्री अशोक कुमार शर्मा, सीनियर टेक्नीशियन, रेडियोडायग्नोसिस और इमेजिंग डिपार्टमेंट; श्री ओंकारनाथ चौधरी, ऑर्थोटिक्स और प्रोस्थेटिक्स टेक्नीशियन, फिजिकल और रिहैबिलिटेशन मेड डिपार्टमेंट; श्री बिशन गिरी, हॉस्पिटल अटेंडेंट, एडवांस्ड आई सेंटर; श्री त्रिलोक नाथ, हॉस्पिटल अटेंडेंट, हेमेटोलॉजी डिपार्टमेंट; श्री मेहर सिंह, ट.ळ.र. (सैनिटेशन), सैनिटेशन डिपार्टमेंट के 27 स्टूडेंट्स पीजीआई से रिटायर हुए, जिन्होंने अपनी ज़िंदगी के 22 से 37 साल पीजीआई को दिए।

हरजोत सिंह बैंस ने सीस संस्कार दिवस के मौके पर गुरुद्वारा सीस गंज साहिब में मत्था टेका

सिटी दर्पण संवाददाता
श्री आनंदपुर साहिब

पंजाब के शिक्षा और सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के कैबिनेट मंत्री श्री हरजोत सिंह बैंस ने आज गुरुद्वारा सीस गंज साहिब, श्री आनंदपुर साहिब में नौवें गुरु, धन धन श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी की शहादत को श्रद्धांजलि दी। कैबिनेट मंत्री सीस संस्कार दिवस के शुभ अवसर पर विशाल सीस मार्ग नगर कीर्तन में शामिल हुए और श्रद्धालुओं के साथ श्रद्धा के साथ भाग लिया। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी की शहादत इंसानियत के लिए एक अनोखी शहादत है, जिसकी मिसाल पूरी दुनिया में नहीं मिलती। गुरु साहिब ने हिंद दी चादर के सम्मान के साथ धर्म, न्याय और मानवाधिकारों की रक्षा के लिए अपना सीस कुर्बान कर दिया। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि भाई सती दास जी, भाई मती दास जी और भाई दयाला जी की शहादत भी सिख इतिहास का वह सुनहरा अध्याय है, जो दुनिया को सच्चाई और धर्म का संदेश देता है। सीस ससकार दिवस के बारे में कैबिनेट मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि करीब 350 साल पहले नौवें गुरु, श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के पवित्र सीस का संस्कार गुरुद्वारा सीस गंज साहिब में किया गया था। यह वह जगह है जहां से सिख समुदाय ने शहादत और बलिदान की परंपराओं को बड़ी कुशलता से आगे बढ़ाया। कैबिनेट मंत्री ने भाई जैता जी की महान भूमिका को याद करते हुए कहा कि वे गुरु साहिब का पवित्र शीश दिल्ली से कीरतपुर साहिब लाए थे। वहां से श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज अपने परिवार और अनुयायियों के साथ गुरु साहिब के पवित्र शीश को एक सुंदर बीवन में सजाकर श्री आनंदपुर साहिब लाए, जहां पवित्र शीश का अंतिम संस्कार किया गया। नगर कीर्तन के दौरान हजारों श्रद्धालुओं ने श्रद्धा के साथ गुरु साहिब की शिक्षाओं को याद किया और पूरे समाज में शांति, भाईचारे और सच्चाई की जीत का संदेश फैलाया।

संक्षिप्त-समाचार

इफ्फी 2025: 56वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव का समापन समारोह

चंडीगढ़। 56वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (इफ्फी) 2025 के समापन समारोह के रेड कार्पेट पर कई गणमान्य व्यक्तियों, सिनेमाई दिग्गजों और लोकप्रिय फिल्मी हस्तियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। इस कार्यक्रम में गोवा के मुख्यमंत्री, श्री प्रमोद सावंत, सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री, श्री एल. मुरुगन और सूचना एवं प्रसारण सचिव , श्री संजय जाजू (अपनी पत्नी के साथ) उपस्थित रहे। रेड कार्पेट की शोभा सिनेमाई दिग्गजों ने भी बढ़ाई, जिनमें महान अभिनेता श्री रजनीकांत, रणवीर सिंह, ऋषभ शेट्टी, नवाजुद्दीन सिद्दीकी, टोविनो थॉमस (अपनी पत्नी लिडिया के साथ), विनीत सिंह और अंतर्राष्ट्रीय स्टार कैथरीना शुट्लर तथा राकेश ओमप्रकाश मेहरा शामिल थे। नौ दिनों तक चले सिनेमा के इस शानदार सफर के समापन वाली, फैशन, मुस्कुराहटों और अंतिम पलों की कुछ यादगार तस्वीरों को यहां देखें!

ईसीआई ने ईसीनेट डिजिटल प्लेटफॉर्म को अधिक उपयोगकर्ता-अनुकूल बनाने के लिए सुझाव आमंत्रित किए

चंडीगढ़। भारत निर्वाचन आयोग ने सभी नागरिकों से आग्रह किया है कि वे ईसीनेट ऐप डाउनलोड करें और ऐप में उपलब्ध टैब के माध्यम से अपने सुझाव भेजें। सुझाव भेजने की अवधि 27 नवंबर 2025 से 27 दिसंबर 2025 तक निर्धारित की गई है। ईसीनेट ऐप का ट्रायल वर्जन बिहार विधानसभा चुनाव 2025 और हाल ही में हुए उप-चुनावों के दौरान सफलतापूर्वक उपयोग में लाया गया। इस नए प्लेटफॉर्म ने बेहतर मतदाता सेवाएँ उपलब्ध कराईं, मतदान प्रतिशत रुझानों की त्वरित उपलब्धता सुनिश्चित की, तथा मतदान समाप्त होने के 72 घंटों के भीतर इंडेक्स कार्ड्स प्रकाशित करने में सक्षम बनाया–जिसमें पहले कई सप्ताह या महीनों का समय लगता था। बिहार चुनावों से मिले अनुभवों और ऑब्जर्वर्स व फील्ड अधिकारियों की प्रतिक्रियाओं को शामिल करते हुए प्लेटफॉर्म को और बेहतर बनाया जा रहा है। प्राप्त उपयोगकर्ता सुझावों का परीक्षण कर ऐप में आवश्यक सुधार किए जाएंगे। ईसीनेट प्लेटफॉर्म का आधिकारिक शुभारंभ जनवरी 2026 में प्रस्तावित है। मतदाता सुविधाओं में वृद्धि और निर्वाचन प्रक्रियाओं में पारदर्शिता को प्रौद्योगिकी के माध्यम से सुदृढ़ करने के उद्देश्य से ईसीनेट ऐप को मुख्य चुनाव आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार तथा चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के नेतृत्व में विकसित किया जा रहा है। इस ऐप के विकास कार्य की शुरूआत 4 मई 2025 को इसकी घोषणा के बाद हुई।

श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस पर पंजाब सरकार ने टीबी स्क्रीनिंग अभियान चलाकर करीब 1500 एक्स-रे करवाए

श्री आनंदपुर साहिब। पंजाब सरकार और स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के दौरान श्री आनंदपुर साहिब में लोगों को उच्च गुणवत्ता वाली और मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए विशेष प्रयास कर रहे हैं। इसी कड़ी में, सिविल सर्जन डॉ. सुखविंदरजीत सिंह जी के नेतृत्व में, टीबी मुक्त भारत अभियान को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत 19 नवंबर, 2025 से 29 नवंबर, 2025 तक एक विशेष हैंडहेल्ड एक्स-रे स्क्रीनिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत, 05 हैंडहेल्ड एक्स-रे मशीनें तैनात की गईं और अतिसंवेदनशील आबादी की स्क्रीनिंग की गई। स्टेट टीबी प्रोग्राम ऑफिसर पंजाब, सिविल सर्जन डॉ. सुखविंदरजीत सिंह, जिला तपदिक ऑफिसर डॉ. रूहप्रीत कौर संधू और डॉ. डोरिया बग्गा के निर्देशों के अनुसार, सिविल हॉस्पिटल श्री आनंदपुर साहिब में 2, चंडेसर टेंट सिटी में 1, कीरतपुर साहिब में 1 और विधानसभा भवन में 1 एक्स-रे सेंटर बनाए गए, जहाँ रेडियोग्राफर, सी एच ओ, ए एन एम और टी बी स्टाफ तैनात किया गया। 19 से 29 नवंबर 2025 तक, लगभग 1500 एक्स-रे किए गए और संदिग्ध मरीजों के सैंपल पास के हेल्थ सेंटरों में भेजे गए ताकि आगे के टेस्ट और समय पर इलाज पक्का किया जा सके। इस मौके पर सिविल सर्जन डॉ. सुखविंदरजीत सिंह ने कहा कि पंजाब सरकार की तरफ से कम्युनिटी हेल्थ की सुरक्षा और टीबी को खत्म करने के लिए किए जा रहे प्रयास बहुत जरूरी हैं। शहीदी समारोह के दौरान की गई यह स्क्रीनिंग टीबी की जल्द पहचान और इलाज के लिए बहुत असरदार कदम है। उन्होंने कहा कि हम टीबी-फ्री पंजाब की तरफ पक्के इरादे के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

350वीं शहीदी शताब्दी के मौके पर हेल्थ अवेयरनेस एग्जीबिशन लगाई गई

आनंदपुर साहिब। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह की अगुवाई वाली पंजाब सरकार के आदेशों के अनुसार, श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के दौरान स्वास्थ्य जागरूकता फैलाने और स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं के बारे में जानकारी देने के लिए श्री आनंदपुर साहिब में लगाई गई प्रदर्शनी आज पूरी हो गई। सिविल सर्जन रूपनगर डॉ. सुखविंदरजीत सिंह ने बताया कि शहीदी समारोह को लोगों को ध्यान में रखकर और जानकारी देने वाला बनाने के लिए हेल्थ डिपार्टमेंट रूपनगर के मास मीडिया और एजुकेशन विंग की तरफ से भाई जैता जी सिविल हॉस्पिटल में 19 नवंबर से लगाई गई प्रदर्शनी आज सफलतापूर्वक पूरी हो गई। सिविल सर्जन ने बताया कि इसके अलावा, 23 से 25 नवंबर तक पंज प्यारा पार्क में तीन दिन की खास हेल्थ अवेयरनेस प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें टूरिस्ट, खासकर नर्सिंग स्टूडेंट्स को फ्री हेल्थ एजुकेशन मटीरियल भी बांटा गया। डॉ. सुखविंदरजीत सिंह ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के शहीदी समारोह के दौरान लगाई गई हेल्थ अवेयरनेस प्रदर्शनी पंजाब सरकार की हेल्थ सुधार और पब्लिक अवेयरनेस कोशिशों को और मजबूत करने में ज्यादा कामयाब रही। इसके जरिए गुरु नगरी श्री आनंदपुर साहिब पहुंचे श्रद्धालुओं को बीमारियों से बचने और हेल्दी लाइफ जीने के लिए मोटिवेट किया गया।

पीजीआई के डॉ. अर्पित गुप्ता को मिला आईएपीएचडी सिल्वर जुबली एंडोमेंट अवॉर्ड 2025

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ के ओरल हेल्थ साइंसेज सेंटर के अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. अर्पित गुप्ता को पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री के क्षेत्र में उत्कृष्ट अनुसंधान और शैक्षणिक नेतृत्व के लिए मनी भाग्यलक्ष्मी आईएपीएचडी सिल्वर जुबली एंडोमेंट अवॉर्डझ2025 से सम्मानित किया गया है। यह राष्ट्रीय अवार्ड भारत भर में सबसे अधिक शोध योगदान देने वाले पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री फैकल्टी सदस्य को दिया जाता है। डॉ. गुप्ता को यह सम्मान मैंगलुरु में आयोजित इंडियन एसोसिएशन ऑफ पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री (आईएपीएचडी) के 29वें राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रदान किया गया।

अवॉर्ड डॉ. गुप्ता के उत्कृष्ट शोध कार्य पर आधारित है, जिनमें शामिल हैं–राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय जर्नलों में उच्च गुणवत्ता वाले शोध प्रकाशन, मजबूत एच-इनडेक्स, जो उनके कार्य के प्रभाव और उद्धरणों को दर्शाता है, आईसीएमआर और स्वास्थ्य मंत्रालय सहित कई राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों से शोध अनुदान प्राप्त करना, नवाचार और पेटेंट, जो ओरल हेल्थ क्षेत्र में तकनीकी योगदान को दशार्ते हैं, प्रतिष्ठित वैज्ञानिक जर्नलों में संपादकीय भूमिकाएँ। यह उपलब्धि पीजीआई में शोध उत्कृष्टता को नई ऊँचाई देती है और संस्थान की राष्ट्रीय प्रतिष्ठा को और मजबूत करती है।

पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च के निदेशक प्रो. विवेक लाल ने आज संस्थान से सेवानिवृत्त हो रहे 11 अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया। उन्होंने सभी को स्मृति-चिह्न प्रदान किए और पीजीआई में उनके वर्षों की निष्ठावान सेवा के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में प्रो. विपिन कौशल (मेडिकल सुपरिटेंडेंट), लेफ्टिनेंट कर्नल जी.एस. भट्टी (सुपरिंटेंडिंग हॉस्पिटल इंजीनियर), प्रो. इंदु वर्मा, प्रो. रीना दास, प्रो. मनीप कंग, प्रो. उषा सिंह, डॉ. पंकज अनेजा, डॉ. प्रदीप सरकार, जसपाल कौर (मुख्य नर्सिंग अधिकारी) और श्री रवि दत्त शर्मा सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर रविंदर सिंह वित्त सलाहकार ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को वित्तीय भुगतान से संबंधी पत्र वितरित किए।

सेवानिवृत्त होने वालों में शामिल हैं–प्रो. थुंगापथरा एम., हरजीत कौर (ए.एन.एस.), लखविंदर कौर सेखों (ए.एन.एस.), सुधा गुप्ता (मेडिकल सोशल वेलफेयर ऑफिसर, कार्डियोलॉजी), रविंदर कुमार सैनी (डिविजनल अकाउंटेंट), शिव कुमार (हिंदी अनुवादक), अशोक कुमार शर्मा (सीनियर टेक्नीशियन), ओंकारनाथ चौधरी (ऑर्थोटिक्स एवं प्रोस्थेटिक्स टेक्नीशियन), बिशन गिरी (हॉस्पिटल अटेंडेंट, ग्रेड-क), त्रिलोक नाथ (हॉस्पिटल अटेंडेंट, ग्रेड-क्क) और मेहर सिंह (एम.टी.एस., सेनिटेशन ग्रेड-क)। इन सभी ने 22 से 37 वर्ष तक पीजीआई को अपनी सेवाएँ प्रदान कीं।

अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव और नेचर कैम्प भ्रमण से युवा हो रहे जागरूक

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

युवा पीढ़ी को हरियाणा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पर्यावरण संरक्षण के महत्व से जोड़ने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा दो दिवसीय विशेष भ्रमण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत 19 नवंबर 2025 से 5 दिसंबर 2025 तक हरियाणा, पंजाब और हिमाचल प्रदेश के विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव और नेचर कैम्प थापली का भ्रमण कराया जा रहा है। इससे युवाओं में सांस्कृतिक समझ, नेतृत्व क्षमता और पर्यावरणीय जिम्मेदारी को बढ़ावा मिलेगा। युवा कल्याण संयोजक नरेंद्र सिंह ने कहा कि राज्य सरकार युवा शक्ति को ज्ञान, कौशल और संस्कृति से सशक्त बनाकर भविष्य का नेतृत्व सौंपने की दिशा में निरंतर अग्रसर है। इसी पहल के अंतर्गत आज श्री विश्वकर्मा स्किल विश्वविद्यालय, पलवल के विद्यार्थियों ने नेचर कैम्प थापली पहुंचकर प्रकृति संरक्षण संबंधी जानकारी प्राप्त की। नरेंद्र सिंह ने बताया कि यह कार्यक्रम युवाओं में अपनी पहचान, मूल्यों और प्राकृतिक धरोहर के प्रति गर्व का भाव विकसित करते हुए राष्ट्र निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को और सशक्त बनाएगा। कैम्प में मौजूद रेंज ऑफिसर संजय ने विद्यार्थियों को कैम्प क्षेत्र, वन्यजीव संरक्षण, ट्रैकिंग मार्ग और कैम्प नियमों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि यह क्षेत्र हरियाणा वन विभाग द्वारा विकसित प्रकृति संरक्षण का महत्वपूर्ण केंद्र है, जहाँ देशभर से प्रकृति प्रेमी और शोधार्थी लगातार पहुंचते हैं।

पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति और शिक्षक संयुक्त राष्ट्र के एसडीजी–7 ऊर्जा रिव्यू के विशेषज्ञ रेफरेंस ग्रुप में शामिल

सिटी दर्पण संवाददाता
बठिंडा

उच्च शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अगल पहचान बनाते हुए पंजाब केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयू पंजाब) ने एक और उत्कृष्ट उपलब्धि दर्ज की है। विश्वविद्यालय के दो प्रतिष्ठित प्रोफेसरों / शिक्षाविदों – कुलपति प्रो. राघवेंद्र प्रसाद तिवारी और प्रो. फेलिक्स बास्ट (विभागः वनस्पति विज्ञान) को संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक आयोग एशिया-प्रशांत – यूनाइटेड नेशंस इकोनॉमिक एंड सोशल कमीशन फॉर एशिया एंड द पैसिफिक (यूएन ईएससीएपी) द्वारा सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल-7 (एसडीजी-7ः सस्ती एवं स्वच्छ ऊर्जा) के 2026 गोल प्रोफाइल रिव्यू के विशेषज्ञ रेफरेंस ग्रुप में शामिल किया गया है। दोनों प्रोफेसरों को वैश्विक जलवायु कार्रवाई के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही तैयारी रिपोर्ट के लिए वैज्ञानिक और रणनीतिक मार्गदर्शन प्रदान किया तथा ऊर्जा संक्रमण, ऊर्जा उपलब्धता और ऊर्जा दक्षता पर रणनीतिक इनपुट दिए। एसडीजी-7 का उद्देश्य सार्वभौमिक ऊर्जा पहुंच, स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों के व्यापक उपयोग एवं ऊर्जा दक्षता में सुधार को बढ़ावा देना है। प्रख्यात भूवैज्ञानिक, ख्यातिप्राप्त शिक्षाविद एवं पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राघवेन्द्र प्रसाद तिवारी तथा समुद्री जीवविज्ञानी एवं अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान परिषद के एशिया-प्रशांत क्षेत्र के सलाहकार प्रो. फेलिक्स बास्ट की यूएन-ईएससीएपी में भागीदारी विश्वविद्यालय के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। इंटरनेशनल साइंस काउंसिल रीजनल फोकल पॉइंट फॉर एशिया एंड द पैसिफिक ने दोनों विशेषज्ञों के बहुमूल्य योगदान के लिए उनकी सराहना की। एसडीजी-7 के इस अंतरराष्ट्रीय रेफरेंस ग्रुप में दुनिया के प्रमुख संस्थान – ऑस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी, जेम्स कुक यूनिवर्सिटी, आरएमआईटी यूनिवर्सिटी, और कर्टिन यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञ भी शामिल हुए हैं। इस ग्रुप में सीयू पंजाब का प्रतिनिधित्व करते हुए, प्रो. तिवारी और प्रो. बास्ट ने महत्वपूर्ण वैज्ञानिक एवं तकनीकी विशेषज्ञता उपलब्ध कराई। प्रो. फेलिक्स बास्ट की उपलब्धियों में भारत के अंटार्कटिक मिशन में अभियान वैज्ञानिक के रूप में योगदान, राष्ट्रपति द्वारा इंस्पायर्ड टीचर अवॉर्ड तथा शिक्षा मंत्रालय द्वारा टीचिंग इनोवेटर अवॉर्ड प्राप्त करना शामिल है। कुलपति प्रो. राघवेन्द्र प्रसाद तिवारी के नेतृत्व में सीयू पंजाब ने वैश्विक स्तर पर उल्लेखनीय प्रगति की है। हाल ही में विश्वविद्यालय ने टाइम्स हायर एजुकेशन झ वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में 600झ800 बैंड में स्थान प्राप्त किया है, जो विश्वविद्यालय के मजबूत अनुसंधान निष्पादन और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को दशार्ता है। प्रो. तिवारी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) के ड्राफ्ट निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दे चुके हैं और वह पर्यावरणीय स्थिरता तथा प्रकृति-अनुकूल जीवनशैली के प्रबल समर्थक रहे हैं। इस महत्त्वपूर्ण वैश्विक योगदान पर विचार व्यक्त करते हुए कुलपति प्रो. राघवेन्द्र प्रसाद तिवारी ने कहाः एसडीजी-7 जैसे महत्त्वपूर्ण वैश्विक लक्ष्य पर रणनीतिक मार्गदर्शन देना पंजाब केन्द्रीय विश्वविद्यालय के लिए गर्व की बात है। यह सहभागिता आने वाली पीढ़ियों के लिए सतत भविष्य सुनिश्चित करने हेतु वैज्ञानिक समाधानों को आगे बढ़ाने की हमारी प्रतिबद्धता को पुष्ट करती है। राष्ट्रीय और वैश्विक रैंकिंग में हमारी निरंतर प्रगति यह दशार्ती है कि सीयू पंजाब स्वच्छ ऊर्जा पहुंच और पर्यावरणीय सुरक्षा सुनिश्चित करने में बौद्धिक नेतृत्व निभाने के लिए संकल्पित है। यूएन ईएससीएपी गोल प्रोफाइल रिव्यू के अंतिम सबमिशन के साथ ही संयुक्त राष्ट्र सतत विकास पर उच्च स्तरीय राजनीतिक मंच हाई-लेवल पॉलिटिकल फोरम ऑन सस्टेनेबल डेवलपमेंट (एचएलपीएफ) की तैयारियों को गति मिल गई है।